गुरूवार
11 जून
वर्ष-1
अंक-29

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12 | ₹04 | RNI No.-JHHIN/26/A3481 | www.raftaarmedia.com

कांग्रेस ने विफलता का कलंक हिंदुओं पर लगाया: मोदी

राष्ट्रसेवा और विकसित भारत के लिए नए जोश से काम जारी रखेगा एनडीए, कांग्रेस के कुचक्र से आजाद हुआ देश, जनता देख रही स्थिरता: मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राष्ट्र सेवा और विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए नए जोश के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। गठबंधन को सत्ता में आए हुए आज 12 वर्ष हो गए हैं। केंद्र में राजग सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में देशभर के गठबंधन से जुड़े नेताओं की बैठक हुई। देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर आज भारत मंडपम में राजग नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। इस दौरान गठबंधन के नेताओं और राजग सरकारों के मुख्यमंत्रियों ने उन्हें उपहार देकर उनका अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर बैठक की तस्वीर साझा की और राजग के मुख्यमंत्रियों और नेताओं को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ह्राजग की यात्रा राष्ट्रीय हित और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के साझा संकल्प से प्रेरित रही है। इस भावना ने हमारे लोकतंत्र को मजबूत किया है, सहकारी संघवाद को गहरा किया है और विकास को गति दी है। पिछले 12 वर्षों में, एनडीए ने एक स्थिर सरकार प्रदान की है जिसने सभी क्षेत्रों में प्रगति को आगे बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री ने बैठक के बीच में ब्रेक के दौरान झालमुरी खाने से जुड़ी तस्वीरें भी साझा की हैं। उन्होंने लिखा, भारत मंडपम में एनडीए की बैठक के दौरान झालमुरी का नाश्ता। हमारे सभी नेताओं ने इस नाश्ते का खूब आनंद लिया! खास बात यह रही कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु भट्टाचार्य ने उन्हें झालमुरी परोसी।

स्थिर सरकार का काम देख रही देश की जनता: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने कहा, भारत की जनता का नीर-क्षीर विवेक हमेशा अद्भुत रहा है। देश की जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक स्थिरता का महत्व समझा है। ये जनता-जनार्दन की परिपक्वता ही है कि उसने लंबे समय तक मुझे इस तरह जनता की सेवा का अवसर दिया। 2014 के पहले के कई दशक बहुत अस्थिरता और उथल-पुथल से भरे थे। इसका देश को नुकसान उठाना पड़ा था। लेकिन अब देश की जनता एक स्थिर सरकार का काम भी देख रही है और उसकी निर्णायक क्षमताओं को परख भी रही है। मैं जनता का आभार प्रकट करता हूं।

उन्होंने कहा, ये सफलता आज देश के हर उस व्यक्ति को बताती है कि एक दिन उसके सपने भी पूरे होंगे।

'25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला'

प्रधानमंत्री ने कहा, साल 2014 में जब एनडीए की जीत हुई थी तब मैंने कहा था कि आज देश के सामान्य मानवीय में एक नई आशा का उदय हुआ है। इस आशा का इस उम्मीद का संरक्षण हम सभी का दायित्व था। देश के लोगों ने कांग्रेस के विश्वासघात के बाद अपना भरोसा हमें सौंपा। मुझे संतोष है, गर्व है कि एनडीए परिवार के तौर पर हमने देश के विश्वास को हमेशा और मजबूत किया है। 2014 में आशा का उदय होता सूरज आज नए आत्मविश्वास के प्रकाश पुंज में बदल गया है। भारत के लोगों ने पहली बार देखा है कि जब सही नीयत से सरकार चलती है तो तेज गति से विकास होता है। एनडीए सरकार के इन 12 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा लोगों का गरीबी से बाहर निकलना दिखाता है कि हमारी नीतियां सही हैं।

100 यूजर्स इंटरनेट से जुड़े: पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि आगे कहा, देश ने देखा कि जब नीति, नीयत और निर्णय तीनों एक साथ काम करते हैं तो विकास की गति कैसी होती है। देश ने देखा है कि जो काम दशकों में होते थे, वो काम महीनों में होने लगे। 2014 में 74 एयरपोर्ट थे, 2026 में 160 एयरपोर्ट हुए। 2026 में 6700 किमी एक्सप्रेसवे हैं। 2014 में 4 शहरों में मेट्रो थे, 2026 में 20 से ज्यादा शहरों में मेट्रो है। डिफेंस एक्सपोर्ट भी बढ़े हैं। देश ने एक लंबी यात्रा तय की है। देश में केवल 25 करोड़ इंटरनेट यूजर्स थे 2014 तक, आज 100 करोड़ यूजर्स इंटरनेट से जुड़े हैं। तब डिजिटल पेमेंट न के बराबर थे, आज भारत नंबर वन है। उन्होंने कहा, 2014 तक भारत मोबाइल बाहर से मंगाता था, आज 33 करोड़ हैंडसेट यहीं बनते हैं। 2014 में एथनॉल ब्लेंडिंग 1.5 फीसदी था, 2026 में यह 20 फीसदी तक पहुंच चुका है। हमने देश की जरूरतों को अपनी नीतियों और निर्णयों का आधार बनाया। हमने युवाओं के लिए कौशल विकास मंत्रालय बनया। मंत्रालयों के सहयोग के लिए अलग

हमारे लिए दल से बड़ा देश: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे लिए दल से हमेशा अगर बड़ा कुछ है तो हमारा देश हैं। जब देश प्रथम की भावना से काम होता है तो कोई भी फैसला कठिन नहीं होता है। ऐसे फैसले जिन्हें पहले असंभव समझा जाता था, जो देश के सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी थे। हमने बहुत ही सधे हुए तरीके से उन फैसलों को भी लिया है। पहले सरकारें आर्टिकल 370 की बात करने से भी डरती थीं। हमने इसे खत्म किया। पहले नॉर्थ ईस्ट से बम, बंदूक और ब्लॉकेड जाने का नाम नहीं लेते थे। हमने वहां शांति भी लौटाई और स्थिरता भी लेकर आए। मध्यम वर्ग के घर का सपना पूरा हो सके, सरकार इसमें भी मदद कर रही है। घर में इलाज के खर्च का बोझ कम हो, इसके लिए आयुष्मान भारत योजना में बिना आय सीमा के बुजुर्गों को भी शामिल किया गया है। जीएसटी रिफॉर्म्स का बड़ा लाभ मध्यम वर्ग को मिला है। मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य बीमा सस्ता हुआ है, उसके सपनों से जुड़ी चीजें सस्ती हुई हैं। इन प्रयासों का परिणाम है कि आज देश का मध्यम वर्ग अनिश्चितताओं से मुक्त हो रहा है।

ईसीएलजीएस 5.0 के तहत महीनेभर में एक लाख से अधिक ऋण गारंटी जारी: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली/एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के बीच आपातकालीन ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इसके तहत जारी गारंटी की संख्या एक महीने के भीतर एक लाख के पार पहुंच गई, जिनकी कुल राशि 48,484 करोड़ रुपये हो गई है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा, 9 जून, 2026 तक आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के तहत कुल 1,06,549 गारंटी जारी की जा चुकी हैं, जिनकी कुल राशि 48,484.26 करोड़ रुपये है। यह ऋणदाताओं को दिए जा रहे ऋण संरक्षण के व्यापक स्तर को दशार्ता है। मंत्रालय ने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 को पांच मई, 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। इस योजना का उद्देश्य पश्चिम एशिया में जारी संकट से उत्पन्न नकदी की चुनौतियों से निपटने के लिए मौजूदा उधारकताओं को 2.55 लाख करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त कर्ज उपलब्ध कराना है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस योजना की कुल गारंटी में से संख्या के हिसाब से 96 फीसदी और राशि के हिसाब से 86 फीसदी हिस्सा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से संबंधित है। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बड़ी भागीदारी ने इस योजना के त्वरित क्रियान्वयन में मदद की है। इसकी कुल गारंटी में इन बैंकों की भागीदारी 96 फीसदी है। मंत्रालय ने बताया कि एमएसएमई क्षेत्र को 100 फीसदी और गैर-एमएसएमई क्षेत्र को 90 फीसदी गारंटी कवरेज दिए जाने से वित्तीय संस्थानों को अधिक ऋण देने के लिए प्रोत्साहन मिला है, जिससे जरूरतमंद क्षेत्रों तक नकदी प्रवाह सुनिश्चित हो रहा है। यह उपलब्धि क्रेडिट के लिए एक सहायक माहौल बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाती है। जैसे-जैसे ईसीएलजीएस 5.0 में बदलाव हो रहे हैं, ये व्यवसायों के बीच वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बना हुआ है।

कैबिनेट ने अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज-2ए को दी मंजूरी, एयरपोर्ट तक पहुंचेगी मेट्रो

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार ने अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज-2ए (कोटेश्वर रोड से एयरपोर्ट कॉरिडोर) को मंजूरी दे दी है। 6.032 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर में पांच स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें चार एलिवेटेड और एक भूमिगत स्टेशन शामिल होगा। परियोजना की कुल लागत 2,169.04 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यहां मीडिया को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कोटेश्वर रोड-एयरपोर्ट कॉरिडोर को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि छह किलोमीटर लंबे इस मार्ग में पांच स्टेशन होंगे और इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह एयरपोर्ट को सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव से जोड़ेगा, जिसे राष्ट्रमंडल खेलों के मद्देनजर विकसित किया जा रहा है। परियोजना को चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। फेज-2ए के तहत बनने वाले स्टेशनों में आश्रम रोड, कोटेश्वर प्राचीन मंदिर, साबरमती नदी, सरदार नगर और एयरपोर्ट स्टेशन शामिल हैं। अहमदाबाद-गांधीनगर में सक्रिय मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई बढ़कर 77.63 किलोमीटर हो जाएगी।

अमरावती में दो बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय कैबिनेट ने आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में दो प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में केंद्रीय सरकारी कार्यालयों के लिए जनरल पूल ऑफिस आवास (सीजीजीपीओए) और कर्मचारियों के लिए जनरल पूल रेजिडेंशियल आवास (जीपीआरए) शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां राष्ट्रीय मीडिया को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि इन दोनों परियोजनाओं का उद्देश्य आधुनिक, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल अवसंरचना का विकास करना है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने अमरावती में केंद्रीय सरकारी जनरल पूल ऑफिस आवास परियोजना को 1,299.08 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। इस परियोजना में 23.25 लाख वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्र होगा। साथ ही जनरल पूल रेजिडेंशियल आवास परियोजना को भी मंजूरी दी गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1,234.91 करोड़ रुपये है और इसमें 31.30 लाख वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्र होगा। उन्होंने बताया कि दोनों परियोजनाएं सस्टेनेबल और ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर के मानकों पर आधारित होंगी। इनमें न्यूनतम एकीकृत आवास मूल्यांकन हेतु हरित रेटिंग (गृहा) 4-स्टार रेटिंग सुनिश्चित की जाएगी और ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (ईसीबीसी 2024) के अनुरूप डिजाइन तैयार किया जाएगा।

मोदी और नेहरू की तुलना नहीं, यह केवल रिकॉर्ड का विषय: देवेंद्र

मुंबई/एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच किसी प्रकार की तुलना या प्रतिस्पर्धा नहीं है। यह केवल सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने के रिकॉर्ड से जुड़ा विषय है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 27वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के अवसर पर मुंबई स्थित वाय. बी. चव्हाण सेंटर में आयोजित समारोह में वरिष्ठ नेता शरद पवार ने कहा था कि नेहरू और मोदी की तुलना नहीं की जा सकती। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा कि, देश के निर्वाचित प्रधानमंत्रियों में नेहरूजी के नाम 4,398 दिनों तक पद पर रहने का रिकॉर्ड था, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब 4,399 दिन पूरे कर चुके हैं और आगे भी इस पद पर बने रहेंगे। इसके अलावा किसी प्रकार की तुलना का प्रश्न ही नहीं उठता। नेहरू ने अपने समय में जो कार्य किए, उसे देश जानता है और मोदी ने पिछले एक दशक में जो कार्य किए हैं, वे भी सबके सामने हैं। नए भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए किसी तुलना की आवश्यकता नहीं है।

ममता के 19 बागी सांसद: हृदय में काबा' गाने वालीं सायोनी से लेकर शत्रुघ्न-यूसुफ पठान तक

कोलकाता/एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पश्चिम बंगाल में विधायकों की बगावत के बाद उनके दिल्ली दौरे के बीच में ही संसदीय दल के 19 सांसदों ने भी बागी रुख अपना लिया था। न्यूज एजेंसी आईएएनएस की ओर से अब इन 19 सांसदों के नाम वाली एक सूची सामने आई है। टीएमसी सांसदों के नाम वाली इस सूची में कई बड़े नाम शामिल हैं। इनमें शत्रुघ्न सिन्हा, यूसुफ पठान, काकोली घोष के साथ ही एक चौंकाने वाला नाम सायोनी घोष का शामिल है।

बागी सांसदों की सूची

काकोली घोष (बारासात)
जगदीश चंद्र बसुनिया (कूचबिहार)
खलीलुर रहमान (जंगीपुर)
यूसुफ पठान (बहरामपुर)
अबू ताहिर खान (मुर्शिदाबाद)
पार्थ भौमिक (बैरकपुर)
बापी हलदार (मथुरापुर)
सायोनी घोष (जादवपुर)
माला रॉय (कोलकाता दक्षिण)
मिताली बाग (आरामबाग)
दीपक अधिकारी (घाटाल)
कालीपद सोरेन (झाड़ग्राम)
जून मालिया (मेदिनीपुर)
अरूप चक्रवर्ती (बांकुड़ा)
डॉ. शर्मिला सरकार (वर्धमान पूर्व)
शत्रुघ्न सिन्हा (आसनसोल)
असित कुमार माल (बोलपुर)
शताब्दी रॉय (बीरभूम)
रचना बनर्जी (हुगली)

काकोली घोष ने किया था एनडीए को समर्थन देने का एलान।

काकोली घोष ने दावा किया था कि बागी सांसद टीएमसी से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा था कि टीएमसी सांसद भाजपा में भी शामिल नहीं होंगे। काकोली घोष ने कहा था कि टीएमसी सांसदों का गुट एनडीए को पार्टी के एक अलग गुट के तौर पर समर्थन देगा। बीते दिनों काकोली घोष को लोकसभा में मुख्य सचेतक पद से हटाकर कल्याण बनर्जी को यह पद दे दिया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल पर एनडीए की उच्चस्तरीय बैठक

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/रांचीः देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में एनडीए की एक उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो भी शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए भगवान बिरसा मुंडा का चित्र भेंट किया।बैठक में एनडीए के प्रमुख घटक दलों के नेताओं के साथ केंद्र सरकार के मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री तथा गठबंधन के शीर्ष पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों, विकास योजनाओं तथा भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

4,399 दिनों का कार्यकाल पूरा कर बनाया नया रिकॉर्ड

बैठक के दौरान यह उल्लेख किया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे कर लिए हैं। इसके साथ ही वे स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। इस उपलब्धि को एनडीए नेताओं ने देश के लोकतांत्रिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय बताया।

विकास और सुशासन की उपलब्धियों पर हुई चर्चा

युक्त बैठक के दौरान देश के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान देश में हुए विकास कार्यों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल क्रांति, आर्थिक सुधार, आत्मनिर्भर भारत अभियान, सामाजिक कल्याण योजनाओं तथा भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में हुई वृद्धि जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आगामी वर्षों में विकास की गति को और तेज करने तथा संगठनात्मक मजबूती के लिए राजनीतिक रणनीतियों पर भी मंथन किया गया।

सुदेश महतो ने पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना किया

मौके पर सुदेश महतो ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके दृढ़ नेतृत्व, अथक परिश्रम, जनविश्वास और राष्ट्र के प्रति समर्पण ने भारत को विकास और सुशासन की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने आत्मनिर्भरता, वैश्विक प्रभाव, आर्थिक मजबूती और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वस्थ, सुखद और दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ता रहे और भारत विश्व पटल पर नई सफलताएं हासिल करता रहे।

इनकी रही उपस्थिति

एनडीए के संयुक्त बैठक के दौरान देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह , केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री तथा सहयोगी दलों के प्रमुख नेता मौजूद रहे।

बुंडू कांग्रेस कार्यकर्ता बीएलओ से मिलकर मतदाता सूची में नाम दर्ज करने में सहयोग करें - सांसद कालीचरण सिंह मुंडा

रफ़्तार मिडिया बुंडू संवाददाता

रांची जिला अंतर्गत कांग्रेस पार्टी बुंडू प्रखंड कमेटी के तत्वाधान पर अरूणालय बैंकट हॉल में बुधवार को एकदिवसीय जनसंवाद शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस पार्टी के स्थानीय सांसद कालीचरण मुंडा शामिल हुए. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता बूथ लेवल ऑफिसर से मिलकर मतदाता सूची में नाम अंकित करने का काम करें.इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी की नीति और संगठन को गांव-गांव टोल मोहल्ले तक पहुंचाने का अपील किया। सांसद ने केंद्र सरकार की नीतियों एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यशैली की आलोचना करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए जनता की आवाज को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य जनसुविधाओं से संबंधित समस्याओं को लेकर सांसद महोदय को ज्ञापन सौंपा। सांसद ने संबंधित

मुद्दों पर आवश्यक पहल करने का भरोसा दिलाया।बैठक में उपस्थित समाज के बुद्धिजीवियों एवं वरिष्ठजनों ने भी क्षेत्र के विकास और जनहित के विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर संगठनात्मक मजबूती पर विशेष चर्चा की गई।सांसद कालीचरण मुंडा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि "क्षेत्र की जनता ही संगठन की वास्तविक शक्ति और रीढ़ होती है।

जनता के साथ निरंतर संवाद और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष ही संगठन को मजबूत बनाता है।" उन्होंने सभी कार्यकताओं से जनसरोकार के मुद्दों पर सक्रिय रहने और संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया।वहीं कांग्रेस पार्टी खूंटी लोकसभा के प्रभारी राजेश गुप्ता ने प्रखंड के सभी पदाधिकारी एवं सक्रिय कार्यकताओं को केंद्रीय निर्देश अनुसार कार्य करने का अपील किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता बुंडू प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि मनोहर प्रसाद महतो ने किया.इस मौके पर शंकर सिंह मुंडा, अनिल मंडल, जीवनाथ महली, भीम मछुआ, अजय बिद,तीर्थनाथ सिंह मुंडा, हरिहर मुंडा, उदय लोहारा, बलराम महतो, मोहम्मद जब्बार, रविंद्र मुंडा,मधुसूदन सिंह मुंडा, दुखहरण मछुआ गणेश नायक, सुदेश महतो,देवगन मंडल,रमेश उरांव, गोपाल साहू, गोपाल भगत, आदि मौजूद थे.

हरमू नदी को स्वच्छ बनाने के लिए पुनः प्रयास

1.50 करोड़ की ड्रेन मास्टर मशीन का रांची नगर निगम द्वारा उद्घाटन

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

रांचीः झारखंड में मानसून दस्तक देने वाली है इससे पूर्व राजधानी रांची के नदी नालों और जलाशयों की साफ सफाई को लेकर रांची नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। शहर के जल स्त्रोतों का आधुनिक तकनीक से सफाई सुनिश्चित करने के लिए सेंट्रल सीसीएल के सी.एस.आर मद से खरीदी गई अत्याधुनिक एम्फीबियस ड्रेन मास्टर मशीन का बुधवार को विधिवत रूप से उद्घाटन किया गया। रांची की महापौर रौशनी खलखो और उपमहापौर नीरज कुमार ने हरमू नदी में मशीन उतारकर सफाई अभियान की शुरूआत की।

मानसून से पहले जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की तैयारी- रौशनी खलखो

ड्रेन मास्टर मशीन के में मौजूद रांची की महापौर रौशनी खलखो ने कहा कि आगामी मानसून को देखते हुए नगर निगम शहर के सभी नदी,नालों और जलाशयों की व्यापक सफाई करा रहा है। उन्होंने कहा कि हरमू नदी में उतारी गई यह मशीन नदी की तलहटी में जमे गाद, कचरे और

अन्य अपशिष्टों को निकालने में बेहद कारगर साबित होगी। इससे जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी और बरसात के दौरान जलभराव की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी।महापौर ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य केवल सफाई अभियान चलाना नहीं, बल्कि शहर के जल स्त्रोतों को संरक्षित करना और उन्हें पुनर्जीवित करना भी है।

जल और स्थल दोनों जगह काम करने में सक्षम है मशीन- नीरज कुमार

वहीं, रांची के उपमहापौर नीरज कुमार ने बताया कि ड्रेन मास्टर मशीन की सबसे बड़ी विशेषता इसकी एम्फीबियस तकनीक है। यह मशीन पानी और जमीन दोनों स्थानों पर समान रूप से कार्य कर सकती है। बरसात के मौसम में भी यह नदी, तालाब और अन्य जलाशयों में तैरते हुए सफाई कार्य करने में सक्षम है.उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच जल स्त्रोतों की सुरक्षा और स्वच्छता बनाए रखने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग जरूरी हो गया है। इसी सोच के तहत नगर निगम ने सीसीएल के सहयोग से इस मशीन को शहर की सेवा में शामिल किया है।

हरमू नदी को पुनर्जीवित करने के लिए नगर निगम की सार्थक पहल हरमू नदी की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए रांची नगर निगम की इस पहल को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वर्षों से गाद, प्लास्टिक, घरेलू कचरे और अतिक्रमण की मार झेल रही हरमू नदी की हालत ऐसी हो गई है कि लोग इसे नदी की बजाय नाला कहने लगे हैं। ऐसे में नगर निगम का यह प्रयास नदी के पुनर्जीवन की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

दो टन कचरा संग्रहण क्षमता से लैस है मशीन

नगर निगम के उप नगर आयुक्त रविंद्र कुमार ने मशीन की तकनीकी विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि करीब 1.50 करोड़ रुपये की लागत से खरीदी गई यह मशीन कई अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है।

मशीन जल और स्थल दोनों स्थानों पर संचालित हो सकती है तथा जलाशयों में तैरते हुए सफाई कार्य कर सकती है।उन्होंने बताया कि मशीन में लगभग दो टन क्षमता का स्टोरेज सिस्टम उपलब्ध है, जिसमें निकाले गए कचरे और अपशिष्ट पदार्थों को संग्रहित किया जा सकता है। इसके अलावा यह मशीन जलाशयों की गहराई में जमे गाद और गंदगी को निकालने की भी क्षमता रखती है।

हरमू नदी से शुरू होकर अन्य जलाशयों तक पहुंचेगा अभियान

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार हरमू नदी में शुरू किया गया सफाई अभियान आने वाले दिनों में शहर के अन्य प्रमुख तालाबों, नदियों और जलाशयों तक विस्तारित किया जाएगा। इससे न केवल जल स्त्रोतों की स्वच्छता में सुधार होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जलभराव की समस्या से निपटने में भी मदद मिलेगी।

नागरिकों से सहयोग की अपील

रांची नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की कि वे किसी भी नदी, तालाब, नाले या अन्य जलाशयों में ठोस और तरल कचरा न फेंकें। नगर निगम के अनुसार जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में आम लोगों की भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि प्रशासनिक पहल।

प्रधानमंत्री मोदी के दीघार्यु की कामना को लेकर रांची के हनुमान मंदिर में विशेष पूजा अर्चना

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

रांचीः देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार ने 12 वर्ष पूरा कर लिया है और वे सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री पद पर रहने का रिकॉर्ड बना चुके हैं। राजधानी रांची के मेन रोड स्थित हनुमान मंदिर में भाजपा की ओर से विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू मुख्य रूप से शामिल हुए इस दौरान प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य, दीघार्यु और सफल जीवन की कामना करते हुए धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। पूजा के बाद श्रद्धालुओं और कार्यकताओं के बीच फल एवं मिठाइयों का वितरण भी किया गया।

पीएम मोदी ने देश के 140 करोड़ नागरिकों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है-आदित्य साहू

मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्षों में देश के 140 करोड़ नागरिकों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।उन्होंने कहा कि गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं, शोषितों और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार ने अनेक योजनाएं संचालित की हैं, जिनका लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री ने बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया है।उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास और समर्थन के कारण ही नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार

देश का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त हुआ है। देशवासियों के आशीर्वाद और भरोसे ने उन्हें लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर कार्य करने का गौरव दिलाया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की जनता और नेतृत्व के बीच मजबूत विश्वास का प्रतीक है।

हनुमान मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लंबी आयु की कामना

आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र निर्माण के साथ ही साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित एवं सशक्त करने का भी कार्य किया है। उन्होंने कहा कि देश की प्राचीन परंपराओं, धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए केंद्र सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उन्होंने राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारत की सांस्कृतिक चेतना और आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जीवन राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित रहा है और वे निरंतर देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने भगवान हनुमान से प्रार्थना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और ऊर्जा प्रदान करें, ताकि वे इसी समर्पण और सेवाभाव के साथ देशहित में कार्य करते रहें।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में भाजपा कार्यकताओं और नेताओं की बड़ी संख्या मौजूद रही। धार्मिक वातावरण के बीच वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना संपन्न हुई। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह, प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अशोक बड़ाइक,राकेश भास्कर, जितेन्द्र वर्मा, राजू सिंह, केके गुप्ता, संकेत तिवारी, जितेन्द्र पटेल, सुबोधकांत, ललित ओझा, संजय जायसवाल, रवि मुंडा, संजय सहाय, अमन जायसवाल सहित भाजपा के कई पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसबीआई शाखा पतराहातु ने ग्राहकों को बैंकिंग सुविधा से जुड़े रहने के लिए की एक नई पहल

रफ्तार मीडिया सिल्ली संवाददाता

सिल्ली - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा पतराहातु ने बुधवार को बैंक के सबसे पुराने ग्राहकों का डोर टू डोर जाकर बर्षो से बेहतरीन सहयोग और रिश्ते बनाए रखने को लिए सम्मानित किया। इस मौके पर शाखा प्रबंधक मनीष कुमार ने कहा कि पुराने ग्राहक ही बैंक की असली पूंजी है। जिनके विश्वास के बदौलत बैंक लगातार आगे बढ़ रहा है।सम्मानित होने पर ग्राहकों ने भी बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रबंधक ने कहा एसबीआई की स्थापना 1 जुलाई 1955 को हुए थी और 1 जुलाई 2026 को बैंक अपना 71 साल पूरा करेगा । इस 71 साल के विश्वास को शाखा प्रबंधक मनीष कुमार और बलराम महतो के द्वारा 71 मिनट में पूरा करने का कोशिश किया गया। इस मौके पर भीमसेन महतो रविन्द्र हजाम आदि मौजूद रहे।

सोनाहातु प्रखंड तेलवाडीह पंचायत का छिलका पुल बुला रहा है बड़ा हादसा, कभी भी टूट सकता है ढांचा

जर्जर पुल से गुजरने को मजबूर हजारों ग्रामीण, प्रशासन से नया पुल की मांग

रफ़्तार मिडिया सोनाहातु संवाददाता

सोनाहातु प्रखंड के तेलवाडीह पंचायत अंतर्गत एडरमहातू गांव के पास बना छिलका पुल पूरी तरह जर्जर हो चुका है। पुल के नीचे से मिट्टी कट जाने के कारण ढांचा खोखला हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पुल कभी भी टूटकर बड़ा हादसा हो सकता है। यह पुल सोनाहातु के जामुदाग से डीह मोड़ होते हुए पारम जाडेया जाडेंया को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर है। रोजाना हजारों ग्रामीण स्कूल, अस्पताल और बाजार जाने के लिए इसी पुल से गुजरते हैं।ग्रामीणों ने बताया कि तेज बहाव में पुल के नीचे लगातार कटाव हो रहा है। लोग डर-डर कर इस पुल से निकलते हैं। बच्चे

और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान हैं। प्रशासन समय रहते मरम्मत नहीं कराएगा तो बड़ी दुर्घटना तय है,ह्व स्थानीय लोगों ने कहा उल्लेखनीय है कि इसी पुल के बगल में करीब 2 साल पहले नए पुल का निर्माण शुरू हुआ था, लेकिन विवाद के कारण ठेकेदार काम अधूरा छोड़कर चला गया। तब से निर्माण ठप है और पुराना जर्जर पुल ही लोगों का सहारा बना हुआ है।ग्रामीणों ने प्रशासन और पथ निर्माण विभाग से मांग की है कि तत्काल टीम भेजकर पुल का निरीक्षण किया जाए और अस्थायी मरम्मत के साथ नए पुल का काम जल्द शुरू कराया जाए।

सांपचाला पंचायत में अबुआ जाति एवं निवासी प्रमाण पत्र शिविर आयोजित,

दुमका जिला के मसलिया प्रखंड अंतर्गत सांपचाला पंचायत भवन सभागार में बुधवार को अबुआ जाति एवं निवासी प्रमाण पत्र निर्गत करने के उद्देश्य से विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए। शिविर के दौरान कुल 61 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीन आवेदकों को तत्काल प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। पंचायत की मुखिया सनोती हांसदा ने लाभुकों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के लिए इस तरह के शिविर महत्वपूर्ण हैं।

राज्यसभा चुनाव2026ः परिमल नाथवानी की उम्मीदवारी को मिली मंजूरी

कांग्रेस की आपत्तियां हुई खारिज, मुकाबला हुआ दिलचस्प

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

रांचीःझारखंड से राज्यसभा की दो सीटों के लिए हो रहे चुनाव को लेकर नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी की उम्मीदवारी को हरी झंडी मिल गई। उनके नामांकन पत्र पर उठाई गई आपत्तियों को खारिज करते हुए रिटर्निंग ऑफिसर ने नामांकन को वैध घोषित कर दिया। इसके साथ ही राज्यसभा चुनाव का मुकाबला और अधिक रोचक हो गया है।

रिटर्निंग ऑफिसर ने परिमल नाथवानी के नामांकन को वैध करार दिया

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नामांकन पत्रों की जांच के दौरान नाथवानी के नामांकन से जुड़े तीन बिंदुओं पर आपत्तियां दर्ज की गई थीं। इन आपत्तियों के मद्देनजर विधानसभा प्रभारी सचिव एवं राज्यसभा चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर रंजीत कुमार ने उनके नामांकन को तत्काल मंजूरी देने के बजाय आवश्यक स्पष्टीकरण मांगा था। बाद में नाथवानी की ओर से संबंधित दस्तावेज और जवाब प्रस्तुत किए गए। जवाबों का परीक्षण करने के बाद रिटर्निंग ऑफिसर संतुष्ट हुए और उनके नामांकन पत्र

को वैध घोषित कर दिया। इसके साथ ही कांग्रेस द्वारा दर्ज कराई गई सभी आपत्तियों को भी निरस्त कर दिया गया।

राज्यसभा के चुनावी दंगल में तीन प्रत्याशी है आमने सामने

नामांकन जांच प्रक्रिया की पूरी होने के बाद अब राज्यसभा चुनाव में तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से बैद्यनाथ राम और प्रणव झा शामिल हैं, जबकि तीसरे उम्मीदवार के रूप में भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी चुनावी मैदान में बने हुए हैं। परिमल नाथवानी की उम्मीदवारी को मंजूरी मिलने के बाद राजनीतिक गलियारों में चुनावी गणित और संभावित रणनीतियों को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। अब सभी की निगाहें मतदान और विधायकों की प्राथमिकता आधारित वोटिंग पर टिकी हुई हैं।

सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त संख्या बल झारखंड विधानसभा के वर्तमान संख्याबल पर नजर डालें तो इंडिया गठबंधन यानी कि महागठबंधन की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही है। झामुमो, कांग्रेस, राजद और सहयोगी दलों को मिलाकर गठबंधन के पास लगभग 56 विधायक हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए यह संख्या दोनों सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त मानी जा रही है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि गठबंधन के सभी विधायक एकजुट होकर मतदान करते हैं और कोई अप्रत्याशित परिस्थिति नहीं बनती है, तो दोनों उम्मीदवारों की जीत का रास्ता आसान हो सकता है। यही वजह है कि सत्ता पक्ष लगातार अपने विधायकों के साथ समन्वय बनाए रखने में जुटा हुआ है।

परिमल नाथवानी की एंट्री से दिलचस्प हुआ मुकाबला

दूसरी ओर भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी की एंट्री ने चुनाव को एकतरफा होने से रोक दिया है। एनडीए के पास विधानसभा में करीब 24 विधायक हैं ऐसे में नाथवानी को जीत दर्ज करने के लिए और चार विधायकों की समर्थन की आवश्यकता होगी। वहीं,राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राज्यसभा चुनाव में प्राथमिकता वोटों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में विभिन्न दलों के विधायकों की मतदान रणनीति और वोटों का ट्रांसफर चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि चुनावी गणित को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं।

क्रॉस वोटिंग की चचाएं तेज

नाथवानी की उम्मीदवारी बरकरार रहने के बाद राजनीतिक गलियारों में क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं को लेकर चचाओं का दौर शुरू हो गया है।

हालांकि किसी भी दल की ओर से इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई संकेत नहीं दिया गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश में लगे हुए हैं।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि राज्यसभा चुनाव में अक्सर दलों की रणनीति अंतिम समय तक गोपनीय रखी जाती है। इसलिए मतदान से पहले किसी भी संभावित समीकरण पर निश्चित निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

अब नाम वापसी और मतदान पर नजर

नामांकन पत्रों की जांच पूरी होने के बाद अब सभी की निगाहें नाम वापसी की प्रक्रिया और मतदान की तारीख पर हैं। यदि तीनों उम्मीदवार चुनाव मैदान में बने रहते हैं तो राज्यसभा चुनाव में मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। हालांकि अंतिम परिणाम विधायकों के मतदान व्यवहार, प्राथमिकता वोटों के वितरण और राजनीतिक दलों की रणनीति पर निर्भर करेगा।फिलहाल इतना तय है कि परिमल नाथवानी की उम्मीदवारी को मंजूरी मिलने के बाद झारखंड का राज्यसभा चुनाव राजनीतिक दृष्टि से पहले की तुलना में अधिक चर्चित और दिलचस्प हो गया है। सत्ता पक्ष जहां अपने संख्याबल के भरोसे दोनों सीटों पर जीत का दावा कर रहा है, वहीं विपक्ष समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के मैदान में बने रहने से चुनावी उत्सुकता और बढ़ गई है।

मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे झारखंड आंदोलनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया, बाद में छोड़ा गया

रफ्तार मीडिया सिल्ली संवाददाता

सिल्ली/रांची: पूर्व राज्य के झारखंड आंदोलनकारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी आवाज बुलंद करने रांची जा रहे थे। इसी क्रम में पुलिस ने उन्हें बुंडू चौक के समीप हिरासत में लेकर सिल्ली थाना लाया।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले सिल्ली के आंदोलनकारी लक्ष्मी महतो के नेतृत्व में रांची के लिए रवाना हुए थे। थाना पहुंचने के दौरान आंदोलनकारियों ने नारेबाजी करते हुए सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

आंदोलनकारी नेता लक्ष्मी महतो ने कहा कि सरकार उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा आंदोलनकारियों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया जा रहा है तथा निर्धारित सम्मान राशि भी नियमित रूप से नहीं दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि कई आंदोलनकारियों को मात्र दो हजार, तीन हजार अथवा पांच हजार रुपये देकर औपचारिकता निभाने का प्रयास किया जा रहा है, जो आंदोलनकारियों के साथ अन्याय है। लक्ष्मी महतो ने यह भी कहा कि बीच रास्ते में रोककर उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन आंदोलनकारी पीछे हटने वाले नहीं हैं और उनका आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

वहीं, प्रशासन द्वारा छोड़े जाने के बाद लक्ष्मी महतो ने सिल्ली थाना प्रभारी की कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी द्वारा आंदोलनकारियों के साथ अत्यंत सम्मानजनक व्यवहार किया गया। लक्ष्मी महतो ने कहा, "हमें थाना परिसर में पूरे सम्मान के साथ रखा गया। सिल्ली में आज तक ऐसा प्रभारी नहीं देखा, जिन्होंने आंदोलनकारियों के साथ इतनी संवेदनशीलता और सम्मान का परिचय दिया हो। इसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है।"

जानकारी के अनुसार, पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर सिल्ली थाना लाए गए आंदोलनकारियों को लगभग दोपहर 2 बजे छोड़ दिया गया। इसके बाद आंदोलनकारी अपने-अपने घरों के लिए रवाना हो गए। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगें पूरी नहीं होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

डैम में तैरता मिला था रीना का शव 'शादी' के खौफ में प्रेमी बना कातिल, दुमका पुलिस का बड़ा खुलासा!

सवांददाता कुमार विक्रम

दुमका- महज एक साल का प्यार और फिर खौफनाक अंत! दुमका के प्रसिद्ध मसानजोर डैम के पानी में बीते दिनों मिली एक अज्ञात युवती की लाश ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। दुमका पुलिस ने इस अंधे कत्ल की गुत्थी को न सिर्फ 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया, बल्कि आरोपी प्रेमी को भी सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। प्यार का दावा करने वाले सिरफिरे आशिक ने ही शादी के दबाव से बचने के लिए अपनी प्रेमिका को मौत के घाट उतार दिया था।

डैम में मिला था शव, ऐसे हुई पहचान-

बीते दिनों मसानजोर डैम के पानी में एक अज्ञात महिला का शव तैरता हुआ मिला था। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार कराया गया। इसे देखकर मृतिका के परिजन मसानजोर ओ०पी० पहुंचे और उसकी पहचान दुधानी निवासी 19 वर्षीय रीना कुमारी के रूप में की। इसके बाद परिजनों की शिकायत पर मोबाइल नंबर के धारक के खिलाफ हत्या कर शव छुपाने की प्राथमिकी दर्ज की गई।

तकनीकी जांच और 'एक सिम' से खुला राज-

दुमका पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ सदर दिलीप खलखो के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने जब संदिग्ध मोबाइल नंबर की जांच की, तो पता चला कि वह सिम देवघर के सारठ निवासी राजीव रंजन मंडल के नाम पर था, लेकिन उसका इस्तेमाल उनका 18 वर्षीय बेटा केतन कुमार मंडल कर रहा था। पुलिस ने पुख्ता सबूतों के आधार पर केतन को उसके घर से दबोच लिया।

शादी का दबाव बना हत्या की वजह-

पुलिसिया पूछताछ में आरोपी केतन मंडल ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने बताया कि रीना और उसके बीच पिछले एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। रीना लगातार उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इसी झंझट से पीछा छुड़ाने के लिए उसने रीना की बेरहमी से हत्या की और पहचान छुपाने की नीयत से शव को मसानजोर डैम में फेंक दिया।

दस्तावेज और सामान बरामद-

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मृतिका रीना कुमारी का एक काले रंग का पिठू बैग, कढ़ाई की हुई ओढ़नी, एसबीआई बैंक की पासबुक, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड और उसके 10वीं व 12वीं के शैक्षणिक प्रमाण पत्र बरामद कर लिए हैं। इस त्वरित और सफल उद्भेदन टीम में एसडीपीओ दिलीप खलखो, इंस्पेक्टर विष्णुदेव पासवान, ओपी प्रभारी अवधेश कुमार और अनुसंधानकर्ता चन्देश्वर रविदास सहित तकनीकी शाखा के जवान शामिल थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में श्रम एवं आईटीआई विभाग की हुइ समीक्षात्मक बैठक संपन्न

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा

जामताड़ा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में श्रम एवं आईटीआई अंतर्गत कार्यान्वित योजनाओं/कार्यों के प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने श्रम विभाग की समीक्षा के दौरान संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, प्रवासी श्रमिकों के निबंधन के अलावा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। साथ ही उक्त योजनाओं के वृहत प्रचार प्रसार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इसके अलावा जनता दरबार में कम पारिश्रमिक मिलने की प्राप्त शिकायत पर हुई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।इसके अलावा उपायुक्त द्वारा जिले में संचालित दोनों आईटीआई कॉलेज

अंतर्गत नामांकित छात्र, हॉस्टल एवं अन्य फैसिलिटी, प्रशिक्षण के उपरांत जॉब प्लेसमेंट सहित अन्य बिंदुओं पर जानकारी ली गई। बताया गया कि जामताड़ा आईटीआई में हॉस्टल की सुविधा नहीं है, जबकि करमाटांड में हॉस्टल सुविधा है।उन्होंने भवन जीर्णोद्धार, गार्ड रूम निर्माण एवं अन्य सुविधाओं के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

वहीं उन्होंने आउट बच्चों के शत प्रतिशत जॉब प्लेसमेंट के लिए नियोजन कार्यालय से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने एवं इस हेतु स्थानीय प्रतिष्ठानों एवं कंपनियों से भी संपर्क करने ताकि युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सके। वहीं ऑन जॉब ट्रेनिंग के लिए स्थानीय स्तर पर हो रही समस्या को लेकर को उपायुक्त ने समुचित कार्रवाई हेतु निर्देश दिया। इसके अलावा अन्य बिंदुओं पर समीक्षा के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

दिशा बैठक के निदेर्शों की समीक्षा, उपायुक्त ने मांगा तथ्यात्मक और अद्यतन प्रतिवेदन

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा

जामताड़ा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की पिछली बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन एवं अद्यतन प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा किए गए कार्यों तथा अनुपालन प्रतिवेदनों की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, राजस्व, भू-अर्जन, पथ निर्माण, समाज कल्याण, ग्रामीण कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, स्वास्थ्य विभाग, एनआरईपी, पशुपालन, विद्युत, वन प्रमंडल, खनन, शिक्षा विभाग तथा नगर पंचायत जामताड़ा समेत

विभिन्न विभागों को पूर्व में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की स्थिति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने विभागवार प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए योजनाओं एवं कार्यों की वर्तमान स्थिति से अवगत हुए। अधूरी और असंतोषजनक रिपोर्ट पर जताई नाराजगी बैठक के दौरान उपायुक्त ने कई विभागों द्वारा प्रस्तुत अनुपालन प्रतिवेदन पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कुछ विभागों की रिपोर्ट में पर्याप्त आंकड़े और तथ्य शामिल नहीं हैं, जिससे वास्तविक प्रगति का आकलन करना कठिन हो रहा है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे डेटा एवं तथ्यों पर आधारित वास्तविक, सटीक और समन्वित प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। संतोषजनक नहीं पाया गया है, वे उसी दिन संशोधित रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि समीक्षा बैठकों में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रतिवेदन पूरी तैयारी और प्रमाणिक तथ्यों के साथ होने चाहिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी की जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्यों को पूरा किया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त असीम किस्पोट्टा, अपर समाहर्ता पूनम कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार, सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद मिश्रा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी कयूम अंसारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी चार्ल्स हेंब्रम सहित विभिन्न तकनीकी एवं गैर-तकनीकी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

गयाजी में फ्लाईओवर निर्माण से टूटी पाइपलाइन, कई इलाकों में जलापूर्ति ठप,एक सप्ताह में मरम्मत और मलबा हटाने का निर्देश

रफ्तार मीडिया/गयाजी
प्रभात सिन्हा/वरीय संवाददाता

गयाजी के मानपुर क्षेत्र में फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान नगर निगम की पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से पटवा टोली सहित आसपास के कई मोहल्लों में जलापूर्ति प्रभावित हो गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए गयाजी नगर निगम के नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया ने बुधवार को प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित एजेंसियों को एक सप्ताह के भीतर पाइपलाइन की मरम्मत तथा नालों से मलबा हटाने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने पाया कि खिजरसराय रोड पर निमार्णाधीन फ्लाईओवर के कार्य के कारण नगर निगम की पाइपलाइन टूट गई है, जिससे लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। वहीं निर्माण कार्य से निकला मलबा नालों में डाल दिए जाने से जल निकासी व्यवस्था भी प्रभावित हुई है।

मौके पर बिहार राज्य पथ विकास निगम के उप महाप्रबंधक, बुडको के उप परियोजना निदेशक तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद थे। नगर आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर शीघ्र समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत एवं नालों से मलबा हटाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

इसके बाद नगर आयुक्त ने मानपुर स्थित प्रमुख निकासी नाला सलेमपुर पईन का निरीक्षण किया। उन्होंने नाला सफाई कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि मानसून के दौरान जलजमाव की समस्या उत्पन्न न हो।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने नारायणी पुल के समीप मानसरवा नाला का भी जायजा लिया। यहां कुछ लोगों द्वारा नाले में मिट्टी भरकर अतिक्रमण किए जाने की जानकारी मिलने पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित सिटी मैनेजर एवं स्वच्छता पदाधिकारी को जेसीबी मशीन से मिट्टी हटाकर नाले की मूल चौड़ाई बहाल करने तथा जल निकासी व्यवस्था सुचारु करने का निर्देश दिया।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि जल निकासी में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमणकारियों की पहचान कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को शहर के संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित निगरानी करने तथा जलापूर्ति एवं जल निकासी संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने बताया कि मानसून को देखते हुए गयाजी नगर निगम पूरी तरह सतर्क है और नाला सफाई, अतिक्रमण हटाने तथा जलजमाव की संभावनाओं को समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, ताकि शहरवासियों को बारिश के मौसम में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया

कुजू/रामगढ़। रामगढ़ जिला अंतर्गत बोंगाबर स्थित जेपी रेस्टोरेंट के सभागार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी लोगों को दी गई।

इस अवसर पर भाजपा रामगढ़ जिला महामंत्री जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विकास, आत्मनिर्भरता, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित, युवा उत्थान तथा आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने उपस्थित लोगों को पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया तथा उन्हें केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। वहीं भाजपा जिला महामंत्री जगेश्वर प्रजापति के जन्मदिवस के अवसर पर कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीघार्यु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में निरेंद्र श्रीवास्तव, परमेश्वर केसरी, आशा देवी, शांति देवी, कौशल्या देवी, मनसरी देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा कार्यकताओं ने की पूजा-अर्चना

वरीय संवाददाता रफ्तार मीडिया
सुमन सिन्हा
हजारीबाग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को भाजपा कार्यकताओं ने बुढ़वा महादेव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई।

कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में बुनियादी ढांचे, डिजिटल तकनीक, आर्थिक विकास और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व मंच पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।भाजपा नेताओं ने कहा कि डिजिटल भुगतान और यूपीआई व्यवस्था ने भारत को तकनीकी क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। वहीं, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों तक पहुंचाने से पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है। उन्होंने स्वास्थ्य, स्वच्छता, आवास, सड़क एवं रेल अवसंरचना के क्षेत्र में हुए कार्यों को भी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया।

पूजा-अर्चना कार्यक्रम में हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरीश श्रीवास्तव, अनिल मिश्रा, सुदेश चंद्रवंशी, शिवशंकर लाल गुप्ता, अशोक यादव, अभिमन्यु प्रसाद, जय नारायण प्रसाद, सर्वेश सिंह, इंद्र नारायण कुशवाहा, मनोरमा राणा, अजीत बक्शी, विवेक सिंह, महेंद्र राम बिहारी, राजकरण पांडे, आनंद देव, मूलचंद साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कामता भूमि विवाद गरमाया, जांच और कार्रवाई की मांग को लेकर धरना

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांची प्रखंड के कामता गांव की लैंड सीलिंग से अर्जित 28.12 एकड़ गैरमजरूआ भूमि की स्थिति स्पष्ट करने एवं कथित अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर बुधवार से ग्रामीणों ने तोपचांची प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। धरना में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और भूमि अभिलेखों की पारदर्शी जांच की मांग की।

धरना को समर्थन देने पहुंचे गिरिडीह सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी ने कहा कि कामता भूमि प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी भूमि के संरक्षण एवं अभिलेखों के संधारण में गंभीर लापरवाही बरती गई है, जिससे आम लोगों को भूमि संबंधी मामलों में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

धरनारत ग्रामीण कुलदीप कुमार महतो ने बताया कि वर्ष 1975 में लगभग 28.12 एकड़ भूमि लैंड सीलिंग के तहत अर्जित की गई थी, लेकिन आज तक उसकी वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भूमि की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराए बिना जमाबंदी की जा रही है, जिससे ग्रामीणों में असमंजस और आक्रोश है।

ग्रामीणों ने बताया कि मामले की जानकारी प्राप्त करने के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत आवेदन दिया गया था, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। प्रथम और द्वितीय अपील के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने नहीं लाई जाती और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परियोजना की अपर मुख्य सचिव ने की समीक्षा

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो के सेक्टर-12 स्थित निमार्णाधीन सरकारी अस्पताल (मेडिकल कॉलेज) परियोजना का अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने परियोजना से जुड़े विभिन्न भवनों एवं आधारभूत संरचनाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान अपर मुख्य सचिव ने अस्पताल भवन, मेडिकल कॉलेज भवन, ऑडिटोरियम, गेस्ट हाउस, गर्ल्स हॉस्टल, बॉयज हॉस्टल, इंटर्न हॉस्टल, नर्स हॉस्टल, रेजिडेंट डॉक्टर हॉस्टल, कम्युनिटी सेंटर, स्टूडेंट रिक्रिएशन सेंटर, पेशेंट रिलेटिव एकोमोडेशन, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), ईटीपी, अंडरग्राउंड वाटर टैंक समेत अन्य निमार्णाधीन संरचनाओं की प्रगति की क्रमवार समीक्षा की।

उन्होंने अस्पताल भवन (हॉस्पिटल बिल्डिंग) को प्राथमिकता के आधार पर मार्च 2027 तक पूर्ण करने का निर्देश दिया। वहीं, शेष सभी कार्यों को चरणबद्ध जुलाई-अगस्त 2027

तक पूरा करने को कहा, ताकि शैक्षणिक सत्र 2027-28 से मेडिकल कॉलेज में नामांकन एवं शैक्षणिक गतिविधियां प्रारंभ की जा सकें।

निरीक्षण के क्रम में अपर मुख्य सचिव ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, लेक्चर थिएटर तथा अन्य महत्वपूर्ण सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने गुणवत्ता, उपयोगिता एवं मानकों के अनुरूप आवश्यक सुधारात्मक कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

अपर मुख्य सचिव ने अस्पताल परिसर में एक पूर्ण फ्लोर पर 50 बेड का डेडिकेटेड पेइंग वार्ड विकसित करने का निर्देश दिया। साथ ही, मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी प्रवेश एवं निकास द्वारों की व्यवस्था का भी जायजा लिया और आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि परियोजना का निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर है। इस पर अपर मुख्य सचिव ने डॉक्टर क्वार्टर को आवश्यकतानुसार मॉडिफाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक पदों के सृजन (पोस्ट सैंक्शन) की प्रक्रिया भी शीघ्र प्रारंभ की जाएगी।

अपर मुख्य सचिव ने उपायुक्त अजय नाथ झा को निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परियोजना की नियमित रूप से प्रगति समीक्षा करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूर्ण कराने हेतु सतत अनुश्रवण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा, संयुक्त सचिव एल एम शुक्ला,अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, सिविल सर्जन डॉ. ए.बी. प्रसाद, भवन निर्माण निगम के कार्यपालक अभियंता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह तथा के.एम.वी. प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शीतल पेयजल मशीन का उदघाटन, बरनवाल सेवा समिति के प्रयास की सराहना

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गिरिडीहः बरनवाल सेवा समिति गिरिडीह के तत्वाधान में आज बजरंग चौक गिरिडीह में शुद्ध एवं शीतल पेयजल मशीन का उद्घाटन किया गया। इस प्याऊ का उद्घाटन समाजसेवी सह उद्योगपति जयप्रकाश लाल ने फीता काटकर किया। इसके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लखन लाल बरनवाल ने जयप्रकाश लाल को पुष्प- गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। समिति के सचिव राजेंद्र लाल बरनवाल ने बताया कि समाजसेवी सह झारखंड प्रदेश बरनवाल वैश्य महासभा के प्रदेश अध्यक्ष लखन लाल बरनवाल ने अपने माता-पिता की पुण्य स्मृति में समिति के माध्यम से इस मशीन को लगवाया है, जिससे इस भीषण गर्मी के साथ-साथ वर्ष भर राहगीरों को शीतल और शुद्ध पेयजल प्राप्त होगा। मौके पर जयप्रकाश लाल ने कहा कि बजरंग चौक पर शीतल पेयजल की नितांत आवश्यकता थी, जिसे प्रदेश अध्यक्ष लखन लाल बरनवाल ने पूर्ण किया है।

मोड़ पर शीतल पेयजल मशीन की व्यवस्था होने से स्थानीय व्यवसायियों एवं राहगीरों को वर्ष भर शुद्ध जल प्राप्त हो सकेगा। कहा कि बरनवाल सेवा समिति का यह प्रयास प्रशंसनीय है व समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण इसके लिए धन्यवाद के पात्र हैं। उद्घाटन समारोह में समिति के अध्यक्ष सुबोध कुमार बरनवाल, कोषाध्यक्ष संजय बरनवाल, रितेश बरनवाल, मोहन सागर, प्रवीण कुमार, अजय लाल, सुभाष बरनवाल, बिनोद बरनवाल, राकेश रंजन, विनय कुमार, सरिता बरनवाल,रीता बरनवाल समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पाकुड़ के आमड़ापाड़ा क्षेत्र में बारातियों से भरी बस पलटी, 2 की मौके पर ही मौत और 30 से अधीक लोग हुए घायल!

रफ्तार मीडिया संवाददाता, पाकुड़

पाकुड़ः जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंगारसी- अमड़ापाड़ा मुख्य सड़क के मलीपाड़ा ढलान पर बारातियों से भरी बस पलट गई है. इस हादसे में 64 वर्षीय आलेन मुर्मू और 16 वर्षीय राजेश टुडू की मौत हो गई है. जबकि 30 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं. पुलिस और स्थानीय लोगों के मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया हैं. सड़क हादसे में बारातियों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई.

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

मिली जानकारी के अनुसार बारात सुंदरपहाड़ी से लौट रही थी. इसी दौरान मालीपाड़ा गांव के समीप बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हादसा इतना भीषण था कि बस में सवार दो की मौत हो गई. जबकि 30 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया हैं. पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा हैं. साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है!

नशा मुक्त धनबाद: 25 दिवसीय विशेष अभियान की शुरूआत, रैली और नुक्कड़ नाटक से जगेगी अलख

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद। झारखंड सरकार के निर्देश पर बुधवार (10 जून) से धनबाद जिले में 25 दिवसीय विशेष नशा मुक्ति अभियान का शंखनाद किया गया। आगामी 25 जून तक चलने वाले इस व्यापक अभियान के तहत जिले के गांवों से लेकर शहरों तक जागरूकता की बयार बहेगी। इस दौरान जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, जनसंपर्क और स्कूलों में विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित कर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा।अभियान की शुरूआत एक भव्य जागरूकता रैली के साथ हुई। मौके पर धनबाद के सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने कहा कि नशा किसी भी रूप में व्यक्ति, परिवार और समाज को दीमक की तरह खोखला कर देता है। उन्होंने बताया कि अभियान के माध्यम से आम जनता को नशे से होने वाली गंभीर बीमारियों, सामाजिक विघटन और आर्थिक नुकसान के प्रति सचेत किया जाएगा।स्कूलों में काउंसलिंग और गांवों में नुक्कड़ नाटकसिविल सर्जन ने जानकारी दी कि युवाओं और किशोरों को इस सामाजिक बुराई से बचाने के लिए स्कूलों में विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही, जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी रिहाइशी इलाकों में नुक्कड़ नाटकों और जनसंपर्क के जरिए नशा मुक्ति का कड़ा संदेश दिया जाएगा।कैंसर के इलाज पर खर्च होते हैं सालाना 18-19 करोड़डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने एक चौंकाने वाला आंकड़ा साझा करते हुए बताया कि धनबाद जिले में कैंसर के इलाज पर सरकार हर साल लगभग 18 से 19 करोड़ रुपये खर्च करती है। यदि लोग नशे की लत छोड़ दें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, तो इस भारी-भरकम राशि का उपयोग स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ व आधुनिक बनाने में किया जा सकता है। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से इस अभियान को सफल बनाने और नशा मुक्त धनबाद के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।यह अभियान प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और आम जनता के त्रिकोणीय समन्वय से चलाया जा रहा है, ताकि धनबाद को पूरी तरह नशा मुक्त बनाया जा सके।

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, ट्रेन से कटकर हुई मौत। शव को कब्जे में ले जांच में जुटी पुलिस।

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल।

गांडेय थाना क्षेत्र अंतर्गत गोंदलीटांड स्थित रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। प्रथम दृष्टया यह मामला ट्रेन से कटकर मृत्यु होने का प्रतीत हो रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 10 जून की सुबह लगभग 5:00 बजे गिरिडीह-मधुपुर पैसेंजर (ट्रेन संख्या-53512) रेलवे ट्रैक से गुजर रही थी। इसी दौरान पोल संख्या 19/3 एवं 19/4 के बीच एक व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही गांडेय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, गिरिडीह भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं और आसपास के ग्रामीणों से भी पूछताछ की जा रही है।

?इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

इतिहास रचने पर कोयलांचल में जश्नः पीएम मोदी ने तोड़ा नेहरू का 64 साल पुराना रिकॉर्ड; सांसद ढुलू महतो ने श्याम मंदिर में की विशेष पूजा

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबादःप्रधानमंत्री के रूप में देश में सबसे लंबे समय तक लगातार सत्ता संभालने का एक नया ऐतिहासिक कीर्तिमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नाम कर लिया है। केंद्र की सत्ता में मोदी सरकार के गौरवमयी 12 वर्ष भी पूरे हो चुके हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का करीब 64 वर्ष पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। इस महान उपलब्धि और ऐतिहासिक दिन को यादगार बनाने के लिए धनबाद के नवनिर्वाचित सांसद ढुलू महतो ने झरिया स्थित प्रसिद्ध श्याम मंदिर में पहुंचकर पूरे विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना की और प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु जीवन तथा देश की निरंतर प्रगति की कामना की।टूटा नेहरू का रिकॉर्ड, 10 जून को दर्ज हुआ महा इतिहास संसदीय और लोकतांत्रिक इतिहास के आंकड़ों के अनुसार, देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्र भारत के पहले आम चुनाव के बाद 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक लगातार 4,398 दिनों तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था। वहीं, 26 मई 2014 को पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले नरेंद्र मोदी ने 10 जून

2026 को लगातार 4,399 दिन पूरे करते हुए देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित रहने वाले प्रधानमंत्री बनने का गौरव हासिल किया है। इस दोहरी खुशी (12 वर्ष का कार्यकाल और ऐतिहासिक रिकॉर्ड) को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं और समर्थकों में भारी उत्साह है।

140 करोड़ देशवासियों का प्रत्यक्ष विश्वास है मोदी की ताकतः ढुलू महतो

श्याम मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद ढुलू महतो ने प्रधानमंत्री के जादुई नेतृत्व की जमकर सराहना की। उन्होंने कहाः

"देश की जनता का अटूट और अडिग विश्वास लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति बढ़ रहा है। उन्होंने अपने साहसिक निर्णयों, जनकल्याणकारी कार्यों और विकासोन्मुखी सोच के माध्यम से प्रत्येक देशवासी का भरोसा जीता है। यही कारण है कि भारतीय लोकतंत्र में उन्हें लगातार तीसरी बार राष्ट्र की सेवा करने का ऐतिहासिक अवसर मिला है। मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के पहुंच रहा है।

"लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि, विपक्ष को मिला करारा जवाब

सांसद ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 140 करोड़ नागरिकों के असीम समर्थन और मजबूत लोकतांत्रिक जनादेश के आधार पर सत्ता के शीर्ष पर हैं। लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है और देश की जनता ने अपने मताधिकार का पुरजोर उपयोग करते हुए लगातार तीसरी बार मोदी सरकार की नीतियों पर मुहर लगाई है। जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए ढुलू महतो ने स्पष्ट किया कि उस दौर की राजनीतिक परिस्थितियां, संसद का स्वरूप और ऐतिहासिक घटनाएं पूरी तरह अलग थीं, जो इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। लेकिन वर्तमान आधुनिक दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े राजनीतिक मुकाबलों के बीच देश की जनता का प्रत्यक्ष और व्यापक जनसमर्थन हासिल कर यह मुकाम पाया है। उन्होंने कहा कि वे भगवान श्रीराम और बाबा श्याम से प्रार्थना करते हैं कि देश के प्रधानसेवक को और अधिक शक्ति, ऊर्जा और सुखी जीवन प्रदान करें ताकि वे दिन-रात बिना थके भारत को विश्व गुरु बनाने के संकल्प को पूरा करते रहें।

इतिहास के पन्नों सेःजवाहरलाल नेहरूः पहले आम चुनाव के बाद लगातार 4398 दिन (13 मई 1952 से 27 मई 1964) तक रहे देश के प्रधानमंत्री।

नरेंद्र मोदीः26 मई 2014 को पहली बार संभाली कमान, 10 जून 2026 को लगातार 4399 दिन पूरे कर रचा नया इतिहास।अद्भुत । कीर्तिमानःलोकतांत्रिक तरीके से पूर्ण बहुमत के साथ लगातार तीन बार निर्वाचित होकर सबसे लंबा कार्यकाल बिताने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता बने नरेंद्र मोदी।

राजकीय मध्य विद्यालय, पुटकी के प्रभारी प्रधानाध्यापक से 24 घंटे में मांगा स्पष्टीकरण

समामा औसाल, धनबाद

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर 2026) के कार्यों में लापरवाही बरतने और निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले में धनबाद प्रशासन द्वारा सख्त रुख अपनाया गया है। निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी, 40 धनबाद विधानसभा-सह-अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने राजकीय मध्य विद्यालय, पुटकी के प्रभारी प्रधानाध्यापक भागीरथ कुमार को कारण बताओ नोटिस (स्पष्टीकरण) जारी किया है।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि आज सुबह लगभग 11:45 बजे उन्होंने मतदान केंद्र संख्या-409 (मध्य विद्यालय पुटकी नया भवन पूर्वी भाग) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय का मुख्य गेट पूरी तरह से बंद पाया गया।

बताया कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार सभी ऐसे विद्यालय भवनों के गेट खुले रखने के स्पष्ट आदेश दिए गए हैं, जहाँ मतदान केंद्र अवस्थित हैं, ताकि बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) वहाँ बैठक कर एसआइआर 2026 से जुड़े निर्वाचन कार्यों का निष्पादन सुचारू रूप से कर सकें।

उन्होंने बताया कि गेट बंद होने के कारण मतदान केंद्र संख्या-409 की बीएलओ को मजबूरन पास के ही उच्च विद्यालय, पुटकी में बैठकर अपना कार्य करना पड़ रहा था। इस अव्यवस्था के कारण उक्त मतदान केंद्र के क्षेत्र में आने वाले मतदाताओं को भी अपने काम कराने में काफी कठिनाइयों और परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन कार्य में इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए प्रशासन ने प्रभारी प्रधानाध्यापक से पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उनसे पूछा गया है कि किन परिस्थितियों में उनके द्वारा निर्वाचन जैसे राष्ट्रीय और महत्वपूर्ण कार्य में बाधा उत्पन्न की गई निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में, उनके इस कृत्य की रिपोर्ट जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त को भेजते हुए उनके विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

पर्यटन, खेल और जिला योजना योजनाओं की डीसी ने की समीक्षा पर्यटक स्थलों के सौंदर्यीकरण व योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा

जामताड़ा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में पर्यटन, खेल एवं जिला योजना कार्यालय से संबंधित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों के विकास, खेल अवसंरचना और जिला योजना से संचालित कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान पीपीटी के माध्यम से जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों एवं ट्रैकिंग रूटों की जानकारी प्रस्तुत की गई। उपायुक्त ने पर्यटन स्थलों के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी निविदा प्रक्रियाएं पूरी तरह पारदर्शी एवं नियमानुसार संपन्न होनी चाहिए, ताकि किसी प्रकार की शिकायत की गुंजाइश न रहे।लादना डैम के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही डैम परिसर में बने पार्क के बेहतर रखरखाव के लिए नियमानुसार निजी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा। पर्यटन से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को जिला पर्यटन प्रोत्साहन परिषद की बैठक में रखने का भी निर्देश दिया गया। खेल विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में स्वीकृत तीन स्टेडियमों में से दो का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि एक स्टेडियम का कार्य भूमि संबंधी समस्या के कारण लंबित है। उपायुक्त ने पूर्ण हो चुके प्रखंड स्तरीय स्टेडियमों को शीघ्र हस्तगत कराने तथा इनडोर एवं आउटडोर खेल परिसरों के मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।उन्होंने जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और नशा मुक्ति अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया।जिला योजना कार्यालय की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को योजनाओं के चयन में पूर्ण पारदर्शिता बरतने तथा किसी भी प्रकार की डुप्लीकेसी से बचने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का चयन आम जनता के व्यापक हित को ध्यान में रखकर किया जाए, ताकि सरकारी राशि का समुचित उपयोग हो और अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार, जिला योजना पदाधिकारी चंद्रदेव पासवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

एलोपेथीक व आयुर्वेदिक मेडिसनको ले महांकाली मेडिकल हॉल का शुभारंभ, ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल।

गांडेय प्रखंड दासडीह गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार देते हुए महाकाली मेडिकल हॉल का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व समाजसेवी अर्जुन बैठा ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर मेडिकल हॉल का शुभारंभ किया।

उद्घाटन से पूर्व स्थानीय पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर समाजसेवी अर्जुन बैठा ने कहा कि जोराआम जैसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में मेडिकल स्टोर का खुलना एक सराहनीय कदम है। इससे स्थानीय ग्रामीणों को अब दवाइयों के लिए दूर-दराज के बाजारों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि यहाँ अनुभवी डॉक्टरों की उपलब्धता से ग्रामीणों को सही समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा।

दवाइयों पर मिलेगी विशेष छूट

मेडिकल के संचालक चांदनी कुमारी और कारु साव ने संयुक्त रूप से बताया कि इस मेडिकल स्टोर में आयुर्वेदिक और एलोपैथिक दवाइयों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए सभी प्रकार की दवाइयों की खरीद पर 5 से 10 प्रतिशत तक की विशेष छूट दी जाएगी।

एमबीबीएस डॉक्टर करेंगे मरीजों की जांच

संचालकों ने ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घोषणा की कि मेडिकल स्टोर में सप्ताह में दो दिन एमबीबीएस डॉक्टर अमित कुमार बैठेंगे, जो मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित परामर्श देंगे।

मौके पर मुन्ना मंडल, राजेश सिन्हा, धर्मेंद्र कुमार तिवारी, तुलसी ढांगी, जितेंद्र मंडल, पशु चिकित्सक मुकेश यादव, अजय गुप्ता, धीरज कुमार गुप्ता, भीम सिंह, राजू साव, मनीष साव, चांदनी कुमारी, राजेश भट, श्याम पाठक और रूपा देवी समेत कई गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण उपस्थित थे।

खबर का हुआ असर, जमुआ पहुंची राज्य स्तरीय जांच टीम

तीन दिनों से चर्चा में रहे अनाज कालाबाजारी मामले की जांच तेज, गरीब कार्डधारियों में कार्रवाई को लेकर उम्मीद और संशय दोनों

गिरिडीह, /रेम्बा रप्तार संवाददाता गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड में कथित अनाज कालाबाजारी के मामले में प्रकाशित खबरों का असर अब साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। लगातार तीन दिनों से सामने आ रही अनियमितताओं और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही खबरों के बाद राज्य स्तरीय जांच टीम जमुआ पहुंची और जमुआ एवं भारडीह स्थित अनाज गोदामों में देर शाम तक निरीक्षण और जांच करती रही।

जानकारी के अनुसार जांच टीम ने गोदामों में रखे खाद्यान्न, अभिलेखों तथा उठाव और वितरण से संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की। बीते दिनों यह आरोप सामने आया था कि बिना गोदाम प्रबंधक की मौजूदगी के अनाज का उठाव किया जा रहा था। वहीं कई मामलों में बिना चालान के देर रात ट्रकों में अनाज लोड कर दूसरे स्थानों पर भेजे जाने की भी चर्चा रही। इन खबरों के सामने आने के बाद पूरे

क्षेत्र में हड़कंप मच गया था।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीबों को मिलने वाला राशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सीधे तौर पर गरीब राशन कार्डधारियों के हक पर डाका डालने जैसा है।

जांच के दूसरे दिन जब पत्रकारों ने राज्य स्तरीय जांच टीम से अब तक की जांच की स्थिति और संभावित निष्कर्षों के बारे में जानकारी लेनी चाही, तो अधिकारियों ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। टीम के अधिकारियों ने कहा कि जांच रिपोर्ट सीधे उनके उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी और फिलहाल वे इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।

अधिकारियों द्वारा जांच की जानकारी सार्वजनिक नहीं किए जाने से क्षेत्र के लोगों में कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। जमुआ प्रखंड के गरीब राशन कार्डधारी यह जानना चाहते हैं कि आखिर जांच में क्या तथ्य सामने आए हैं। क्या दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह जांच की फाइलों में दबकर रह जाएगा

इस पूरे जांच अभियान के दौरान राज्य स्तरीय जांच टीम के साथ जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी तेज कुमार हसदा भी मौजूद रहे। उनकी उपस्थिति में गोदामों के रिकॉर्ड, स्टॉक और परिवहन व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की गई।

अब पूरे मामले पर लोगों की निगाहें जांच रिपोर्ट और प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। क्षेत्रवासियों और जनप्रतिनिधियों का मानना है कि यदि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरी की जाती है तो गरीबों के हक की रक्षा हो सकेगी तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्याप्त अनियमितताओं पर भी अंकुश लगाया जा सकेगा। फिलहाल जांच जारी है और सभी को रिपोर्ट सामने आने का इंतजार है।

आने वाले दिनों में यह स्पष्ट हो पाएगा कि कथित कालाबाजारी के आरोपों में कितनी सच्चाई है और प्रशासन दोषियों के विरुद्ध क्या कदम उठाता है।

दिव्यांग बच्चों के नामांकन के लिए 15 से 24 जून तक चलेगा विशेष अभियान

समामा औसाल, धनबाद

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर विद्यालय से बाहर रह गए दिव्यांग बच्चों का नजदीकी विद्यालयों में नामांकन के लिए 15 जून से 24 जून तक विशेष नामांकन अभियान चलाया जाएगा।

15 जून से 24 जून तक चलने वाले विशेष नामांकन अभियान में दिव्यांग बच्चों का पोषक क्षेत्र के विद्यालयों में नामांकन कराकर उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा में जोड़ा जाएगा।

धनबाद को स्वच्छ बनाने के लिए बड़ी पहल: जिला परिषद और नगर निगम के बीच हुआ कोलैबोरेशन

जिला परिषद क्षेत्रों में जमे कचरे के ढेरों को साफ करेगी नगर निगम की टीम

समामा औसाल, धनबाद
धनबाद जिले को पूरी तरह स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में आज एक बेहद सकारात्मक कदम उठाया गया है। जिला परिषद, धनबाद और नगर निगम, धनबाद ने आपसी समन्वय स्थापित करते हुए एक विशेष कोलैबोरेशन (साझेदारी) किया है।
उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बताया कि इस अनूठी पहल के तहत अब जिला परिषद के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में बरसों से जमे कचरे के ढेरों को नगर निगम की टीम पूरी तरह साफ करेगी। इस अभियान के तहत आज बाघमारा प्रखंड के हरिना चौक से 18 टन कचरा उठाव किया गया।

गौरतलब है कि जिला परिषद के पास अपनी कोई सुदृढ़ साफ-सफाई व्यवस्था या पर्याप्त संसाधन (जैसे कचरा उठाने वाले वाहन और सफाई कर्मी) उपलब्ध नहीं थे। इस वजह से जिला परिषद के कई क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में जगह-जगह कचरे का अंबार लग रहा था, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा था।
इस व्यावहारिक समस्या को समझते हुए दोनों विभागों ने हाथ मिलाया है। अब नगर निगम अपने आधुनिक संसाधनों, डंपर, और सफाई मित्रों की टीम को जिला परिषद के उन क्षेत्रों में भेजेगा जहां सफाई की नितांत आवश्यकता है।
इस कोलैबोरेशन से शहरी इलाकों के साथ-साथ अब धनबाद के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों का भी कायाकल्प होगा। कचरे के हॉटस्पॉट्स को चिन्हित कर वहां विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस सकारात्मक पहल का सीधा लाभ आम नागरिकों को मिलेगा, उन्हें बदबू और गंदगी से मुक्ति मिलेगी और एक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण का निर्माण होगा।
उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने कहा कि यह कदम धनबाद के हर नागरिक को बेहतर जीवन स्तर देने के लिए उठाया गया है। नगर निगम और जिला परिषद की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। हम आम जनता से भी अपील करते हैं कि इस अभियान में हमारा सहयोग करें, कचरा निर्धारित स्थानों पर ही फेंकें और धनबाद को नंबर-1 बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं।

पुराने पंचायत भवन को कन्या मध्य विद्यालय में मर्ज करने का अपील , पंचायत भवन के मर्ज होने से विद्यार्थियों के पठन पाठन में मिलेगी सहूलियत

सरिया/गिरिडीह
सरिया बाघा चौक के समीप अवस्थित पुराना पंचायत भवन को सरिया के कन्या मध्य विद्यालय से मर्ज करने के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति ने जिला उपायुक्त राम निवास यादव ,बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो ,जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित प्रखंड विकास पदाधिकारी,कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन देकर पंचायत भवन को विद्यालय से जोड़ने के लिए आग्रह किया हैं ताकि विद्यालय का कमरा बढ़ाया जा सके।
विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि पुराना पंचायत भवन को सरिया कन्या मध्य विद्यालय से मर्ज किया जाएगा तो कमरा की संख्या बढ़ेगी जिससे विद्यार्थियों को पठन पाठन में काफी सहूलियत मिलेगी।
इन्होंने विभागीय अधिकारियों को ध्यानकृष्ट करते हुए लिखा है कि विद्यालय में कमरा कम रहने के कारण टऊट में परेशानी होती है साथ ही बच्चों को खेल कूद ओर अन्य प्रकार के प्रतियोगिता में परेशानी होती हैं यदि विद्यालय से पंचायत भवन को मर्ज किया जाएगा तो विद्यालय संचालन में काफी सहूलियत मिलेगी।
विद्यालय प्रबंधन समिति ने कहा कि झंडा चौक के समीप होने के कारण भीड़ -भाड़ भी रहती है जिससे जाम की समस्या बनी रहती है विद्यालय से पंचायत भवन जुड़ा रहेगा तो जाम से लोगों को मुक्ति मिलेगी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष: मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान, हवन और आरती

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया
तोपचांची: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी टुंडी विधानसभा के कार्यकताओं ने बुधवार को गंगापुर स्थित मां नीलकंठ वासिनी प्राचीन मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान कार्यकताओं ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।
स्वच्छता अभियान के उपरांत मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना, हवन एवं भव्य आरती का आयोजन किया गया। कार्यकताओं और श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं देश की निरंतर प्रगति की कामना की। साथ ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सामूहिक प्रार्थना भी की गई।
इस अवसर पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों, सुशासन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की मंगलकामना की।
कार्यक्रम में धनबाद जिला ग्रामीण महामंत्री विकास महतो, ज्ञान रंजन सिन्हा, राम प्रसाद महतो, गिरिजा शंकर उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष निवास तिवारी, गोविंद टुडू, छोटन साव, भीमलाल भंडारी, मनोज महतो, राम नारायण भगत, रमेश महतो, आशुतोष पाल, रणवीर चौबे, बासुदेव पाल, चंद्र मोहन राय, हरेंद्र हेम्ब्रम, शिवपूजन उपाध्याय, शिव प्रसाद वर्मा, आर.के. चौधरी, सरोज महतो, मीरा देवी, मंटू प्रमाणिक, हरि प्रसाद महतो, पप्पू तिवारी, ज्योति लाल महतो, रुद्रकांत दुबे, राजू रवानी, दिलीप दास, हरेंद्र चौधरी, विक्रम चौबे एवं डब्लू सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर मोमिन कॉन्फ्रेंस का विरोध, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडरः झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के आरोप को लेकर ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस ने कड़ी आपत्ति जताई है। बुधवार को संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की।
कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव मो. सगीर अंसारी एवं रांची जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने कहा कि झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान आदिवासी, दलित और मुस्लिम समुदाय के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया।
ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने मतदाता सूची अद्यतन करने की वर्तमान समय-सीमा बढ़ाने, आवश्यक दस्तावेजों की उपलब्धता आसान बनाने तथा बिना सत्यापन नाम हटाने वाले अथवा लापरवाही बरतने वाले बीएलओ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही किसी भी मतदाता का नाम सूची से हटाने से पूर्व उसे अनिवार्य रूप से नोटिस देने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।
मोमिन कॉन्फ्रेंस ने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने की भी मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन विभाग से अपील की कि किसी विशेष वर्ग के मतदाताओं के नाम हटाए जाने संबंधी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर सभी पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।
ज्ञापन सौंपने वालों में राष्ट्रीय महासचिव मो. सगीर अंसारी, जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद, जिला उपाध्यक्ष रहमतुल्लाह अंसारी, जिला महासचिव जसीम अंसारी, रातू प्रखंड अध्यक्ष आजाद अंसारी तथा सनाउल्लाह अंसारी प्रमुख रूप से शामिल थे।

उपायुक्त ने किया सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण, ग्रामीणों की मांग पर गांव से सड़क ले जाने का दिया निर्देश

बिरनी/गिरिडीह।
बिरनी प्रखंड के ग्राम बेलना में बुधवार को उपायुक्त राम निवास यादव ने बिराजपुर मोड़ से खेसकरी तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना को क्षेत्र के विकास की दृष्टि से काफी अहम माना जा रहा है। बताया गया कि यह परियोजना माननीय सांसद सह केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं स्थानीय विधायक नागेंद्र महतो के सतत प्रयासों का परिणाम है।.निरीक्षण के दौरान ग्राम ताराटांड़ के ग्रामीणों ने उपायुक्त के समक्ष अपनी वर्षों

पुरानी मांग रखी। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क का निर्माण गांव से होकर किया जाए, ताकि किसानों, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिल सके। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में सांसद अन्नपूर्णा देवी एवं विधायक नागेंद्र महतो को भी आवेदन सौंपा गया था। ग्रामीणों की मांग और जनभावनाओं को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त राम निवास यादव ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को गांव से होकर सड़क निर्माण की संभावनाओं का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाएगा।उपायुक्त के इस निर्देश के बाद ग्राम ताराटांड़ समेत आसपास के क्षेत्रों के लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने अपनी मांग को प्रशासन तक पहुंचाने एवं उसके समाधान के लिए लगातार प्रयास करने पर सांसद अन्नपूर्णा देवी और विधायक नागेंद्र महतो के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उपायुक्त राम निवास यादव के प्रति भी धन्यवाद जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि शीघ्र ही सकारात्मक पहल होगी, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष पूर्ण होने पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुड़मा स्थित सरना स्थल में शक्ति खूंटा की पूजा-अर्चना

मांडर : देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन, विश्वास, विकास एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर झारखंड प्रथम मुख्यमंत्री सह विधानसभा मे प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी मंगलवार को मांडर प्रखंड के मुड़मा स्थित शक्ति स्थल पहुंचे। यहां उन्होंने शक्ति खूंटा में पारंपरिक रीति-रीवाज के साथ पूजा-अर्चना कर माथा टेका तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीघार्यु एवं देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की।
इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। उन्होंने देशवासियों के सुख, समृद्धि और बेहतर भविष्य की कामना करते हुए प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन के लिए प्रार्थना की। मौके पर पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष रामबालक ठाकुर,सुधाकर चौबे, नरेन्द्र सिंह,संजीव कुमार तिवारी, सतीश साह, शालीख राम पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष बब्लु गोप, पुरंजय महतो,मुकेश प्रसाद, राजनाथ सिंह,सचिन्द्र सिंह, अयोध्या सिंह,नरेन्द्र कुमार, सुधाकर चौबे सहित अन्य उपस्थित थे ।

अबुआ जाति-निवासी प्रमाण पत्र अभियान के तहत विशेष शिविर आयोजित

सवांददाता मो. जमशेद।
काठीकुंड अबुआ जाति एवं निवासी प्रमाण पत्र अभियान के तहत बुधवार को काठीकुंड प्रखंड के आसनपहाड़ी पंचायत भवन तथा पंदनपहाड़ी पंचायत के बघसोला स्कूल परिसर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को जाति, निवासी एवं पारिवारिक सूची प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना था। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर आवश्यक प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन जमा किए।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, आसनपहाड़ी पंचायत भवन में आयोजित शिविर में कुल 132

आवेदन प्राप्त हुए, जबकि बघसोला स्कूल में आयोजित शिविर में 32 आवेदन जमा किए गए। इस प्रकार दोनों शिविरों में कुल 164 आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों को अंचल कर्मियों द्वारा जांच के लिए स्वीकार किया गया तथा प्रज्ञा केंद्र संचालकों की सहायता से आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री भी की गई।
अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार सत्यापन कर जल्द ही प्रमाण पत्र निर्गत किए जाएंगे, ताकि पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। शिविर के दौरान ग्रामीणों को प्रमाण पत्रों की आवश्यकता एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।
इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि जॉन सोरेन, अंचल निरीक्षक मनोज कुमार, कर्मचारी राजेश बाजपेई, अंचल अमीन मनीर अंसारी, ऑपरेटर बिमल कुमार, पंचायत सचिव अनिता हेम्ब्रोम, मुखिया रोशन मुर्मू, प्रज्ञा केंद्र संचालक जमशेद अंसारी, नैयर सुल्तान तथा आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित रहीं। जॉन सोरेन ने ग्रामीणों से समय पर आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

रेशमी मेटलिक प्लांट में विस्थापितों का हल्लाबोल, बोलेझ्र रोजगार नहीं तो आंदोलन तय

अशीष कुमार वैद्य
रफ्तार मीडिया, लातेहार

लातेहार। चंदवा प्रखंड के चकला-बाना गांव स्थित रेशमी मेटलिक कंपनी में रोजगार की मांग को लेकर विस्थापित एवं स्थानीय मजदूरों का आक्रोश अब आंदोलन का रूप लेने जा रहा है। बुधवार को कंपनी परिसर के टीजी ब्लॉक के समीप बड़ी संख्या में मजदूरों और ग्रामीणों ने बैठक की। बैठक के बाद प्रबंधन को मांग पत्र सौंपा गया और चेतावनी दी गई कि गुरुवार से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। मजदूरों ने कहा कि जरूरत पड़ी तो कंपनी का संचालन भी बाधित किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि अभिजीत पावर प्लांट की स्थापना के समय रोजगार और क्षेत्रीय विकास के भरोसे उन्होंने अपनी जमीन कंपनी को दी थी। अभिजीत ग्रुप के दिवालिया होने के बाद परियोजना बंद हो गई थी। इसके बाद आरसीएम कंपनी के अधीन परियोजना रहने के दौरान प्रभावित परिवारों को जीवन यापन के लिए प्रतिमाह 8 से 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती रही। यह राशि जनवरी 2026 तक जारी रही। एनसीएलटी के बाद भी 50 परिवार बेरोजगार मजदूरों के अनुसार, 14 जनवरी 2026 को एनसीएलटी की कानूनी प्रक्रिया के तहत रेशमी मेटलिक कंपनी ने प्लांट का अधिग्रहण कर पुनर्जीर्णोद्धार और संचालन शुरू किया। कंपनी ने लगभग 100 पुराने श्रमिकों को काम पर वापस लिया, लेकिन अब भी 50 से अधिक विस्थापित और स्थानीय मजदूर रोजगार से वंचित हैं। "हर बार मिला सिर्फ आश्वासन" बैठक में मौजूद मजदूरों ने आरोप लगाया कि रोजगार की मांग को लेकर प्रबंधन से कई बार बातचीत हुई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों की जमीन पर परियोजना खड़ी है, उन्हें ही रोजगार से वंचित रखना अन्याय है। मजदूरों का कहना है कि वे अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़ रहे हैं और अब सब्र का बांध टूटने लगा है। मजदूरों ने स्पष्ट किया कि यदि शेष विस्थापितों और स्थानीय लोगों को शीघ्र रोजगार नहीं दिया गया तो गुरुवार से चरणबद्ध आंदोलन शुरू होगा। उन्होंने जिला प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में रेशमी मेटलिक कंपनी प्रबंधन का कोई पक्ष सामने नहीं आ सका है।

राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप में पदक विजेता अंकित कुमार सम्मानित

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद। उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की मुएथाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर लौटे बरवाअड्डा कल्याणपुर निवासी अंकित कुमार को तैलिक साहू समाज ने सम्मानित किया। बुधवार को धनबाद जिला तैलिक साहू समाज के जिलाध्यक्ष जगदीश साव समाज के प्रबुद्ध जनों के साथ अंकित कुमार (पिता-अजय साव) के आवास पहुंचे। वहां उन्होंने अंकित को बुके देकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी हर

संभव सहयोग का भरोसा जताया।झारखंड के तीन बच्चों ने जीता पदकजिलाध्यक्ष जगदीश साव ने बताया कि इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में झारखंड से कुल 18 बच्चों ने भाग लिया था। इनमें से बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए झारखंड के तीन बच्चों ने पदक अपने नाम कर राज्य का मान बढ़ाया है। धनबाद के कल्याणपुर गांव के अंकित कुमार ने कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह पूरे समाज और जिले के लिए गर्व की बात है।मौके पर ये रहे मौजूद इस सम्मान समारोह के दौरान झारखंड आंदोलनकारी शंकर महतो, मुरलीधर महतो, सुरेन साव, वकील महतो, बद्री नारायण साव, विकास कुमार, कौशिक कुमार, विजय महतो और मुक्का साव सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद थे। सभी ने अंकित की इस उपलब्धि की सराहना की।

देवघर में सफाई कर्मियों का बिगुल: 11 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल, मशाल जुलूस निकाल जताया विरोध

देवघर : नगर झनिगम प्रशासन की कथित तानाशाही , उदासीनता के खिलाफ सफाई कर्मियों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। झारखंड लोकल बॉडीज एम्प्लाइज फेडरेशन के बैनर तले दर्जनों सफाई कर्मियों ने बुधवार शाम को शहर की सड़कों पर मशाल जुलूस निकालकर निगम प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। साथ ही नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। फेडरेशन के अध्यक्ष संजय मंडल के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में सफाई

कर्मी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान फेडरेशन के संरक्षक बाबा बलियासे भी मौजूद रहे और कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन दिया।
इस अवसर पर अध्यक्ष संजय मंडल ने कहा कि पिछले एक महीने से सफाई कर्मी अपनी मांगों

को लेकर नगर निगम प्रशासन को लगातार ज्ञापन सौंप रहे हैं, लेकिन नगर आयुक्त और मेयर द्वारा उनकी समस्याओं पर कोई ठोस पहल नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन की उदासीनता के कारण कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने घोषणा की कि अब तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई है नगर आयुक्त को मांग पत्र दे देकर थक गए है। इसलिए अपनी मांगों को लेकर 11 जून से देवघर नगर निगम के सभी सफाई कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। वहीं, फेडरेशन के संरक्षक बाबा बलियासे ने कहा कि सफाई कर्मियों की मांगें पूरी तरह जायज हैं और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने निगम प्रशासन से कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द समाधान निकालने की मांग की।

संपादकीय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 वर्ष, भारतीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण अध्याय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एन डी ए शासित केंद्र सरकार ने मई 2014 से जून 2026 तक बारह वर्षों का कार्यकाल पूरा कर लिया है। एन डी ए शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री बुधवार को देश की राजधानी नई दिल्ली में जुट रहे है जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के इस ऐतिहासिक पल पर उनका सम्मान किया जाएगा। इंडिया ब्लॉक के नेताओं की सामूहिक बैठक के दो दिनों बाद ही आयोजित हो रही उस बैठक के अपने राजनीतिक मायने और संकेत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 वर्ष की यह अवधि भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में देखी जा रही है। इन बारह वर्षों में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, कूटनीतिक और तकनीकी क्षेत्रों में अनेक परिवर्तन देखे हैं। साथ ही इस दौर में सरकार की नीतियों और निर्णयों को लेकर व्यापक बहस भी हुई है। इसलिए मोदी सरकार के बारह वर्षों का मूल्यांकन उपलब्धियों और चुनौतियों दोनों के संदर्भ में किया जाना चाहिए।

2014 में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद नरेंद्र मोदी ने एक मजबूत और निर्णायक नेतृत्व की छवि स्थापित की। 2019 और 2024 के आम चुनावों में भी भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को जनादेश प्राप्त हुआ। इससे केंद्र में राजनीतिक स्थिरता बनी रही, जो किसी भी देश के दीर्घकालिक विकास के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। मोदी ने स्वयं को एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित किया, जो सीधे जनता से संवाद करता है और राष्ट्रीय मुद्दों पर स्पष्ट रुख अपनाता है। उनकी लोकप्रियता ने भाजपा को देश के अनेक राज्यों में विस्तार करने में मदद की। मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में आधारभूत ढांचे का विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना शामिल है। जनधन योजना, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, यूपीआई, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) तथा स्टार्टअप और नवाचार को प्रोत्साहन देने वाली योजनाओं ने प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने का प्रयास किया। भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ और वैश्विक स्तर पर उसकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई। सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डों के निर्माण में उल्लेखनीय निवेश किया गया। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

हालांकि बेरोजगारी, महंगाई और ग्रामीण आय जैसे मुद्दों पर सरकार को आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। विपक्ष का तर्क रहा कि आर्थिक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंच पाए हैं।मोदी सरकार ने गरीब और वंचित वर्गों के लिए अनेक योजनाएँ शुरू कीं। उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवास, स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय निर्माण तथा आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य योजनाओं ने करोड़ों लोगों को प्रभावित किया।

सरकार का दावा है कि इन योजनाओं ने जीवन स्तर सुधारने और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दूसरी ओर आलोचक इन योजनाओं के क्रियान्वयन, लाभार्थियों की वास्तविक स्थिति और रोजगार सृजन से जुड़े सवाल उठाते रहे हैं।

मोदी सरकार के बारह वर्षों में भारत की विदेश नीति अधिक सक्रिय दिखाई दी। भारत ने अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को मजबूत किया। जी-20 की अध्यक्षता और वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका को इस दौर की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है। भारत ने स्वयं को वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। कोविड-19 महामारी के दौरान वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम और आपदा राहत सहयोग ने भी भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को मजबूती दी।

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक तथा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने जैसे निर्णयों को अपनी प्रमुख उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), तीन तलाक कानून और समान नागरिक संहिता पर चल रही बहस जैसे मुद्दों ने भी राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित किया।

गर्मियों की छुट्टियों का मतलब हर किसी के लिए अलग होता है

डॉ विजय गर्ग

गर्मियों की छुट्टियाँ वर्ष का वह समय होती हैं जिसका इंतजार बच्चे, शिक्षक और परिवार के अन्य सदस्य बड़ी उत्सुकता से करते हैं। जैसे ही स्कूलों में छुट्टियाँ घोषित होती हैं, बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक दिखाई देने लगती है। लेकिन यदि हम गहराई से सोचें तो पाएँगे कि गर्मियों की छुट्टियों का अर्थ हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होता है। किसी के लिए यह आराम का समय है, किसी के लिए सीखने का अवसर, तो किसी के लिए परिवार और मित्रों के साथ यादगार पल बिताने का मौका।

बच्चों के लिए गर्मियों की छुट्टियाँ सबसे अधिक आनंद का समय होती हैं। पूरे वर्ष पढ़ाई, परीक्षाओं और होमवर्क के दबाव के बाद उन्हें खुलकर खेलने, घूमने और अपनी पसंद की गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलता है। कुछ बच्चे खेलकूद में समय बिताते हैं, कुछ पुस्तकें पढ़ते हैं, तो कुछ संगीत, चित्रकला, नृत्य, कंप्यूटर या अन्य रचनात्मक कौशल सीखते हैं। उनके लिए छुट्टियाँ केवल मौज-मस्ती नहीं बल्कि आत्म-विकास का अवसर भी हो सकती हैं।

माता-पिता के लिए गर्मियों की छुट्टियों का महत्व कुछ अलग होता है। आज के व्यस्त जीवन में परिवार के सभी सदस्य एक साथ बहुत कम समय बिता पाते हैं। छुट्टियाँ उन्हें अपने बच्चों के साथ समय बिताने, उनकी रुचियों को समझने और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करती हैं। कई परिवार पर्यटन स्थलों की यात्रा करते हैं, जबकि कुछ अपने गाँव या रिश्तेदारों के घर जाकर पारिवारिक संबंधों को और मजबूत करते हैं।

शिक्षकों के लिए गर्मियों की छुट्टियाँ विश्राम के साथ-साथ आत्म-चिंतन और तैयारी का समय होती हैं। वे नए शैक्षणिक सत्र के लिए योजनाएँ बनाते हैं, नई शिक्षण तकनीकों को सीखते हैं और अपने ज्ञान को अद्यतन करने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार छुट्टियाँ उनके व्यावसायिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

हालाँकि समाज के सभी वर्गों के लिए छुट्टियों का अर्थ एक जैसा नहीं होता। किसान, मजदूर, दुकानदार और अनेक अन्य पेशेवर लोग गर्मियों में भी अपने काम में व्यस्त रहते हैं। उनके लिए छुट्टियाँ केवल कैलेंडर का एक शब्द हो सकती हैं क्योंकि उनकी जिम्मेदारियाँ मौसम या स्कूल की छुट्टियों से नहीं रुकतीं। इसलिए वे इस समय को एक अलग दृष्टिकोण से देखते हैं।गर्मियों की छुट्टियाँ हमें यह भी सिखाती हैं कि सीखना केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। प्रकृति का अवलोकन, यात्राएँ, सामाजिक गतिविधियाँ, पुस्तक-पठन और जीवन के वास्तविक अनुभव भी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जो बच्चे छुट्टियों का सदुपयोग करते हैं, वे न केवल नए ज्ञान और कौशल अर्जित करते हैं बल्कि आत्मविश्वास और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसित करते हैं। आज के डिजिटल युग में छुट्टियों का स्वरूप भी बदल रहा है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने बच्चों के समय का बड़ा हिस्सा घेर लिया है। ऐसे में आवश्यकता है कि छुट्टियों को केवल स्क्रीन तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें रचनात्मक, शैक्षिक और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ा जाए। इससे छुट्टियाँ अधिक सार्थक और यादगार बन सकती हैं।अंततः यह कहा जा सकता है कि गर्मियों की छुट्टियों का मतलब हर किसी के लिए अलग होता है। यह व्यक्ति की आयु, पेशे, परिस्थितियों और रुचियों पर निर्भर करता है। फिर भी एक बात सभी के लिए समान है—यह समय जीवन की भागदौड़ से कुछ क्षण निकालकर स्वयं को बेहतर बनाने, नए अनुभव प्राप्त करने और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। यदि छुट्टियों का सही उपयोग किया जाए, तो वे केवल विश्राम का समय नहीं बल्कि जीवन को समृद्ध बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकती हैं।

परमाणु हथियारों की दौड़ में भारत और पाकिस्तान

महेन्द्र तिवारी

स्टॉकहोम स्थित अंतरराष्ट्रीय शोध संस्था सिपरी की वर्ष 2026 की रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक भारत के पास लगभग 190 परमाणु वॉरहेड्स हैं, जबकि पाकिस्तान के पास यह संख्या लगभग 170 बताई गई है। इस प्रकार भारत अब पाकिस्तान से लगभग 20 परमाणु हथियार आगे निकल चुका है। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की सुरक्षा नीति, सैन्य संतुलन और भविष्य की रणनीतिक दिशा को भी दशार्ता है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपनी परमाणु नीति को केवल प्रतिरोध क्षमता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आधुनिक तकनीक और दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति से भी जोड़ा है। भारत लगातार अपनी मिसाइल प्रणाली, समुद्री सुरक्षा और लंबी दूरी तक मार करने वाली तकनीकों को मजबूत कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत अब केवल परमाणु हथियारों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि उनकी गुणवत्ता और त्वरित उपयोग क्षमता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। यही कारण है कि भारत को अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं बल्कि वैश्विक रणनीतिक शक्ति के रूप में देखा जाने लगा है।

भारत की परमाणु नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित और नियंत्रित रणनीति मानी जाती है। भारत ने लंबे समय से ह्लपहले प्रयोग नहींह्व की नीति अपनाई हुई है। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी देश पर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा, लेकिन यदि उस पर परमाणु हमला होता है तो वह पूरी क्षमता के साथ जवाब देगा। इस नीति ने भारत को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति की छवि प्रदान की है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने ऐसी कोई स्पष्ट नीति घोषित नहीं की है। पाकिस्तान की रणनीति मुख्य रूप से सामरिक परमाणु हथियारों और त्वरित प्रतिक्रिया पर आधारित रही है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की परमाणु नीति को अपेक्षाकृत अधिक स्थिर और जिम्मेदार माना जाता है।

सिपरी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत अब अपनी परमाणु क्षमता को तीनों आयामों में मजबूत कर चुका है। इसे परमाणु त्रिस्तरीय क्षमता कहा जाता है। इसका अर्थ है कि भारत भूमि, आकाश और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हमला करने की क्षमता रखता है। भारत के पास अग्नि श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, वायुसेना के लड़ाकू विमान हैं और साथ ही परमाणु क्षमता से लैस पनडुब्बियां भी हैं। इस त्रिस्तरीय क्षमता से भारत की प्रतिरोध शक्ति कई गुना बढ़ जाती है क्योंकि किसी भी दुश्मन के लिए उसकी पूरी परमाणु क्षमता को एक साथ निष्क्रिय करना लगभग असंभव हो जाता है।

भारत ने हाल के वर्षों में अग्नि 5 जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों पर विशेष ध्यान दिया है। इन मिसाइलों की क्षमता हजारों किलोमीटर दूर तक लक्ष्य को भेदने की है।

इसके अलावा भारत ने बहु लक्ष्य प्रहार तकनीक पर भी कार्य किया है, जिसमें एक ही मिसाइल कई लक्ष्यों को एक साथ निशाना बना सकती है। इसे आधुनिक परमाणु युद्ध रणनीति में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। रिपोर्टों के अनुसार भारत कैनिस्टर आधारित मिसाइल प्रणाली और समुद्र आधारित प्रतिरोध क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। इससे हथियारों की सुरक्षा और त्वरित तैनाती दोनों संभव हो जाती हैं।

सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया है कि भारत अब कुछ परमाणु वॉरहेड्स को तैनात स्थिति में रखने लगा है। अनुमान है कि लगभग 12 वॉरहेड्स ऐसी स्थिति में हैं जिन्हें कम समय में उपयोग किया जा सकता है। पहले भारत आमतौर पर वॉरहेड्स और मिसाइलों को अलग रखता था, ताकि आकस्मिक संघर्ष की संभावना कम रहे। लेकिन बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों ने भारत को अपनी रणनीति में कुछ परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव मुख्य रूप से चीन और पाकिस्तान दोनों की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के कारण हुआ है। पाकिस्तान की स्थिति भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। भले ही उसके पास भारत से कम परमाणु हथियार हैं, लेकिन वह लगातार विखंडनीय सामग्री जमा कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि यही गति जारी रही तो अगले दशक में पाकिस्तान अपने परमाणु भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकता है। पाकिस्तान लंबे समय से छोटी दूरी के सामरिक परमाणु हथियारों के विकास पर जोर देता रहा है। उसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक सैन्य श्रेष्ठता का मुकाबला करना है। पाकिस्तान की सैन्य नीति में परमाणु हथियार केवल अंतिम विकल्प नहीं बल्कि सामरिक संतुलन का साधन भी माने जाते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिस्पर्धा नई नहीं है। वर्ष 1998 में दोनों देशों ने परमाणु परीक्षण किए थे, जिसके बाद दक्षिण एशिया औपचारिक रूप से परमाणु शक्ति संपन्न क्षेत्र बन गया। तब से दोनों देशों ने अपनी क्षमता में लगातार विस्तार किया है।

कब होगा राहुल गांधी का निष्पक्ष राजनीतिक मूल्यांकन?

दिलीप कुमार पाठक

राजनीति में किसी नेता की छवि को बनाने और बिगाड़ने का खेल नया नहीं है। लेकिन जो खेल राहुल गांधी के साथ खेला गया, उसकी मिसाल पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास में नहीं मिलती। एक पूरे तंत्र ने, असीमित पैसे और सोशल मीडिया की ताकत के दम पर, बरसों तक उनकी एक खास तरह की छवि गढ़ने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। सुबह से शाम तक मुख्यधारा के मीडिया और ट्रोल सेना का बस एक ही काम था—राहुल गांधी को खारिज करना। लेकिन वक्त की सबसे अच्छी बात यह है कि वह हमेशा एक जैसा नहीं रहता। आज जब हम भारतीय राजनीति के बदलते समीकरणों को देखते हैं, तो हवा का रुख बदला हुआ साफ महसूस होता है।एक निष्पक्ष नजरिए से देखें तो यह बात हैरान करती है कि पिछले एक दशक से अधिक समय से जो पार्टी सत्ता में बैठी है, उसके निशाने पर आज भी विपक्ष का एक नेता ही क्यों सबसे ऊपर रहता है?

देश में कोई भी मुद्दा हो, बेरोजगारी की बात हो या महंगाई की, जवाब सत्ता से मांगा जाना चाहिए, लेकिन यहाँ हर सवाल का रुख मुड़कर राहुल गांधी की तरफ कर दिया जाता है। यह राजनीतिक क्रूरता नहीं तो और क्या है कि एक इंसान को कदम-कदम पर खुद को साबित करने के लिए मजबूर किया जाता है? यहाँ तक कि उनके परिवार के शहीदों तक पर उंगलियां उठाई गईं, लेकिन उस इंसान ने कभी अपनी शालीनता और मयार्दा का दामन नहीं छोड़ा। राहुल गांधी की राजनीति की सबसे बड़ी खूबी उनकी दूरदर्शिता रही है। अतीत में उन्होंने देश की आर्थिक नीतियों, महामारी के खतरों या सीमाओं की सुरक्षा को लेकर जो भी बातें कहीं, शुरूआत में भले ही सत्ता पक्ष ने उनका मजाक उड़ाया हो, लेकिन वक्त ने साबित किया कि उनकी एक-एक बात सच थी। राजनीति में अपनी बात का सही साबित होना ही किसी नेता की सबसे बड़ी परिपक्वता होती है। आज यही वजह है कि जनता उन्हें बेहद संजीदगी से सुनने लगी है। इस देश के युवा और किसान आज जिस गहरे संकट से गुजर रहे हैं, उनकी पीड़ा को राहुल गांधी ने बेहद करीब से महसूस किया है। परीक्षाओं के पेपर लीक होने से बर्बाद होते युवाओं के भविष्य की

बात हो या रोजगार की तलाश में भटकते डिग्रीधारियों का दर्द, राहुल ने सड़क से लेकर संसद तक हर जगह युवाओं की बेबाक आवाज बनकर सरकार को घेरा है। ठीक इसी तरह, जब कड़कड़ाती ठंड और चिलचिलाती धूप में देश का अन्नदाता दिल्ली की सीमाओं पर अपने हक की लड़ाई लड़ रहा था, तब राहुल गांधी उनके बीच जाकर खड़े हुए। उन्होंने किसानों के दर्द को सिर्फ चुनावी मुद्दा नहीं बनाया, बल्कि उनकी कानूनी गारंटी और एमएसपी की मांग को अपनी राजनीति का मुख्य एजेंडा बनाया। खेतों की पगडंडियों पर किसानों के साथ ट्रैक्टर चलाना हो या कुलियों और मैकेनिकों के साथ बैठकर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को समझना, राहुल ने यह साबित किया कि वे ड्राइंग रूम की राजनीति नहीं, बल्कि पसीने और संघर्ष की सियासत करते हैं।

भारतीय राजनीति का एक और कड़वा सच अवसरवाद है, जहाँ नेता अपनी सहूलियत के हिसाब से रिश्ते बदलते हैं। चाहे वह आम आदमी पार्टी हो, तृणमूल कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी—इन सबने कभी न कभी कांग्रेस की जड़ें खोदने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिल्ली में राहुल गांधी के खिलाफ पोस्टर लगाए गए, बंगाल और उत्तर प्रदेश में कड़वाहट घोली गई। लेकिन राहुल गांधी का बड़प्पन देखिए कि जब भी इन क्षेत्रीय क्षत्रपों पर मुसीबत आई, वे सब कुछ भूलकर मदद के लिए आगे आए। अरविंद केजरीवाल के संकट के समय पैरवी के लिए वरिष्ठ वकीलों को खड़ा करना हो या विपक्षी एकजुटता के लिए हर कड़वाहट को पीना हो, राहुल ने हमेशा बड़े दिल का परिचय दिया। यह राजनीति की वह विडंबना है जहाँ मदद पाने वाले ही पीठ पीछे वार करने से नहीं चूकते, फिर भी राहुल अपनी धुन में आगे बढ़ते रहते हैं। उनकी इस सियासी यात्रा का सबसे खूबसूरत मोड़ था ह्यभारत जोड़ो यात्राह्ण। बंद कमरों, बयानों और प्रेस कॉन्फ्रेंस की राजनीति को पीछे छोड़कर जब यह इंसान कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल निकल पड़ा, तो मानो राजनीति की परिभाषा ही बदल गई। तपती धूप, बारिश और बर्फबारी के बीच जब वे आम लोगों, किसानों, मजदूरों और समाज के सताए हुए पीड़ितों से मिले, उन्हें गले लगाया और उनके आंसू पोंछे, तो जनता ने उनके भीतर छिपे एक सच्चे और संवेदनशील इंसान को देखा। यह ह्यनफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकानह्ण खोलने का कोई सियासी नारा नहीं था, बल्कि एक ऐसा जज्बा था जिसने करोड़ों लोगों के दिलों को सीधे छुआ। हैरानी की बात यह है कि जिस इंसान पर चौतरफा हमले होते हैं, वह दूसरों के प्रति कितना उदार हो सकता है। चुनाव हारने के बाद जब उनकी धुर विरोधी स्मृति ईरानी को सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा था, तब राहुल गांधी ही वह अकेले नेता थे जिन्होंने आगे आकर अपने समर्थकों से मयार्दा बनाए रखने की अपील की। यह दिखाता है कि राजनीति में गहरी वैचारिक दुश्मनी के बावजूद एक न्यूनतम मानवीय संवेदना बची रहनी चाहिए। आज सवाल यह नहीं है कि राहुल गांधी खुद को और कितना साबित करें। सवाल यह है कि इस देश का लोकतंत्र आखिर कब तक एकतरफा नफरत और दुष्प्रचार की इस राजनीति को झेलता रहेगा? करोड़ों रुपये फूंकने के बाद भी अगर एक इंसान को जनता के दिलों से नहीं निकाला जा सका, तो इसका सीधा सा मतलब है कि सच को कुछ समय के लिए परेशान तो किया जा सकता है, लेकिन उसे कभी पराजित नहीं किया जा सकता।

अदालत में रसूख का खेल, अमीर को बेल गरीब को जेल

अजय कुमार

भारतीय न्यायपालिका की कार्यप्रणाली को लेकर आम आदमी के मन में हमेशा से एक गहरी उलझन रही है। कानून की किताबों में लिखा है कि न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी बंधी होती है, यानी वह अमीर-गरीब, बड़े-छोटे, मशहूर-गुमनाम सबको एक तराजू पर तौलती है। लेकिन जमीनी हकीकत अक्सर इस आदर्श की धज्जियां उड़ाती नजर आती है। जब कोई आरोपी समाज में लोकप्रिय हो, उसके पीछे लाखों अनुयायियों की भावनाएँ जुड़ी हों और उसकी जेब में महंगे वकीलों की फौज खड़ी करने की ताकत हो, तो अदालत का रुख भी कई बार उस सामान्य आरोपी से एकदम अलग दिखाई देता है, जो न तो मशहूर है और न जिसके पास साधन हैं। पटना में 2 जून की घटना ने इस पूरे सवाल को एक बार फिर ताजा कर दिया, जब कदमकुआं थाना क्षेत्र में स्थित ज्ञान बिंदु जी.एस. एकेडमी और खान सर के कोचिंग संस्थान के बीच विवाद हुआ, मारपीट हुई और फायरिंग भी हुई। इस पूरे मामले में पटना जिला न्यायालय ने चर्चित शिक्षाविद और लाखों छात्रों के बीच लोकप्रिय शिक्षक खान सर की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी। खान सर की ओर से उनके वकील अरविंद मउआर ने पटना के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रूपेश देव की अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी, जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत देते हुए गिरफ्तारी पर रोक लगाने का आदेश दिया। दूसरी ओर, उसी मामले में एक बिल्कुल अलग तस्वीर सामने आई। ज्ञान बिंदु एकेडमी के निदेशक रौशन आनंद की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी और वे फिलहाल जेल में बंद हैं। इसी मामले में जेल में बंद खान सर के दो सुरक्षा गार्ड दीपक कुमार और तालेबर सिंह की नियमित जमानत याचिका पर भी सुनवाई हुई और उनका मामला अभी लटका हुआ है। यानी जो लोग कह रहे थे कि उन्होंने खान सर के कहने पर हवा में गोली चलाई, वे जेल की सलाखों के पीछे हैं और जो व्यक्ति उन पर आरोप लगा रहे थे, वह न्यायालय से संरक्षण पाकर आजाद घूम रहे हैं।

यह विरोधाभास सिर्फ इस एक मामले तक सीमित नहीं है। भारतीय न्यायिक इतिहास में ऐसे अनेक प्रकरण दर्ज हैं, जहाँ आरोपी की सामाजिक हैसियत, उसकी लोकप्रियता या उसकी आर्थिक ताकत ने न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित किया। वर्ष 2002 में सलमान खान पर काले हिरण के शिकार का मामला चला। दशकों तक चले इस मुकदमे में राजस्थान की निचली अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया, लेकिन उच्च न्यायालय ने उसे पलट दिया। इस पूरे दौर में यह बात किसी से छुपी नहीं थी कि एक मशहूर अभिनेता को कोई साधारण व्यक्ति जैसी परेशानी नहीं उठानी पड़ी। जमानत तत्काल मिली, सुनवाई टलती रही और आखिरकार वे बरी हो गए। इसी तरह संजय दत्त के हथियार मामले में भी कई दशकों तक न्यायिक प्रक्रिया चली। जेल में समय बिताया जरूर, लेकिन हर मोड़ पर कानूनी राहत मिलती रही। राजनीतिक रसूख वाले आरोपियों का किस्सा तो और भी लंबा है। लालू प्रसाद यादव चारा घोटाले में दोषी ठहराए गए, किंतु उनकी बीमारी और अन्य आधारों पर बार-बार जमानत मिलती रही। जगन मोहन रेड्डी पर आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तारी हुई, लेकिन उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई और बाद में वे मुख्यमंत्री बन गए। इन सब में एक धागा, जो एक-सा नजर आता है, वह है बड़े और दिग्गज वकीलों की भूमिका।

भारत में कानूनी पेशे की एक कड़वी सच्चाई यह है कि न्यायालय में बहस के कौशल के साथ-साथ वकील का नाम, उसका रुतबा और संबंध भी उतने ही अहम हो जाते हैं। जब कोई बड़ा वकील किसी मामले में पैरवी करता है, तो अदालत का माहौल ही बदल जाता है। उसकी दलीलें उसी तथ्य को एक नए कोण से प्रस्तुत करती हैं, जिसे एक साधारण वकील शायद ढंग से कह भी नहीं पाता। वह जमानत की पात्रता, धाराओं की प्रकृति, पूर्व के न्यायिक निर्णयों और संविधान के प्रावधानों को इस प्रकार पिरोता है कि न्यायाधीश के सामने उसका मुवक्किल निर्दोष नहीं तो कम से कम संदेह के दायरे में जरूर आ जाता है। खान सर के मामले में भी उनके वकील ने अदालत में पक्ष रखते हुए कहा कि पुलिस ने दबाव बनाने के लिए हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम जैसी गंभीर धाराएँ लगाई हैं और घटना में कोई व्यक्ति गोली लगने से घायल नहीं हुआ। यह तर्क कितना सफल रहा, यह अदालत के आदेश से साफ हो गया। बड़े वकीलों का दबाव केवल दलीलों तक सीमित नहीं होता। कई बार यह दबाव प्रक्रियागत चालाकी के रूप में सामने आता है। सुनवाई को टालना, नई याचिकाएँ दाखिल करना, एक के बाद एक उच्च न्यायालयों में जाना और अंततः उच्चतम न्यायालय तक पहुँचना, ये सब वे औजार हैं जिनका इस्तेमाल कर बड़े मुकदमों में समय खरीदा जाता है। जब तक मुकदमा चलता रहता है, आरोपी या तो जमानत पर बाहर रहता है या फिर जेल में भी वे सुविधाएँ हासिल कर लेता है, जो एक साधारण कैदी की कल्पना से परे होती हैं। इसके अलावा, प्रसिद्ध वकीलों के पास न्यायपालिका के भीतर के अनौपचारिक संबंध भी होते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि न्यायाधीश खरीदे जाते हैं, क्योंकि ऐसा प्रमाण बिरला ही मिलता है, किंतु एक अनुभवी न्यायविद यह जरूर जानता है कि कौन-सी अदालत, कौन-सा पीठ और कौन-सा दिन उसके मुवक्किल के लिए अनुकूल हो सकता है।

आम आदमी जब इन सब बातों को देखता है, तो उसके मन में न्याय के प्रति आस्था डगमगाने लगती है। वह देखता है कि एक सुरक्षा गार्ड, जो किसी के आदेश पर काम कर रहा था, जेल में है। एक संस्थान का निदेशक, जिसने शायद इसी तरह का काम किसी और के इशारे पर किया हो, जेल में है। लेकिन जो व्यक्ति इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में है और जिसके सुरक्षाकर्मियों ने खुद स्वीकार किया कि उन्होंने उसके कहने पर हथियार चलाए, वह न्यायालय के संरक्षण में आजाद है। यह दोहरापन न्यायिक व्यवस्था की उस बड़ी कमजोरी को उजागर करता है, जिसे सुधारने की बात हर दशक में होती है, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं बदलता। न्याय का सिद्धांत कहता है कि संदेह का लाभ आरोपी को मिलना चाहिए। अग्रिम जमानत का प्रावधान इसीलिए बना है ताकि किसी निर्दोष को बिना कारण जेल की यातना न भोगनी पड़े। किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यही प्रावधान चुनिंदा लोगों के लिए ढाल बन जाता है और बाकी सब उसी कानून की तलवार के नीचे खड़े रहते हैं। जब तक न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं आएगी, जब तक गरीब और अमीर आरोपी के बीच का फर्क अदालत के भीतर भी मिटाया नहीं जाएगा, तब तक भारत की न्याय प्रणाली आम आदमी के लिए टेढ़ी खीर ही बनी रहेगी।

रुतुराज ने बनाया रिकार्ड, लिस्ट ए क्रिकेट में नंबर वन औसत वाले बल्लेबाज बने

मुम्बई (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड ने भारत ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ पहले ही मैच में शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस शतकीय पारी के साथ ही रुतुराज लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे अधिक औसत वाले विश्व के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली भी इस मामले में उनसे कहीं पीछे हैं।

गौरतलब है कि लिस्ट ए प्रारुप उन सभी घरेलू 40 से 60 ओवर के मैचों, अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय मुकाबलों और अंतरराष्ट्रीय ए टीमों के बीच खेले गए मैचों की जानकारी देत है। इस प्रारुप में रुतुराज गायकवाड़ छाये हुए हैं। 100 लिस्ट ए मैचों की 96 पारियों में उनके नाम 59.32 की औसत से कुल 5161 रन हैं। इस दौरान उनके नाम 20 शतक और 19 अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 220 रन नाबाद रहा है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि वह कितने निरंतर और प्रभावी बल्लेबाज हैं।

इससे वह विराट से भी आगे निकल गये हैं। विराट का लिस्ट ए क्रिकेट में औसत 57.91 है। विराट ने अपने करियर (2006 से अब तक) में 347 लिस्ट ए मैच खेलते हुए 334 पारियों में 16447 रन बनाए हैं, जिसमें 59 शतक और 86 अर्धशतक शामिल हैं। आंकड़ों में भले ही कोहली के रन और शतक कहीं अधिक हों पर औसत की आती है तो गायकवाड़ ने उन्हें पछाड़ दिया है। वहीं तेंदुलकर, जिनके नाम कई रिकॉर्ड हैं, वे इस विशिष्ट औसत सूची के शीर्ष 5 में भी शामिल नहीं हैं, जिससे पता चलता है कि गायकवाड़ की उपलब्धि की बड़ी है। दुनिया के अन्य दिग्गज बल्लेबाज भी इस सूची में उनसे काफी पीछे हैं।

रुतुराज के बाद दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जबकि तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज माइकल बेवन का नाम आता है। बेवन ने 1989 से 2006 के बीच 427 मैचों की 385 पारियों में 57.86 की शानदार औसत से 15103 रन बनाए थे, जिसमें 13 शतक और 116 अर्धशतक शामिल थे। चौथे पायदान पर इंग्लैंड के सैम हेन हैं, जिन्होंने 2013 से 2023 के बीच कुल 64 मैचों की 62 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 57.76 की औसत से 3004 रन बनाए और 10 शतक जड़े। इस सूची में पांचवें भारतीय नाम चेतेश्वर पुजारा का है, जिनकी 130 मैचों की 127 पारियों में 57.01 की औसत से 5759 रन हैं, जिसमें 16 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं।

फीफा विश्वकप से पहले हुए मुकाबले में मेसी के गोल से अर्जेन्टीना ने आइसलैंड को हराया

अलबामा (एजेंसी)। स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेन्टीना ने फीफा विश्वकप से पहले अपने दोस्ताना मैच में आइसलैंड को 3-0 से हरा दिया। इस जीत से टीम का उत्साह बढ़ा है। इससे मेसी की फिटनेस पर उठे सवाल भी समाप्त हो गये। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौट रहे मेसी ने मुकाबले की शुरुआत स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में की, लेकिन जब वह मैदान पर उतरे तो उन्होंने अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया।

मेसी 70 वें मिनट में मैदान पर उतरे, जिससे स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर गया। उनके मैदान पर आने के केवल दो मिनट बाद ही, 72वें मिनट में लोटारो मार्टिनेज के खिलाफ फाउल के लिए मिली पेनल्टी को उन्होंने गोल में बदल दिया। यह गोल उनकी शानदार फिटनेस और खेल कौशल का प्रमाण था, और इसने यह संकेत भी दिया कि वह एक बार फिर विश्व कप के बड़े मंच पर चमकने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अर्जेन्टीना की टीम आइसलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में पूरी तरह से हावी रही। मेसी के आने से पहले ही टीम ने दो अन्य गोल दागकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली थी, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और बढ़ा। पूरी टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, जिससे विपक्षी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। इस जीत ने टीम को विश्व कप से पहले एक मजबूत मंच प्रदान किया है।

भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच ने जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ की, कहा– इसीलिए वह नंबर वन हैं

लंदन (एजेंसी)। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एक खिलाड़ी के तौर पर उनके विकास का श्रेय दिया जाना चाहिए। उन्होंने 2013 में IPL में आने के बाद से अब तक जिस तरह से खुद को बेहतर बनाया है, वह काबिले-तारीफ है। दुनिया में बहुत कम ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में इतना बड़ा असर डाला है। 2016 में अपने इंटरनेशनल डेब्यू के बाद से बुमराह तेजी से भारत के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक बन गए हैं। बारबाडोस में भारत की 2024 मेन्स टी20 वर्ल्ड कप जीत में बुमराह ने 15 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर बुमराह ने जिस तरह से खुद को बेहतर बनाया है, उसके लिए उन्हें श्रेय दिया जाना चाहिए। वह बहुत फोकस्ड हैं। उन्हें अपने खेल की अच्छी समझ है। वह हमेशा बेहतर करने की कोशिश करते रहते हैं। इसीलिए वह नंबर वन हैं। वह तीनों फॉर्मेट में दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को सिर्फ खेले गए मैचों की संख्या से नहीं आंकना चाहिए, बल्कि यह भी देखना चाहिए कि उन्होंने तीनों फॉर्मेट में कैसा असर डाला है।' उन्होंने कहा, 'दुनिया में बहुत कम गेंदबाज ऐसे हैं जो तीनों फॉर्मेट में इतना असर डालते हैं। टी20, वनडे और टेस्ट में उनके आंकड़े उनकी मेहनत और लगन को दिखाते हैं। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है। वह आसानी से हार नहीं मानते और गेंद को छोड़ते नहीं हैं।' पूर्व कोच ने बुमराह के लीडरशिप रोल को पसंद करने पर भी खुशी जताई जिन्होंने अब तक तीन टेस्ट मैचों में कप्तानी की है। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'उन्हें टीम की कप्तानी करना भी पसंद आने लगा है और मैं इस बात से बहुत खुश हूं। वह सिर्फ अपने खेल पर ही ध्यान नहीं देते, बल्कि सबको साथ लेकर चलते हैं। वह समझते हैं कि उनकी भूमिका दूसरों को तैयार करने और उनकी मदद करने की भी है और उन्होंने इसे बहुत अच्छे से निभाया है। यह सिर्फ देश के लिए मैच जीतने की बात नहीं है। यह हर किसी पर अपनी छाप छोड़ने की बात है।'

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: हैरी ब्रूक नंबर वन, शुभमन गिल टॉप-10 में शामिल

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। हैरी ने अपने ही साथ ही खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जो रूट को पीछे छोड़ा है। रूट अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वहीं भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें स्थान पर पहुँच गए हैं, जिससे उन्होंने शीर्ष 10 में अपनी जगह और मजबूत की है।

ब्रूक ने यह शानदार उपलब्धि न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच में हासिल की, जहाँ इंग्लैंड ने 115 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले की पहली पारी में ब्रूक ने महत्वपूर्ण 56 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं रूट को लॉर्ड्स टेस्ट खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ है। वह इस मैच में एक और आठ रन ही बना सके। इस निराशाजनक प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, रूट दो स्थान खिसककर पहले से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

दूसरी ओर भारतीय टीम के शुभमन ने रैंकिंग में अच्छी छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में शानदार शतक जड़ने के बाद शुभमन दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर आ गए हैं।

रैंकिंग में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस एक स्थान के फायदे के साथ पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह छठे पायदान पर खिसक गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा सातवें स्थान पर कायम हैं। भारत के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह नौवें स्थान पर हैं, वहीं श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल एक पायदान ऊपर चढ़कर दसवें स्थान पर पहुँच गए हैं।

फीफा विश्व कप 2026 में किसी भी भूमिका को निभाने तैयार हैं इबानेज

सैन डियागो। ब्राजील फुटबॉल टीम में शामिल डिफेंडर रोजार इबानेज ने कहा वह फीफा विश्व कप 2026 में राइट-बैक सहित किसी भी जगह पर खेलने के लिए भी तैयार है। वेस्ली फ्रैंका के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल इबानेज आम तौर पर सेंटर-बैक के तौर पर खेलते हैं पर अब टीम की जरूरतों के अनुसार दूसरी जिम्मेदारी भी निभाने को तैयार है। इबानेज के अनुसार देश की ओर से खेलना सबसे बड़ी बात है। इसलिए वह इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह कि टीम की जरूरत को सबसे आगे मानते हैं और उनको जो भी भूमिका दी जाएगी उसे निभा सकते हैं। वहीं अभ्यास मैच में चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए वेस्ली के बाद टीम में राइट-बैक के तौर पर किसे उतारा जाये ये सबसे बड़ा सवाल बना है। अनुभवी और भरोसेमंद खिलाड़ी डैनिलो को इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार माना जा रहा है पर अब इबानेज भी एक प्रभावी विकल्प तौर पर सामने आए हैं, जिन पर चयनकर्ता गंभीरता से विचार कर सकते हैं। इस मामले को लेकर इबानेज ने कहा, मेरी पोजीशन तय करना कोच का काम है। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि जहां भी टीम को मेरी जरूरत होगी, मैं वहां खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सबसे बड़ी बात और सम्मान का विषय है।' यह बयान टीम के प्रति उनके गहरे समर्पण को दिखाता है। सऊदी अरब के क्लब अल अहली से जुड़े इबानेज ने टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी डैनिलो की भी जमकर तारीफ की।

धोनी को इस कारण नहीं मिल पाया टी20 में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम कई रिकार्ड है। धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पहला टी20 खिताब जीत था। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,000 से अधिक रन है पर प्रशंसको को ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद भी धोनी को अपने करियर के दौरान टी20 प्रारुप में एक बार भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला। इसका कारण ये रहा कि धोनी ने हमेशा ही टीम की जीत को निजी उपलब्धियों से अधिक महत्व दिया और उसी अनुसार फैसले लिए। साल 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद धोनी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा ओर वह सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज और मैच फिनिशर के तौर पर उभरे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से कुल 538 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.96 के बेहतरीन औसत से 17,266 रन बनाए। इसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल है। 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अपने करियर में धोनी ने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। इस दौरान कई बार उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भारतीय टीम को कठिन हालातों से निकालकर जीत दिलायी हालांकि इसके बाद भी उन्हें एक बार भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण ये है कि टी20 क्रिकेट में धोनी अधिकतर नंबर 5, 6 या 7 पर बल्लेबाजी करने आते थे, जहां उन्हें आमतौर पर 10 से 15 गेंदें ही खेलने को मिलती थीं। ऐसी स्थिति में भले ही धोनी ने कई बार छोटी, तेज और मैच विजेता पारिया खेली है पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड आमतौर पर ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पास चला जाता है। वहीं सबसे बड़ा कारण ये रहा है कि धोनी ने हमेशा ही अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों की जगह पर टीम की जीत को महत्व दिया है। इसी कारण कई अवसरों पर उन्होंने अपनी जगह युवा बल्लेबाजों को खेलने के लिए ऊपरी क्रम में भेजा है। इससे धोनी ने साबित किया है कि एक कप्तान के तौर पर उनके लिए टीम को खिताबी जीत दिलाना व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक आगे है। अवॉर्ड भले ही उन्हें नहीं मिला पर एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप में उन्हें कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है। एकदिवीसय क्रिकेट में धोनी को रिकॉर्ड 21 बार जबकि टेस्ट क्रिकेट में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है।

आईसीसी ने लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक बताया

-नकारात्मक अंक भी दिये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान के अलावा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक करार दिया है। इसके साथ ही इन दोनों को नकारात्मक अंक भी दिये हैं। आईसीसी ने इन स्टेडियमों की पिच और आउटफील्ड को मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत एक-एक नकारात्मक अंक भी दिया है। आईसीसी ने ये कदम मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट (लॉर्ड्स) और ग्रेम ला ब्रूक (गद्दाफी स्टेडियम) से मिली रिपोर्टों के बाद उठाया है। इन रिपोर्टों में मैच अधिकारियों और दोनों टीमों के कप्तानों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर पिच की गुणवत्ता को निचले दर्जे का बताया है। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के अलावा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए तीसरे एकदिवसीय मैच की पिचों को इस्तेमाल की गई पिचें बताया गया है।

लॉर्ड्स की पिच पर गेंदबाजों को अत्यधिक सहायता मिली। यहां गेंद में असामान्य उछाल और जरूरत से ज्यादा सीम मूवमेंट दिखा। मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कई गेंदें अपेक्षा से अधिक नीची रह रही थीं, जिससे बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी हो गयी। उन्होंने कहा, पूरे टेस्ट में बहुत ज्यादा सीम मूवमेंट था और कई अवसरों पर गेंद बहुत नीचे भी रही। पूरे दिन पिच में बदलाव दिखे। पहले दिन जहां 16 विकेट वहीं दूसरे दिन 17 विकेट गिरे। इससे गेंद और बल्ले के बीच का संतुलन खराब हुआ। इस मैच के शुरु आती दो दिनों में ही 33 विकेट गिर गए थे, जिनमें से अधिकांश विकेट बोल्ड या एलबीडब्ल्यू के रूप में गिरे थे, जो पिच के असंतुलित होने का स्पष्ट संकेत था।

वहीं इसी प्रकार लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को भी एकदिवसीय मैच के लिए सही नहीं पाया गया। मैच रेफरी ग्रेम ला ब्रूक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पिच बहुत धीमी और नीची थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन हो गया था। उन्होंने कहा, पिच धीमी और नीची थी और रन बनाना बहुत मुश्किल था। इस प्रकार यह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए सही नहीं थी। इन मुकाबलों में आकर्षण नहीं था जिससे दर्शक भी निराश हुए। अब यदि यदि इन स्टेडियमों की पिचों को आगले पांच साल के अंदर और नकारात्मक अंक मिलते हैं तो ये उन पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी नहीं कर पायेंगी।

अभिमन्यु मिथुन हैं : भारतीय घरेलू क्रिकेट के अद्वितीय रिकॉर्डधारी

मुम्बई। क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ऐसा अद्वितीय रिकॉर्ड दर्ज है, जो किसी अन्य भारतीय खिलाड़ी के पास नहीं है। वह घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रमुख प्रारूपों – रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। मिथुन ने अपनी तेज गेंदबाजी से विभिन्न टीमों के खिलाफ यह कमाल किया है। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने उत्तर प्रदेश के विरुद्ध, विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के सामने यह उपलब्धि हासिल की। यह दर्शाता है कि उनकी निरंतरता और विकेट लेने की क्षमता विभिन्न प्रारूपों में कितनी प्रभावी रही। उनका यह अनूठा रिकॉर्ड उनकी प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है, जिसने उन्हें घरेलू क्रिकेट में एक विशिष्ट स्थान दिलाया। भारतीय टीम के लिए हालांकि उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले। अभिमन्यु मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवसीय मैच खेले, जिनमें उन्होंने कुल 12 विकेट अपने नाम किए। उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण 2010 में हुआ था, जहां उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ गाले में अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट झटके थे। उसी साल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय क्रिकेट में भी कदम रखा। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ था, जिसके बाद उनका भारतीय टीम का सफर थम गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सीमित अवसरों के बावजूद, अभिमन्यु का घरेलू करियर शानदार रहा। उन्होंने कर्नाटक के लिए 300 से अधिक फर्स्ट क्लास विकेट लिए, जो उनकी लंबी और प्रभावी करियर का प्रमाण है। इसके अलावा, उनके नाम टी20 क्रिकेट में एक ओवर में 5 विकेट लेने का असाधारण रिकॉर्ड भी दर्ज है। यह कारनामा उन्होंने 2019 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में हरियाणा के खिलाफ किया था। उस मैच में उन्होंने पारी के अंतिम ओवर की पहली चार गेंदों पर लगातार चार विकेट लिए और अंतिम गेंद पर पांचवां विकेट लेकर अपनी टीम कर्नाटक को जीत दिलाई। यह उपलब्धि किसी भी गेंदबाज के लिए अविश्वसनीय मानी जाती है।

इंग्लैंड वर्ल्ड कप जीतने का बड़ा दावेदार नहीं, कोच ने दिया चौंकाने वाला बयान

न्यूयॉर्क। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्युशेल ने 2026 FIFA वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम को दावेदारों में से एक मानने की बात को कम करके आंका। उन्होंने कहा कि 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) को छह दशकों से कोई खिताब न जीतने के बाद सबसे बड़े मंच पर खुद को साबित करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार ट्युशेल बुधवार को ऑरलैंडो में कोस्टा रिका के खिलाफ इंग्लैंड के आखिरी वार्म-अप मैच से पहले प्रेस को संबोधित कर रहे थे। यह मैच शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-0 की मुश्किल जीत के बाद हो रहा है। जब ट्युशेल से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड टूर्नामेंट जीतने वाली टीमों में शामिल है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'कितने दावेदार हैं? हम सबसे बड़े दावेदार नहीं हैं। हम ऐसा हो भी नहीं सकते क्योंकि हमने इतने सालों से इसे नहीं जीता है। टूर्नामेंट में ऐसी टीमें हैं जो पहले जीत चुकी हैं और ज्यादा सफल रही हैं।' कोच ने कहा, 'हम मुकाबला करते हैं, बड़े सपने देखते हैं और जानते हैं कि इसके लिए क्या चाहिए। जिम्मेदारी कोशिश करने पर है और हमारा ध्यान उसी पर है। हम खुद को कॉम्पिटिटर और चैलेंजर के तौर पर देखते हैं। हम आखिर तक जाना चाहते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम बहुत बड़े दावेदार हैं।' ट्युशेल ने हैरी केन को इंग्लैंड का कप्तान और आर्सेनल के मिडफील्डर डेक्लान राइस को उप-कप्तान बनाने के फैसले पर भी बात की। ट्युशेल ने कहा, 'डेक्लान और हैरी वो दो खिलाड़ी हैं जिनके पास आर्मबैंड है। हैरी हमारे कप्तान हैं – इसमें कोई शक नहीं। और डेक्लान हमारे दूसरे कप्तान हैं। जब हैरी कैंप में नहीं थे और वेल्स के खिलाफ नहीं खेले थे, तो हमारे पास एक विकल्प था और मैंने तुरंत डेक्लान को यह जिम्मेदारी देने का फैसला किया।' इंग्लैंड के कोच ने कहा कि राइस का 'फुटबॉल IQ बहुत अच्छा है। वह फॉर्मेशन और स्ट्रक्चर, तालमेल और हमारे खेल की लय का ध्यान रखते हैं। आर्सेनल के साथ उनके दो शानदार सीजन रहे हैं... वह इस समय यूरोप के सबसे अच्छे मिडफील्डरों में से एक हैं और उनमें बहुत आत्मविश्वास है। इसीलिए वह मेरे उप-कप्तान हैं।' कोच ने यह भी कहा कि इंग्लैंड कैंप में अभी शांत माहौल है। उन्होंने समझाया, 'तनाव स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा, खासकर जब हम कंसास जाएंगे और फिर पहले मैच की तैयारी के लिए चार दिन मिलेंगे।' इंग्लैंड 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा।

सिंधु जीती, तन्वी ने पांचवीं वरीय खिलाड़ी को हराकर किया उलटफेर

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु की अगुआई में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया जबकि तन्वी शर्मा भी उलटफेर करने में सफल रहीं। तीसरी वरीय सिंधु, तन्वी, मालविका बंसोड, ईशारानी बरुआ और तान्या हेमंत सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों के लिए हालांकि बुधवार का दिन खराब रहा जब किरण जॉर्ज, थरुन मान्नेपल्ली और क्वालीफायर सतीश दयानंद पहले दौर में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर के एकतरफा मुकाबले में पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो सालाजार को सीधे गेम में सिर्फ 32 मिनट में 21-13, 21-11 से हराया। सिंधु अगले दौर में हमवतन ईशारानी से भिड़ेंगी जिन्होंने एक घंटा तीन मिनट चले कड़े मुकाबले में चीन की हान कियान को 22-20, 10-21, 21-14 से शिकस्त दी।

दिन का सबसे बड़ा उलटफेर 17 साल की तन्वी ने किया जिन्होंने पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी चीनी ताइपे की च्यु पिन चियान को 45 मिनट में 21-12, 22-20 से शिकस्त दी। दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी अगले दौर में साथी भारतीय खिलाड़ी मालविका से भिड़ेंगी जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए थाईलैंड की तोंग सोंग को 15-21, 21-7, 21-13 से हराया।

तान्या ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 39 मिनट में 21-17, 21-18 से हराया। वह अगले दौर में थाईलैंड की दूसरी वरीय और दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी। पुरुष एकल में किरण को कड़े मुकाबले में मलेशिया के जस्टिन हो के खिलाफ एक घंटा दो मिनट में 19-21, 21-14, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। क्वालीफायर दयानंद भी चीन के हू झिआन के खिलाफ सिर्फ 35 मिनट में 8-21, 10-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

थरुन उलटफेर करने के करीब पहुंचे लेकिन अंततः उन्हें दूसरे वरीय और दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ एक घंटा 20 मिनट में 21-18, 13-21, 23-25 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में ध्रुव रावत और मनीषा के ने लिन जेडन और विक्टोरिया जोनाडी की ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को 27 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान को हालांकि गुओ शिन वा और चेन फेंग हुइ की चीन की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ सिर्फ 20 मिनट में 6-21, 5-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

फरहान की कप्तानी में 2026 एशियाई खेलों में उतरेगी पाकिस्तान टीम, बाबर, रिजवान सहित चार अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

लाहौर। युवा बल्लेबाज साहिबजादा फरहान की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम आगामी एशियाई खेलों में उतरेगी। एशियाई खेल जापान के आइची प्रांत और नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाएंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इन खेलों के लिए अपनी जो 15 सदस्यी टीम घोषित की है। उसमें कई अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है। टीम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी और कप्तान सलमान अली आगा को शामिल नहीं किया गया है। इस प्रकार देखा जाये तो टीम में अधिकतर नये खिलाड़ी है। इसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल है। चार खिलाड़ियों ने तो अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण तक नहीं किया है। फरहान को टी20 विश्व कप 2026 में अच्छे प्रदर्शन के कारण कप्तानी दी गयी है।

आमिर खान की तीसरी पत्नी बनने जा रही हैं गौरी स्प्रैट

एक्टर आमिर खान तीसरी बार शादी करने जा रहे हैं, यह बात अब किसी से छिपी नहीं है। वह अपनी लॉन्गटाइम गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंधेंगे। जैसे ही आमिर ने अपनी शादी की खबर कन्फर्म की, फैंस के मन में यह जानने की उत्सुकता बढ़ गई कि आखिर गौरी कौन है और उनकी लव स्टोरी कैसे शुरू हुई।

कौन हैं गौरी स्प्रैट

गौरी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी मां तमिलियन हैं और पिता आयरिश हैं। उनके दादा एक स्वतंत्रता सेनानी थे। गौरी का प्रोफेशनल बैकग्राउंड हेयरड्रेसिंग में है और उन्होंने लंदन के यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स से फैशन, स्टाइलिंग और फोटोग्राफी में एफडीए किया है। गौरी एक 6 साल के बेटे की मां भी हैं। उनके पहले पति के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। फिलहाल वह आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस 'आमिर खान फिल्म्स' में काम कर रही हैं।

कैसे शुरू हुई आमिर और गौरी की लव-स्टोरी

आमिर खान ने साल 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी को सभी से मिलवाया था। उस समय मुंबई में मीडिया के साथ एक प्राइवेट गेट-टुगेदर में उन्होंने अपने रिश्ते को कन्फर्म किया था। आमिर ने बताया था कि दोनों एक-दूसरे को 25 साल से जानते हैं और करीब डेढ़ साल पहले फिर से कनेक्ट हुए। उन्होंने कहा था, 'हम अचानक मिले, फिर संपर्क में रहे और सब कुछ अपने आप आगे बढ़ता गया।' आमिर ने यह भी बताया कि गौरी ने उनकी बहुत कम फिल्में देखी हैं, जिनमें 'लगान' और 'दंगल' शामिल हैं। आमिर ने कहा, 'वह अभी भी बॉलीवुड की इस दुनिया को समझने की कोशिश कर रही हैं।'

इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' की शूटिंग हुई पूरी

विशेष फिल्म्स ने अपनी अगली फिल्म 'आवारापन 2' की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की है। यह फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई 'आवारापन' का सीक्वल है। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है, जबकि इसका निर्माण विशेष भट्ट ने किया है। फिल्म की शूटिंग राजस्थान और दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न स्थानों पर की गई है। मेकर्स के अनुसार...'यह फिल्म 14 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम के किरदार में नजर आएंगे। उन्होंने यह भूमिका पहली बार लगभग दो दशक पहले 'आवारापन' में निभाई थी।
वहीं, दिशा पाटनी पहली बार विशेष फिल्म्स के साथ काम कर रही हैं और इस फिल्म का हिस्सा बनी हैं।' फिल्म की स्क्रिप्ट बिलाल सिद्दीकी ने लिखी है। निर्माण की जिम्मेदारी विशेष फिल्म्स के बैनर तले विशेष भट्ट ने संभाली है। बता दें कि 'आवारापन' का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था। पहली फिल्म में इमरान के साथ श्रिया सरन, मृणालिनी शर्मा, आशुतोष राणा, आशीष विद्यार्थी, शाद रंधावा और पूरब कोहली जैसे कलाकार नजर आए थे।

मैं चुप नहीं बैठूंगी और न्याय के लिए लड़ती रहूंगी

अभिनेत्री सेलिना जेटली एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पति पीटर हाग से तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब उन्होंने अपने पति और ससुर की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिसों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी है। सेलिना ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा बयान जारी करते हुए कहा कि वह किसी भी तरह की कानूनी धमकी या दबाव के आगे झुकने वाली नहीं हैं। वह अपने बच्चों, अपने अधिकारों और न्याय के लिए यह लड़ाई जारी रखेंगी। शुक्रवार को सेलिना जेटली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया। उन्होंने उन कानूनी नोटिसों का जवाब दिया, जो हाल ही में उनके पति पीटर हाग और उनके ससुर वोल्फगैंग हाग की ओर से भेजे गए हैं। नोटिस में अभिनेत्री पर मानहानि करने का आरोप लगाया गया है और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है, हालांकि सेलिना ने बताया कि उन्होंने अपने लीगल रिप्रजेंटेटिव के जरिए इन नोटिसों का जवाब दे दिया है। अभिनेत्री ने कहा, ''कई साल तक हमारे परिवार से जुड़ी पब्लिसिटी को बढ़ावा दिया जाता रहा, जिसमें मैगजीन कवर, इंटरव्यू और परिवार से जुड़े कई आर्टिकल्स में शामिल होते रहे हैं, लेकिन अब जब मैंने अपनी निजी परेशानियों, कानूनी संघर्ष और एक मां के रूप में अपनी चिंताओं के बारे में बात करनी शुरू की, तो मुझे जवाब देने के बजाय कानूनी नोटिस भेजे गए। ये बच्चे मेरे भी हैं, मैं उनकी मां हूं और मैं उनके लिए यह लड़ाई जारी रखूंगी।'' सेलिना जेटली ने आगे कहा, ''मैं हमेशा से ज्वाइंट कस्टडी और आपसी सहमति से तलाक के पक्ष में रही हूं। मैंने कई बार शांतिपूर्ण समाधान की कोशिश की, लेकिन कोर्ट के ऑर्डर होने के बावजूद मैं अपने बच्चों से बात नहीं कर पा रही हूं। लगातार मुझे अपने बच्चों से दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।'' अपने बयान में सेलिना ने बच्चों को लेकर अपनी चिंता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मुझे डर है कि बच्चों को उनकी जानकारी और सहमति के बिना ऑस्ट्रिया और भारत की अदालतों के अधिकार क्षेत्र से बाहर ले जाया जा सकता है। एक मां होने के नाते यह मेरा अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है कि मैं ऐसी चिंताओं को पब्लिकली उठाऊं और अपने बच्चों के हितों की रक्षा करूं।'' इससे पहले पीटर हेग और उनके पिता की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिसों में कहा गया था कि इस मामले में सार्वजनिक रूप पर लगाए गए आरोप उनकी छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसका असर बच्चों पर पड़ सकता है। हालांकि सेलिना जेटली का कहना है कि ऐसा करके उन्हें बदनाम करने, डराने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है।

डार्क किरदार पर बोलीं ईशा सिंह

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री ईशा सिंह आगामी फिल्म 'ऑब्सेस' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। डार्क और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में डार्क किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि एक एक्टर को पता होना चाहिए कि कब किरदार में रहना है और कब उससे बाहर निकलना है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया, 'एक एक्टर के तौर पर आपको यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कैमरे के सामने कब किरदार में आना है (ऑन होना) और शॉट खत्म होने पर कब उससे बाहर निकलना है (ऑफ होना)। हां, यह सच है कि कुछ किरदार निभाते समय आप बहुत गहराई में चले जाते हैं लेकिन किस्मत से हमारी फिल्म के सेट का माहौल बहुत ही सकारात्मक और मददगार था। आसपास के लोग लगातार मेरा ख्याल रख रहे थे, जिसकी वजह से यह किरदार मुझ पर भावनात्मक रूप से भारी नहीं पड़ा।'

आज के समय में बढ़ते टॉक्सिक अटैचमेंट और जुनूनी व्यवहार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि सोशल मीडिया आने से पहले भी समाज में इस तरह के जुनूनी लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'फर्क बस इतना है कि अब सब कुछ बहुत जल्दी दिखाई देने लगता है क्योंकि हर किसी के पास फोन है और जानकारी तुरंत फैल जाती है। सोशल मीडिया के पॉजिटिव और नेगेटिव, दोनों पहलू हैं। 'ऑब्सेस' के बारे में मुझे जो बात सबसे ज्यादा पसंद आई, वह यह है कि इसकी कहानी में कई भावनात्मक परतें हैं। जब दर्शक यह फिल्म देखेंगे, तो वे समझ जाएंगे कि इन विषयों को कितनी गहराई से दिखाया गया है।'

अपनी बात को रखते हुए अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक पीटर की बात को याद करते हुए कहा, 'पीटर सर ने एक बार कहा था, हर इंसान के अंदर एक फरिश्ता और एक शैतान, दोनों होते हैं। इनमें से कौन सा पहलू कितना बाहर आता है, यह पूरी तरह से उस इंसान पर निर्भर करता है।' अभिनेत्री ने किरदार के भावनात्मक बोझ से पूरी तरह मुक्त होने को जरूरी बताते हुए बताया कि काम के दौरान आप मानसिक रूप से उसी दुनिया में रहते हैं। कुछ दिन बहुत भारी होते हैं, तो कुछ अच्छे, लेकिन काम खत्म होते ही उस काल्पनिक दुनिया से बाहर निकलना एक कलाकार के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

ट्रोल्स और आलोचनाओं को हैंडल करना सीख गई हूं

एक्ट्रेस रकुल प्रीत के पति जैकी भगनानी तब हाल ही सोशल मीडिया पर निशाने पर आ गए जब उन्होंने मजाक में पत्नी और रकुल की शादी को सिचुएशनशिप का नाम दे दिया। रकुल ने कहा- वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए और वो भी आधार से लिंक, ताकि सोशल मीडिया पर कोई भी मनमानी न कर सके। बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस रकुल प्रीत और उनके मेकर-एक्टर पति हाल ही में उस वक्त ट्रोल्स के निशाने पर आ गए जब जैकी भगनानी ने अपने एक इंटरव्यू में मजाक-मजाक में अपनी और रकुल की शादी को सिचुएशनशिप का नाम दे दिया। उसके बाद तो लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कमेंट्स करने लगे। उसके कुछ समय बाद ही रकुल ने सोशल मीडिया पर मजाकिया लहजे में एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें वे हंसते हुए जैकी को डांटती दिख रही थीं और जैकी उनसे कान पकड़ कर माफी मांगते नजर आए। यह पहली बार नहीं था, जब रकुल ट्रोलिंग का शिकार हुईं। इससे पहले भी कई बार उन्हें इस तरह के हालात का सामना करना पड़ा है।

आप हर किसी को खुश नहीं कर सकते

अब इंडस्ट्री में 16-17 साल बिताने के बाद वे ट्रोल्स और आलोचनाओं को हैंडल करना सीख गई हैं। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग को लेकर रकुल कहती हैं, 'मेरा मानना है कि हम जैसा कोई आर्टिस्ट हो या फिर आम इंसान, आपको सोशल मीडिया के शोर से बचने का हुनर सीखना होता है। अगर आप वो नहीं करेंगे, तो अपना काम कभी भी सही तरीके से नहीं कर पाएंगे। देखिए, मुझे लगता है कि कलाकार को अपने काम पर ध्यान देना चाहिए और ट्रोल्स को नजरअंदाज करना चाहिए। वरना आपकी मानसिक स्थिति पर फर्क पड़ सकता है। सोशल मीडिया का क्या है, न कि कभी किसी को आपकी शक्ल पसंद नहीं आएगी, तो कभी कोई आपके कपड़ों पर कॉमेंट कर देगा। हो सकता है कभी किसी को आपकी फिल्म न जंचे, तो आप सभी को खुश नहीं कर सकते।

एक मुंज्या के चलने, उसके 100 करोड़ कमाने की वजह से बहुत सारे दरवाजे खुले

हॉरर कॉमिडी फिल्म मुंज्या से लोगों के दिलों में बस चुकी शर्वरी वाघ ने कहा- शुरुआती दौर में बॉक्स ऑफिस उतना मायने नहीं रखता, लेकिन एक बड़ी सफलता कई और दरवाजे जरूर खोल देती है। उन्होंने आलिया भट्ट को लेकर भी बातें कीं। हॉरर कॉमिडी फिल्म मुंज्या की अप्रत्याशित सफलता के बाद ऐक्ट्रेस शर्वरी वाघ के सितारे इन दिनों काफी बुलंद हैं। एक ओर वह अली अब्बास जफर की अहान पांडे स्टारर और आलिया भट्ट के साथ अल्फा जैसी बड़ी फिल्में कर रही हैं, वहीं जल्द ही इम्तियाज अली की पीरियड रोमांस फिल्म मैं वापस आऊंगा में भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, इससे पहले शर्वरी ने अपनी बहुचर्चित डेब्यू फिल्म बंटी और बबली 2 की असफलता भी देखी। ऐसे में, सफलता और असफलता को लेकर शर्वरी का कहना है कि करियर के शुरुआती दौर में बॉक्स ऑफिस उतना मायने नहीं रखता, लेकिन एक बड़ी सफलता कई और दरवाजे जरूर खोल देती है।

फिल्म चलती है तो मौके बढ़ते हैं

बकौल शर्वरी, 'हमारा मकसद तो हर फिल्म को लेकर एक ही होता है। हम हर फिल्म उतने ही दिल से, उसी जुनून से करते हैं। मेरी कोशिश हर फिल्म में यही होती है कि हर किरदार को पूरी ईमानदारी से कर पाऊं। मेरा मानना है कि बॉक्स ऑफिस इतने शुरुआत में इतना मायने नहीं रखता है, लेकिन यह जरूर होता है कि एक मुंज्या के चलने, उसके सौ करोड़ कमाने की वजह से बहुत सारे दरवाजे खुल जाते हैं। वह जरूर होता है और आप उस मौके को जितनी जल्दी पकड़ सकें, अपनी कड़ी मेहनत से उसका लाभ उठा सकें और बेहतर काम कर सकें तो अच्छा है और यही मैंने किया।'

शिद्दत वाले प्यार का अहसास नहीं बदलता

शर्वरी की नई फिल्म 1947 के बंटवारे के पहले की लव स्टोरी सुनाती है। ऐसे में, तब और अब के प्यार में आए बदलावों पर शर्वरी का कहना है, 'प्यार तो प्यार ही होता है, चाहे वो उस जमाने का हो, आज का हो, या फिर आने वाले कल का है। दो लोगों के बीच जो प्यार होता है वो बहुत ही अनमोल होता है। हां, आज शायद प्यार की भाषा थोड़ी अलग है, मगर जब दो दिल मिलते हैं तो फीलिंग एक सी ही होती है, क्योंकि प्यार तो यूनिवर्सल होता है। हालांकि, मैं यह जरूर मानती हूं कि आज प्यार आसान हो गया है। दो लोगों का मिलना आसान हो गया है, आपस में बात करना आसान हो गया है तो ऐसा लगता है कि अरे, आजकल सब कितना आसान है लेकिन जब फीलिंग सेम होती है और अगर आप किसी से शिद्दत से प्यार करते हैं तो उससे एक बार मिलो या सौ बार मिलो, वो फीलिंग तो वही रहेगी।'
मैं यह जरूर मानती हूं कि आज प्यार आसान हो गया है। दो लोगों का मिलना आसान हो गया है, आपस में बात करना आसान हो गया है तो ऐसा लगता है कि अरे, आजकल सब कितना आसान है लेकिन जब फीलिंग सेम होती है और अगर आप किसी से शिद्दत से प्यार करते हैं तो उससे एक बार मिलो या सौ बार मिलो, वो फीलिंग तो वही रहेगी।

सौ साल पुराने घर में मिलता है सुकून

वहीं, वह जगह जहां शर्वरी को बार-बार लौटने का मन करता है, यह पूछने पर उन्होंने बताया, 'मेरे लिए वह जगह मेरा पैतृक घर है। हमारे गांव मोरगांव में हमारा एक घर है। वह घर 100 साल पुराना है। हम मराठी में उसे वाड़ा कहते हैं। हम अब भी हर साल गणपति में वहां जाते ही हैं। वो मेरी सबसे पसंदीदा जगह है। वहां जाकर मुझे अलग ही सुकून मिलता है। वहां मेरे दादा-परदादा सबकी फोटो लगी है, उनके कॉलेज की डिग्री लगी है। कई बार मेरा मन करता है कि अगर मैं पुराने वक्त में जा पाऊं तो मैं देखना चाहूंगी कि पहले वो घर कैसा था? उसे कैसे सजाते थे? क्योंकि वहां पर ऐसी कई चीजें हैं, जहां शायद झूला लग सकता था या बेड भी लग सकता था तो मेरा मन करता है कि काश मैं वो सब देख पाती।'

खुद की नहीं, फिल्म की सोचती हैं आलिया

शर्वरी इन दिनों आलिया भट्ट के साथ वाली ऐक्शन थ्रिलर फिल्म अल्फा को लेकर चर्चा में हैं। आलिया के साथ काम करने अनुभव पर शर्वरी ने कहा, 'आलिया फिल्म की एक सहयोगी, एक दोस्त की तरह काम करती हैं। यह उनकी सबसे बेहतरीन क्वॉलिटी है कि वह सबको साथ लेकर चलती हैं। वह फिल्म की बेहतरी के लिए काम करती हैं, न कि अपनी बेहतरी के लिए, यह उनकी सबसे बड़ी खासियत है।'

संक्षिप्त समाचार

शांति वार्ता के बीच बंदूकधारियों का हमला, नाइजीरिया में 39 लोगों का अपहरण

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में शांति वार्ता के दौरान सशस्त्र हमलावरों ने 39 लोगों का अपहरण कर लिया। पुलिस प्रवक्ता याजीद अबूबकर के अनुसार, कुल 47 ग्रामीण एक कुख्यात अपहरण गिरोह के सरगना के माता-पिता से सुलह और शांति वार्ता के लिए मिले थे। इसी दौरान गिरोह का सरगना अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और अधिकांश लोगों को अगवा कर ले गया। यह सामूहिक अपहरण रविवार को मगामिन डिड्डी समुदाय में हुआ, जो मरादून क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उत्तरी नाइजीरिया के कई इलाकों में लगातार हो रहे हमलों और कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के कारण स्थानीय समुदाय अक्सर सशस्त्र गिरोहों के साथ सीधे बातचीत और समझौते का रास्ता अपनाते हैं। लोगों का मानना है कि सेना उन्हें पर्याप्त सुरक्षा देने में विफल रही है। नाइजीरिया इस समय गंभीर सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है। खासकर देश के उत्तरी हिस्सों में एक दशक से अधिक समय से जारी उग्रवाद, फिरौती के लिए अपहरण करने वाले सशस्त्र गिरोहों और अवैध खनन गतिविधियों ने हालात को और जटिल बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पूर्वोत्तर नाइजीरिया में जारी विद्रोह और हिंसा के कारण हजारों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

क्यूबा के पास 6.1 तीव्रता का भूकंप; फ्लोरिडा और मेक्सिको तक झटके महसूस हुए

मंटूआ, एजेंसी। क्यूबा के उत्तर-पश्चिमी तट के पास सोमवार को 6.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र पश्चिमी क्यूबा के मंटूआ शहर से करीब 104 किलोमीटर दूर समुद्र में था। इसकी गहराई लगभग 26 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप के झटकों से क्यूबा के कई इलाकों में इमारतें हिल गईं और लोग घरों व दफ्तरों से बाहर निकल आए। राजधानी हवाना समेत कई शहरों में कंपन महसूस किया गया। झटकों का असर अमेरिका के फ्लोरिडा तक पहुंचा। मियामी, फोर्ट लॉडरडेल और ऑरलैंडो के आसपास के इलाकों में भी लोगों ने कंपन महसूस होने की जानकारी दी। एहतियात के तौर पर कुछ सरकारी कार्यालय खाली कराए गए। मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप, कैंकून, प्लाया डेल कारमेन और टुलुम में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि क्यूबा, अमेरिका और मेक्सिको में कहीं से भी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस इलाके में इतने शक्तिशाली भूकंप बेहद दुर्लभ हैं। 1880 के बाद पहली बार इतनी तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि अधिकारियों ने लोगों को आफ्टरशॉक की संभावना को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है।

ओमान तट के पास हमले का शिकार हुआ टैंकर था प्रतिबंधित

मस्कट, एजेंसी। सोमवार को ओमान तट के पास हमले के बाद आग की चपेट में आए पलाऊ-ध्वज वाला तेल टैंकर एमटी मारिवेक्स पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया था। इस जहाज पर हुए हमले के बाद जहाज पर सवार सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों ने अहम भूमिका निभाई। एमटी मारिवेक्स पर अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई के बाद आग लग गई थी। यह पोत अमेरिकी वित्त मंत्रालय की एजेंसी ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) द्वारा प्रतिबंधित और ब्लैकलिस्टेड जहाजों की सूची में शामिल था। बताया गया है कि ओएफएसी उन जहाजों के खिलाफ कार्रवाई करता है जो ईरान और रूस के तेल व्यापार पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हैं। यह जहाज भारतीय स्वामित्व वाला नहीं है और हाल के दिनों में उसने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी निगरानी और नाकेबंदी को पार करने के चार प्रयास किए थे। तीन बार अमेरिकी नौसेना की चेतावनी के बाद जहाज को वापस लौटना पड़ा था। एक अधिकारी ने बताया, 'जहाज पर मौजूद सभी 24 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं।' उन्हें ओमानी अधिकारियों की मदद से बचा लिया गया है।

इजरायली मिसाइलों ने उड़ाया ईरान का पेट्रोकेमिकल प्लांट; हमले के बाद नेतन्याहू ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अप्रैल में हुए युद्धविराम के ठीक दो महीने बाद, 7 जून को ईरान और इजरायल के बीच सीधी सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू हो गई है। इजरायली वायुसेना ने सोमवार की सुबह ईरान के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण ठिकानों पर भीषण हमले किए हैं, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में युद्ध के बादल मंडराने लगे हैं। लेबनान में हिज्बुल्लाह पर इजरायली हमलों के जवाब में ईरान ने रविवार रात को इजरायल के कई इलाकों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

रूस ने पाकिस्तान के साथ कर लिया बड़ा समझौता, दोनों देश मिलकर करेंगे मुकाबला

बिश्केक, एजेंसी। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के गृह और सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रियों की अहम बैठक के दौरान पाकिस्तान और रूस के बीच एक बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देशों ने अवैध इमिग्रेशन और नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए एक साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है।

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी इस विशेष बैठक में हिस्सा लेने के लिए बिश्केक में मौजूद थे। इस दौरे पर उन्होंने रूस के अलावा कई अन्य सदस्य देशों के नेताओं से भी मुलाकात की, जिसमें अफगानिस्तान से पनप रहे 'आतंकवाद' का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

रूस के साथ समझौते की अहम बातें: पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के अनुसार, गृह मंत्री मोहसिन नकवी और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर कोलोकोल्त्सेव के बीच जिन समझौतों पर मुहर लगी है, वे इस प्रकार हैं- अवैध नागरिकों का डिपोर्टेशन: पाकिस्तान के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, दोनों देश एक-दूसरे के यहां अवैध रूप से रह रहे नागरिकों की पहचान करने और उनकी वतन वापसी सुनिश्चित करने में एक-दूसरे की मदद करेंगे।

घुसपैठ पर लगाम: अवैध इमिग्रेशन को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाया जाएगा ताकि गैर-कानूनी तरीके से होने वाली आवाजाही को रोका जा सके। ड्रग्स तस्करी पर एक्शन: नशीले पदार्थों की हेराफेरी को जड़ से खत्म करने के लिए भी दोनों पक्षों के बीच एक अलग और महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इसके तहत ड्रग सिंडिकेट्स के खिलाफ साझा कार्रवाई की जाएगी।

अन्य देशों के साथ भी मजबूत हो रहे रिश्ते: एससीओ के मंच का फायदा उठाते हुए पाकिस्तानी गृह मंत्री ने उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और कजाकिस्तान के प्रतिनिधियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं।

उज्बेकिस्तान: उज्बेक गृह मंत्री अजीज ताशपुलातो के साथ लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों (कानून लागू करने वाली संस्थाओं) के बीच सहयोग और जॉइंट ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने पर चर्चा हुई। इसके लिए दोनों देशों के गृह मंत्रालयों के बीच एक 'वर्किंग ग्रुप' बनाने का भी फैसला लिया गया।

किर्गिस्तान: किर्गिस्तान के गृह मंत्री उलान नियाजबेकोव के साथ आपसी हितों वाले क्षेत्रों में सहयोग के विस्तार पर सहमति बनी। नकवी ने किर्गिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गैर-स्थायी सदस्य चुने जाने पर बधाई दी और एससीओ बैठक के शानदार इंतजामों के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

कजाकिस्तान: कजाख समकक्ष यर्झान सादेनोव के साथ अवैध इमिग्रेशन को रोकने के लिए द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और आपसी रिश्तों को मजबूत करने के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाने पर रजामंदी हुई। अफगानिस्तान में रूस का 'डबल गेम', तालिबान से बढ़ती दोस्ती और पाकिस्तान की बढ़ी टेंशन! दूसरी तरफ रूस और अफगानिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियों ने क्षेत्रीय कूटनीति में बड़ी हलचल पैदा कर दी है। कूटनीतिक मामलों की प्रतिष्ठित पत्रिका 'द डिप्लोमैट' की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, रूस अब अफगानिस्तान को लेकर एक बेहद सधी हुई दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है। मॉस्को और तालिबान के बीच तेजी से गहरे होते संबंध इस बात का साफ इशारा हैं कि अफगानिस्तान की विदेश नीति में बड़े बदलाव आ रहे हैं और इस पूरे खेल में सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तान को उठाना पड़ रहा है।

रूस की दोहरी रणनीति क्या है: रिपोर्ट के मुताबिक, रूस अफगानिस्तान के मामले में एक साथ दो अलग-अलग मोर्चों पर काम कर रहा है।

आतंकवाद पर सार्वजनिक रुख: रूस एक तरफ सार्वजनिक मंचों पर अफगानिस्तान से पनपने वाले आतंकवाद के मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य मध्य एशिया के देशों में अपनी व्यापक सुरक्षा भूमिका और सैन्य दखल को सही ठहराना है। तालिबान के साथ सुरक्षा गठजोड़: वहीं दूसरी तरफ, रूस पर्दे के पीछे तालिबान के साथ अपने सुरक्षा संबंधों का लगातार विस्तार कर रहा है। मॉस्को का लक्ष्य तालिबान के साथ इस रणनीतिक गठजोड़ के जरिए मध्य एशिया में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने के लिए एक ठोस जमीनी हथियार तैयार करना है।

पाकिस्तान के लिए सिकुड़ती जा रही है जमीन: रूस और तालिबान के बीच इस नए समीकरण ने पाकिस्तान के रणनीतिक दांव-पेंच को बुरी तरह उलझा दिया है। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि पाकिस्तान के लिए अब अफगानिस्तान में पैंतरेबाजी की गुंजाइश लगातार खत्म होती जा रही है। रूस के साथ नए समझौते और संबंध स्थापित होने के बाद, अफगानिस्तान (काबुल) अब इस स्थिति का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ एक 'लेवरेज' या कूटनीतिक हथियार के तौर पर कर रहा है। पहले जो पाकिस्तान अफगानिस्तान के मामलों में एक 'रिंगमास्टर' की भूमिका में खुद को देखता था, अब रूस की सीधी एंट्री और तालिबान की स्वतंत्र विदेश नीति के कारण उसका प्रभाव तेजी से घट रहा है।

जर्मनी-फ्रांस ने 100 अरब यूरो की संयुक्त फाइटर जेट परियोजना छोड़ी

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी और फ्रांस ने नई पीढ़ी के लड़ाकू विमान के संयुक्त विकास की महत्वाकांक्षी फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) परियोजना के मुख्य हिस्से को समाप्त करने पर सहमति बनाई है। एयरबस और दसॉ एविएशन के बीच लंबे समय से जारी तकनीकी और व्यावसायिक विवादों का समाधान नहीं निकलने के बाद दोनों देशों ने यह फैसला लिया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले सप्ताह मोंटेनेग्रो में आयोजित ईयू-वेस्टर्न बाल्कन्स समिट के दौरान परियोजना पर चर्चा की। जर्मन अधिकारियों के अनुसार, दोनों नेताओं ने माना कि परियोजना में शामिल कंपनियों के बीच जारी गतिरोध समाप्त होने की संभावना नहीं है। इसके बाद मर्ज ने मैक्रों को संयुक्त फाइटर जेट निर्माण योजना आगे नहीं बढ़ाने की सलाह दी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि एयरबस और दसॉ एविएशन के बीच समझौता नहीं हो पाने पर दोनों नेताओं ने खेद जताया। विवाद का केंद्र विकास चरण पर नियंत्रण, बौद्धिक संपदा अधिकार और विमान की तकनीकी आवश्यकताओं को लेकर था। करीब 100 अरब यूरो की इस परियोजना की शुरुआत 2017 में मैक्रों और तत्कालीन जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने की थी। बाद में स्पेन भी इसमें शामिल हुआ। परियोजना के तहत एक छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान, ड्रोन नेटवर्क और सुरक्षित 'कॉम्बैट क्लाउड'

प्रणाली विकसित की जानी थी। सूत्रों के मुताबिक, मुख्य फाइटर जेट कार्यक्रम भले बंद हो जाए, लेकिन 'कॉम्बैट क्लाउड' जैसे कुछ तकनीकी सिस्टम एफसीएएस नाम के तहत आगे बढ़ाए जा सकते हैं। एफसीएएस को यूरोप की सबसे महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजनाओं में गिना जा रहा था। इस मुद्दे पर बोलते हुए जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा, 'सैन्य विमानों के निर्माण की विशेषज्ञता जर्मनी में पहले से ही मौजूद है। जर्मन उद्योग अब अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकता है और उसे करना भी चाहिए।' वहीं, जर्मनी की ग्रीन पार्टी की सह-नेता फ्रांजिस्का ब्रांटनर ने इसे महाद्वीप की रक्षा नीति के लिए एक गंभीर झटका बताया। जर्मनी और फ्रांस ने अपनी महत्वाकांक्षी संयुक्त लड़ाकू जेट परियोजना को जारी रखने के बजाय, अब 'कॉम्बैट क्लाउड' प्रणाली पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई है। इस प्रणाली का उद्देश्य विमानों, ड्रोनों और सेंसरों को आपस में जोड़कर युद्ध क्षमताओं को बढ़ाना है। दोनों देशों के रक्षा अधिकारियों के मध्य जुलाई में मिलने और छोटे पैमाने की परियोजनाओं के माध्यम से सहयोग को फिर से स्थापित करने की उम्मीद है।

दुबई में भीषण सड़क हादसा, अचानक रुके ट्रक में टक्कर से बस के उड़े परखच्चे, 7 भारतीयों की मौत से मचा हाहाकार!

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई शहर में सोमवार को सड़क के बीच अचानक एक ट्रक रुक जाने से पीछे आ रही मिनीबस उससे टकरा गई। इस दुर्घटना में कई भारतीय कामगारों की जान चली गई। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दुबई में हुई इस दुखद सड़क दुर्घटना से हम बेहद व्यथित हैं, जिसमें कई भारतीय कामगारों की मौत हुई है। भारतीय दूतावास ने कहा कि वह हरसंभव सहायता और सहयोग प्रदान करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। दुबई पुलिस के यातायात विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि तकनीकी खराबी के कारण ट्रक अचानक सड़क के बीच में रुक गया था। उन्होंने कहा कि बस चालक ने कथित तौर पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया और सुरक्षित दूरी भी नहीं रखी, जिसके कारण बस ट्रक से पीछे से टकरा गई। ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार तकनीकी खराबी के चलते ट्रक अमीरात रोड के बीचोंबीच अचानक रुक गया था। उन्होंने बयान में कहा, 'बस चालक ने कथित तौर पर ध्यान नहीं दिया और सुरक्षित दूरी बनाए नहीं रखी, जिसके चलते उसने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी।' उन्होंने आगे बताया कि इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में पांच की हालत गंभीर और चार की स्थिति मध्यम बताई गई है। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने अस्पताल जाकर घायल भारतीयों से मुलाकात की। दूतावास ने कहा कि इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ब्रिगेडियर जुमा सलेम ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए यातायात दुर्घटना जांच अनुभाग के विशेषज्ञों को घटनास्थल पर भेजा गया है, ताकि वे निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर सकें।

रावलकोट में पाकिस्तानी रेंजर्स और प्रदर्शनकारियों में झड़प, गोलीबारी में 11 की मौत

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक बार फिर से भारी अशांति और भयानक हिंसा की चपेट में आ गया है। यहां सक्रिय नागरिक संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर कड़े प्रतिबंध के बाद हालात बहुत ज्यादा बिगड़ गए हैं। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई भयंकर झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई है। इस खौफनाक हिंसा में 70 से अधिक लोग बुरी तरह से घायल भी बताए जा रहे हैं। यह भारी हिंसा ऐसे समय में भड़की है जब पूरे क्षेत्र में 9 जून को पूर्ण बंद का बड़ा आह्वान किया गया था। रॉयटर्स के अनुसार हालात तब बिगड़े जब समर्थक एक अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए। वहां संगठन के एक कार्यकर्ता का शव रखा गया था जिसकी पहले हुई गोलीबारी में मौत हो गई थी। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने कड़ी कार्रवाई की जिससे बवाल बढ़ गया।

पुलिस और सुरक्षाबलों की कार्रवाई: पुंछ सेक्टर के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने बताया कि इस खौफनाक हिंसा के दौरान कई जानें गई हैं। कुछ उपद्रवियों ने सीधे सुरक्षा बलों पर अपनी गोलीबारी शुरू कर दी थी जिसके बाद यह भयानक जवाबी कार्रवाई हुई। पुलिस प्रमुख लियाकत मलिक ने साफ बताया कि 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी बुरी तरह से घायल हुए हैं। हिंसा को रोकने के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया है।

इस ताजा और उग्र आंदोलन की सबसे बड़ी वजह विधानसभा में 12 आरक्षित सीटों को लेकर लिया गया फैसला है। 45 सदस्यीय विधानसभा में ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं जो अन्य हिस्सों में रहते हैं। स्थानीय संगठनों का आरोप है कि इस नई व्यवस्था से उनका अपना राजनीतिक प्रतिनिधित्व काफी ज्यादा कमजोर होगा। उनका यह भी कहना है कि क्षेत्र के फैसलों पर सिर्फ स्थानीय लोगों का ही अधिकार होना चाहिए।

मानवाधिकार आयोग ने जताई गहरी चिंता: पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने इस पूरे खौफनाक घटनाक्रम पर अपनी बहुत ही गंभीर चिंता सार्वजनिक की है। आयोग ने कहा कि वह रावलकोट की भयंकर हिंसा और समिति पर लगाए गए प्रतिबंध से बेहद चिंतित है। एक सामाजिक आंदोलन को आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित करना किसी भी तरह से सही नहीं है। आयोग ने केंद्र और क्षेत्रीय सरकारों से बातचीत शुरू करने और तनाव को कम करने की सीधी अपील की है। बढ़ते बवाल के बीच नेताओं ने साफ कर दिया है कि प्रतिबंध के बावजूद उनका यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा। इस पूरे अशांत इलाके में आगामी 27 जुलाई को बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और कई इलाकों में मोबाइल डेटा सर्विस पूरी तरह रोक दी है। बढ़ती हिंसा के कारण बड़ी सभाओं पर भी बैन लगा दिया गया है जिससे तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

इस भयंकर तनाव को देखते हुए ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे बड़े देशों ने ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है। इन सभी देशों ने चेतावनी दी है कि इलाके में भारी सड़क जाम और संचार सेवाओं में काफी बाधा आ सकती है।

यूएफसी का व्हाइट हाउस में डेब्यू, ट्रंप के नेतृत्व में सजेगा फ्रीडम 250 का मंच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में अपना पहला इवेंट आयोजित करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, अमेरिकी विदेश विभाग (स्टेट डिपार्टमेंट) द्वारा मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की इस दिग्गज कंपनी के साथ स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी साझेदारी शुरू करने का फैसला यह दिखाता है कि यह संगठन खेल, संस्कृति और राजनीति के क्षेत्र में कितनी बड़ी ताकत बन गया है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो, यूएफसी के प्रेसिडेंट और सीईओ डाना व्हाइट के साथ 11 जून को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। यह कार्यक्रम अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न के तहत 14 जून को व्हाइट हाउस में होने वाले 'यूएफसी फ्रीडम 250' से कुछ दिन पहले आयोजित होगा। इसे व्हाइट हाउस में आयोजित होने वाला पहला यूएफसी फाइट कार्ड बताया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, इस ऐतिहासिक फाइट नाइट में इलिया टोपुरिया और जस्टिन गेथजे के बीच चैंपियनशिप का मुख्य मुकाबला होगा, जबकि व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में होने वाले को-मेन इवेंट में एलेक्स परेरा का सामना सिरिल गेन से होगा। यूएफसी की प्रचार सामग्री में इस कार्यक्रम को अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न के दौरान आयोजित होने वाला विशेष आयोजन बताया गया है। व्हाइट हाउस में होने वाला यह कार्यक्रम उस खेल के लिए एक यादगार पल माना जा रहा है, जिसे कभी अपनी पहचान और मान्यता पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। 1993 में शुरू हुए यूएफसी ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को एक ऐसे खेल से, जिसे आलोचक कभी मामूली और हिंसक 'ब्लडस्पोर्ट' (खून-खराबे वाला खेल) कहकर खारिज कर देते थे, बदलकर एक वैश्विक खेल और मनोरंजन कारोबार में तब्दील कर दिया है। आज यूएफसी का मालिकाना हक टीकेओ ग्रुप होल्डिंग्स के पास है, जो वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) की भी मालिक कंपनी है और जिसने हाल ही में पैरामाउंट के साथ सात वर्षों के लिए 7.7 बिलियन डॉलर का अमेरिकी मीडिया अधिकार समझौता किया है। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और उनके कई राजनीतिक सहयोगियों के लिए यूएफसी केवल एक खेल संगठन नहीं है। यह युवा पुरुष मतदाताओं जैसे अहम राजनीतिक वर्ग के लिए प्रमुख सांस्कृतिक मंचों में से एक बनकर उभरा है। हाल के यूएफसी कार्यक्रमों में ट्रंप को एलन मस्क, रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर, तुलसी गैबार्ड, मार्को रुबियो, विवेक रामास्वामी और अन्य प्रमुख सहयोगियों के साथ देखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में उद्धृत इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, यूएफसी के लगभग तीन-चौथाई प्रशंसक पुरुष हैं, जिनमें से अधिकांश की उम्र 18 से 44 वर्ष के बीच है। यह वही वर्ग है जिसने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डाना व्हाइट, जिनकी ट्रंप के साथ दशकों पुरानी दोस्ती है, ने कहा कि व्हाइट हाउस कार्यक्रम का मकसद देश की इस खास सालगिरह का जश्न मनाना है। व्हाइट ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर' से कहा, 'यह इतिहास के सबसे शानदार और ऐतिहासिक स्पोर्ट्स इवेंट्स में से एक होगा, और व्हाइट हाउस में प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा इसकी मेजबानी करना अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न को लेकर उनके विजन का सबूत है।' व्हाइट ने कहा, 'असल में यह लड़ाई किस बारे में है और हम इसे व्हाइट हाउस में क्यों कर रहे हैं, इसकी वजह यह है कि यह अमेरिका का 250वां जन्मदिन है। रात की पहली लड़ाई से लेकर मुख्य मुकाबले तक, हम अमेरिका की कहानी बताएंगे।'

ओमान के पास एमटी मैरीवेक्स जहाज में लगी भयंकर आग, सभी 24 भारतीय क्रू सुरक्षित

मस्कट, एजेंसी। मस्कट में भारतीय दूतावास ने एमटी मैरीवेक्स पर सवार सभी 24 भारतीय क्रू सदस्यों को पूरी तरह सुरक्षित बचाए जाने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। यह भयानक आग लगने की घटना होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिण में सोमवार को घटी थी जिसके बाद चारों तरफ भारी अफरा-तफरी मच गई थी। दूतावास ने इस त्वरित और बेहद सफल रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए ओमान के अधिकारियों का विशेष रूप से बहुत धन्यवाद किया है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वे ओमानी अधिकारियों की तेज प्रतिक्रिया और क्रू को बचाने के लिए काफी शुक्रगुजार हैं।

इस गंभीर घटना के तुरंत बाद भारत सरकार और संबंधित मंत्रालय भी पूरी तरह से हरकत में आ गए और लगातार मामले पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने स्पष्ट बताया कि सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार अभी तक प्राप्त हुई शुरुआती जानकारी के आधार पर एमटी मैरीवेक्स के सभी भारतीय क्रू मेंबर्स बिल्कुल सुरक्षित हैं। शिपिंग विभाग के डायरेक्टर ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि जहाज पर किसी बाहरी प्रोजेक्टाइल के लगने की पक्की और सटीक जानकारी जुटाई जा रही है।

जहाज के मालिकों से लगातार संपर्क जारी: शिपिंग विभाग और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जहाज के मालिकों के साथ लगातार अपना संपर्क बनाए हुए हैं और पूरी सच्चाई जानने की कोशिश कर रहे हैं।

ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि वे इस पूरी घटना की गहराई तक जाने के लिए विदेश मंत्रालय और ओमान में भारतीय मिशन के साथ भी संपर्क में हैं। ओमान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर विस्तार से बताया कि मिशन इस जहाज से जुड़ी घटना की जांच कर रहा है जिसमें कई भारतीय क्रू सवार थे। वे नाविकों के उचित बचाव और पुख्ता सुरक्षा के लिए ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार अपने गहरे संपर्क में बने हुए हैं। शिपिंग मंत्रालय अपने सभी नाविकों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय और भारतीय नौसेना के साथ बहुत ही बेहतरीन तरीके से समन्वय कर रहा है। भारतीय मिशन भी इस पूरी बचाव प्रक्रिया में अपना महत्वपूर्ण और बेहद सक्रिय योगदान दे रहे हैं। जांच कर रहे अधिकारियों के अनुसार यह एमटी मैरीवेक्स जहाज होर्मुज स्ट्रेट से काफी बाहर था और दक्षिण की दिशा में अच्छी तरह से निकल गया था। इस आपसी बेहतर तालमेल और त्वरित प्रतिक्रिया के कारण ही सभी 24 भारतीय नाविकों को बिना किसी भी बड़े नुकसान के बचाना संभव हो पाया है।

नेतन्याहू से ट्रम्प बोले- संभलकर चलो, वरना अकेले पड़ जाओगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान पर बड़े हमले न करने की सलाह दी है। ट्रम्प को डर है कि अगर जंग बढ़ी तो अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौता खतरे में पड़ सकता है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बाद ट्रम्प ने नेतन्याहू से फोन पर बात की। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने उनसे कहा, 'बीबी, संभलकर चलो, नहीं तो बहुत जल्द तुम अकेले पड़ जाओगे।'

ट्रम्प की चिंता है कि इजराइल के हमले अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को पटरी से उतार सकते हैं। उनका मानना है कि दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। तनाव तब बढ़ा जब इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं। बाद में इजराइल ने भी ईरान के अंदर सीमित हमले किए।

ईरान-इजराइल में 2 महीने बाद फिर जंग: अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद ईरान ने इजराइल पर 30 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। जवाब में इजराइल ने ईरान के सैन्य ठिकानों, एयर डिफेंस सिस्टम और पेट्रोकेमिकल प्लांट पर हमले किए।

भारत ने नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दी: बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर भारतीयों से ईरान की यात्रा टालने और वहां मौजूद लोगों से जल्द देश छोड़ने को कहा।

हूती विद्रोहियों ने रेड सी में इजराइली जहाजों की नाकाबंदी का ऐलान किया: यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी। इससे वैश्विक समुद्री व्यापार और तेल सप्लाई पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। ईरान-इजराइल टकराव

से तेल 3% से ज्यादा महंगा: तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड 96.75 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 93.89 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। बाजार को होर्मुज स्ट्रेट में सप्लाई बाधित होने का डर है।

ट्रम्प-नेतन्याहू में मतभेद की खबरें: रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प ने नेतन्याहू से ईरान पर पलटवार न करने को कहा। अमेरिकी और इजराइली रुख में मतभेद की चर्चाएं तेज हुईं, जबकि ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ जो भी डील होगी, नेतन्याहू को माननी पड़ेगी।

होर्मुज के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश, दोनों पायलट सुरक्षित: होर्मुज स्ट्रेट के पास सोमवार को अमेरिकी सेना का एक एएच-64 अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार दोनों क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि दुर्घटना की वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि हेलिकॉप्टर ईरानी हमले का शिकार हुआ, किसी तकनीकी खराबी के कारण गिरा या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान से बचने की सलाह दी है। ट्रम्प ने कहा कि अगर इजराइल संघर्ष को और बढ़ाता है तो वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ सकता है। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच ट्रम्प ने नेतन्याहू से फोन पर बात की। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने नेतन्याहू से कहा, 'बीबी, सावधान रहो, नहीं तो बहुत जल्द तुम अकेले पड़ जाओगे।' रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प को चिंता है कि अगर दोनों देशों के बीच लड़ाई और बढ़ी तो अमेरिका-ईरान बातचीत प्रभावित हो सकती है और पूरा क्षेत्र बड़े युद्ध की चपेट में आ सकता है। तनाव तब बढ़ा जब इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह से जुड़े ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं।

2039 तक झारखंड में कोई वैकेंसी नहीं : मंत्री योगेंद्र प्रसाद

_रकफ को लेकर झामुमो का भाजपा पर हमला, बोला- वोटरों का नाम काटने की साजिश

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो टाउन हॉल में आयोजित झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रशिक्षण शिविर में राजनीतिक माहौल उस समय गरमा गया, जब राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (रकफ) के नाम पर भाजपा सही मतदाताओं के नाम भी वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश कर रही है और इसे एक राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है।मंत्री ने बीएलए-2 और बूथ लेवल कमेटी के सदस्यों को प्रशिक्षण देते हुए कहा कि भाजपा हर हाल में सत्ता हासिल करना चाहती है, लेकिन झामुमो इसके लिए पूरी तरह तैयार है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने मंच से बड़ा राजनीतिक दावा करते हुए कहा, झारखंड में 2039 तक कोई वैकेंसी नहीं है। भाजपा को किसी भी कीमत पर सत्ता में नहीं आने दिया जाएगा।

योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि भाजपा खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताती है, लेकिन झारखंड में उसकी स्थिति सबसे छोटी पार्टी जैसी हो गई है। उन्होंने कार्यकताओं से हर बूथ पर सतर्क रहने और मतदाताओं के नाम वोटर सूची में सुरक्षित रखने की अपील की।

वहीं, चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने विरोधी मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की रणनीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि झामुमो का उद्देश्य हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में बनाए रखना है।

कार्यक्रम में मौजूद झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने भी कार्यकताओं को चेताया कि वोटर लिस्ट में नाम बने रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर किसी का नाम मतदाता सूची से हटता है तो भविष्य में कई सरकारी सुविधाओं और योजनाओं से भी वंचित होने का खतरा पैदा हो सकता है।प्रशिक्षण शिविर में पार्टी नेताओं ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, मतदाताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने और रकफ प्रक्रिया पर नजर रखने का आह्वान किया।

पूरे कार्यक्रम में भाजपा और झामुमो के बीच राजनीतिक टकराव का मुद्दा केंद्र में रहा।

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की तकनीकी बाधाएं दूर करने हेतु एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी ने सौंपा ज्ञापन

कुमारधुबी- सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के क्रियान्वयन में आ रही तकनीकी व व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने के लिए एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी निरसा को एक ज्ञापन सौंपा। इसकी प्रतिलिपि धनबाद के उपायुक्त (ऊउ) और अपर समाहर्ता और बीडीओ एग्यारकुंड प्रखंड को भी भेजी गई है।

प्रखंड अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी ने बताया कि वर्तमान में चल रही गहन पुनरीक्षण जांच (रकफ) के दौरान दो मुख्य समस्याएं सामने आ रही हैं। पहली, पात्रता के लिए वोटर लिस्ट की बाध्यता है, जबकि कई योग्य किशोरियों का नाम उम्र होने के बावजूद तकनीकी कारणों से मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है। दूसरी, सर्वर की खराबी के कारण पोर्टल पर दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड नहीं हो पा रहे हैं। इसके चलते 18 से 19 वर्ष की सैकड़ों योग्य लड़कियां लाभ से वंचित हो रही हैं।

एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी ने प्रशासन से मांग किया कि आंगनबाड़ी सेविकाओं और महिला पर्यवेक्षिकाओं (र४स्त्री१५्र२ङ्क१२) के माध्यम से जमीनी स्तर पर भौतिक सत्यापन कराकर आवेदनों को स्वीकृत किया जाए, ताकि जटिलताओं के कारण कोई भी बेटी शिक्षा के संबल से महरुम न रहे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी के साथ धनबाद जिला कांग्रेस सचिव अर्जुन भुइयां,वरीय कांग्रेसी नुकुल मोदी, देव नारायण तांती,गौरी कुमार चैता,मनोज भुइया,श्याम सुंदर भारती, देवी लाल भुइंया,रवि भुइंया, सत्येन्द्र कुमार, मनोज रजक, रूस्तम पासवान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जनता की सुविधाओं और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करना हमारी प्राथमिकता : राजीव जायसवाल

(जिला संवाददाता डीके राठौर)

रामगढ़ छावनी क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या-6 में डीएमएफटी मद से स्वीकृत खेमलाल महतो के घर से भीम महतो के घर होते हुए चाइल्ड स्टार स्कूल तक बनने वाले पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि सह युवा नेता राजीव जायसवाल ने विधिवत रूप से किया। इस सड़क निर्माण कार्य के शुरू होने से क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए राजीव जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र के विकास और आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से विद्यार्थियों, महिलाओं और बुजुर्गों को इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा। साथ ही बरसात के दिनों में इस मार्ग पर होने वाली समस्याओं से भी लोगों को राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ धरातल पर उतारा जा रहा है। जनता का विश्वास और सहयोग ही विकास कार्यों की सबसे बड़ी ताकत है।

इस अवसर , विधायक प्रतिनिधि संजय साव, पंकज तिवारी, दयासागर प्रसाद सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि यह पीसीसी पथ क्षेत्र की लंबे समय से आवश्यकता थी। सड़क बनने से आवागमन सुगम होगा तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। लोगों ने उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य समय पर पूरा होने के बाद मोहल्ले के नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

टोरी-चंदवा आरओबी निर्माण में देरी पर माकपा-किसान लामबंद, 15 जून को पदयात्रा का ऐलान

अशीष कुमार वैद्य
रफ्तार मीडिया, लातेहार

टोरी-चंदवा रेल ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण में हो रही देरी के खिलाफ माकपा और किसानों ने मोर्चा खोल दिया है। आगामी 15 जून को आयोजित पदयात्रा को लेकर बुधवार को कामता पंचायत में सघन संपर्क अभियान चलाया गया। अभियान में माकपा के वरिष्ठ नेता अयुब खान, माईकल हंश, सनीका मुंडा, मुन्ना मुंडा समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए। नेताओं ने ग्रामीणों को बताया कि 2020-21 में टोरी-चंदवा फ्लाई ओवरब्रिज परियोजना को स्वीकृति मिली थी। दिनांक 03 अप्रैल 2021 को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों आरओबी निर्माण का ऑनलाइन शिलान्यास किया गया था। शिलान्यास को पांच वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हुआ। इसी के विरोध में यह पदयात्रा आयोजित की जा रही है। लागत तीन गुना बढ़ी, फिर भी टेंडर अधूरा

नेताओं ने बताया कि टोरी फ्लाई ओवरब्रिज परियोजना की प्रारंभिक प्राक्कलन राशि ?43 करोड़ थी, जो अब नए प्राक्कलन में बढ़कर ?119 करोड़ 71 लाख हो गई है। अब तक करीब छह बार टेंडर निकाला जा चुका है। शुरू में ?43 करोड़ की राशि आवंटित हुई थी। नए प्राक्कलन की ?119 करोड़ 71 लाख राशि पर अब तक टेंडर नहीं हुआ है। एक बार संवेदक ने कम राशि होने के कारण टेंडर छोड़ दिया था। जाम से त्रस्त जनता, मौत बन रही क्रॉसिंग माकपा नेताओं ने कहा कि केंद्र, राज्य सरकार और एनएच विभाग की उदासीनता के कारण लोग जाम की पीड़ा झेल रहे हैं। एनएच-22 पर टोरी जंक्शन का रेलवे क्रॉसिंग है। क्रॉसिंग जाम के कारण नागरिकों को घंटों जाम में फंसकर असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ रही है।

टोरी रेलवे क्रॉसिंग 24 घंटे बंद रहती है और हर बार किसी न किसी जिंदगी को खतरे में डालती है। एनएच-99, नया एनएच-22 अस्पताल, थाना, ब्लॉक और शहर को जोड़ती है। हर घंटे लंबा जाम लगता है। घंटों गेट बंद रहने से एम्बुलेंस में बैठे बीमार व्यक्ति की जिंदगी और मौत का फैसला रेलवे फाटक पर ही हो जाता है। कई बार बीमार मरीज की मौत फाटक पर ही हो चुकी है। प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिलाओं का प्रसव फाटक पर ही हो जाता है क्योंकि वे समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पातीं। रेलवे क्रॉसिंग से ही उन्हें कफन ओढ़ाकर घर वापस ले जाना पड़ता है। फाटक जाम से कई परिवारों की जिंदगियां खत्म हो चुकी हैं। रेलवे क्रॉसिंग जाम से रांची, गुमला, लोहरदगा, गढ़वा, पलामू, लातेहार, हजारीबाग, चतरा समेत 9 जिलों के अलावा छत्तीसगढ़ और पटना की यात्री बसें, छोटी-बड़ी गाड़ियां तथा लाखों लोग प्रभावित हैं। नेताओं ने कहा कि टोरी जंक्शन देश का एकलौता जंक्शन है जहां रेलवे स्टेशन जाने और स्टेशन से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। संपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों से 15 जून की पदयात्रा में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई।

भूतनगर बस्ती में पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास कांके विधायक सुरेश बैठा ने किया।

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता।

खलारी : स्थानीय क्षेत्र के विकास और बुनियादी ढाँचे को बेहतर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश कुमार बैठा द्वारा आज खलारी प्रखंड के अंतर्गत आने वाले चूरी पश्चिमी पंचायत की भूत नगर बस्ती में पीसीसी पथ के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह महत्वपूर्ण समारोह नारियल फोड़ने की परंपरा के साथ विधि-विधान से संपन्न हुआ।इस पीसीसी पथ के निर्माण की कुल लागत पच्चीस लाख छप्पन हजार सात सौ रुपये (25,56,700/-) की है। यह पथ भूत नगर बस्ती में स्थित कुर्बान अंसारी के घर से लेकर श्याम उरांव के घर तक बनाया जाएगा। इस पथ के निर्माण से बस्ती के निवासियों को आवागमन में बहुत सुविधा मिलेगी और स्थानीय विकास को गति मिलेगी।विधायक सुरेश कुमार बैठा ने नारियल फोड़कर परियोजना की औपचारिक शुरूआत की। इस अवसर पर मजदूर नेता अब्दुला अंसारी,चूरी पश्चिमी पंचायत की मुखिया शांति देवी,इंदिरा देवी तुरी,राजन सिंह राजा,मिंटू सिंह,शबीर अंसारी,इस्माइल अंसारी,कुर्बान अंसारी,सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो,इसके अतिरिक्त, संबंधित विभाग के संवेदक भी इस समारोह में उपस्थित थे।शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए, विधायक सुरेश कुमार बैठा ने कहा, "हमारी सरकार क्षेत्र के समग्र विकास और नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीसीसी पथ का निर्माण इस बात का प्रमाण है कि हम ग्रामीण बुनियादी ढाँचे को मजबूत बनाने के लिए तत्पर हैं।" उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पथ न केवल आवागमन को आसान बनाएगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगा।इस अवसर पर मुखिया शांति देवी और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी इस परियोजना को सराहनीय बताया और कहा कि यह पथ निर्माण क्षेत्र के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि यह क्षेत्र की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा

मजदूरों के शोषण के खिलाफ लाल झंडा बुलंद, 16 जून को डीसी दफ्तर पर महाप्रदर्शन

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद,:धनबाद परिसदन में बुधवार को असंगठित मजदूर मोर्चा की केंद्रीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो समेत संगठन के कई दिग्गज मजदूर नेताओं ने शिरकत की। बैठक का मुख्य एजेंडा विभिन्न क्षेत्रों में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की बदहाली, कोयला आउटसोर्सिंग कंपनियों की मनमानी और गिरिडीह के आयरन कारखानों में हो रहा श्रमिकों का शोषण रहा। नेताओं ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि मजदूरों को उनका हक नहीं मिला, तो आर-पार का आंदोलन होगा।न्यूनतम मजदूरी और बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं मजदूरबैठक को संबोधित करते हुए मोर्चा के केंद्रीय सदस्य निताई महतो और विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि धनबाद की कोयला आउटसोर्सिंग परियोजनाओं में काम करने वाले मजदूरों की स्थिति दयनीय है। उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी तक नसीब नहीं हो रही है। इसके अलावा आवास, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से भी उन्हें महरूम रखा जा रहा है। आउटसोर्सिंग कंपनियां मुनाफा कमाने के चक्कर में श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ा रही हैं।बाल मुकुंद आयरन कारखाना प्रबंधन पर तानाशाही का आरोप मजदूर नेताओं ने गिरिडीह के उद्योगों, विशेषकर 'बाल मुकुंद आयरन कारखाने' का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि यहाँ श्रमिकों को उचित वेतन और सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। हद तो तब हो गई जब अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने वाले 28 मजदूरों को प्रबंधन ने नौकरी से निकाल दिया। इस तानाशाही रवैये को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।सरकारी आदेश की अवहेलना, विधानसभा में भी गूंजा था मामला नेताओं ने बताया कि इस गंभीर मामले को लेकर भाकपा (माले) विधायक अरूप चटर्जी और सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने विधानसभा में भी आवाज उठाई थी। सदन में मामला गूंजने के बाद सरकार ने प्रबंधन को सभी 28 मजदूरों को तुरंत काम पर वापस लेने और नियमानुसार वेतन-सुविधाएं देने का स्पष्ट निर्देश दिया था। इसके बावजूद कारखाना प्रबंधन ने अब तक सरकारी आदेशों को ठंडे बस्ते में डाल रखा है।16 जून को चेतावनी प्रदर्शन, नहीं चेते तो चक्का जाम प्रबंधन की इसी हठधर्मिता और सरकारी तंत्र की सुस्ती के विरोध में असंगठित मजदूर मोर्चा ने आगामी 16 जून को गिरिडीह उपायुक्त (डीसी) कार्यालय के समक्ष विशाल 'चेतावनी प्रदर्शन' करने का ऐलान किया है। मजदूर नेताओं ने साफ कहा कि यह सिर्फ शुरूआत है। अगर इस प्रदर्शन के बाद भी जिला प्रशासन और प्रबंधन की नींद नहीं खुली, तो आने वाले दिनों में सड़कों को जाम कर उग्र और ऐतिहासिक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

लातेहार पुलिस की सक्रियता: एसपी ने दिए लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

अशीष कुमार वैद्य
रफ्तार मीडिया, लातेहार

पुलिस अधीक्षक, लातेहार के सभागार में बुधवार को आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने पर मंथन हुआ। आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक ने बीते माह में घटित सभी महत्वपूर्ण अपराधों की सकारात्मक समीक्षा की। एसपी ने लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन को प्राथमिकता देते हुए अपराध नियंत्रण के लिए ठोस कार्ययोजना पर चर्चा की। पासपोर्ट/चरित्र सत्यापन, ाऊअफ एंट्री एवं उएकफ पोर्टल के प्रभावी उपयोग से जनता को त्वरित सेवा देने के निर्देश दिए गए। बैठक में पिछले माह हत्या, लूट, बलात्कार, पोक्सो एक्ट आदि के कांडों में पुलिस द्वारा की गई त्वरित गिरफ्तारी एवं सफल उद्भेदन के प्रयासों की सराहना करते हुए आगे और बेहतर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस गोष्ठी में जिले के सभी पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। अपराध गोष्ठी के उपरांत आयोजित पुलिस सभा में एसपी ने पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिससे पुलिस बल का मनोबल बढ़ा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत , आक्रोशित परिजनों ने किया सड़क जाम

गिरिडीह। रेम्बा रफ्तार संवाददाता पवन कुमार राम

हीरोडीह थाना क्षेत्र के पांडेडीह मोड़ के समीप बुधवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान बरवाडीह (टांडपर) निवासी 70 वर्षीय असगर अली के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार असगर अली सुबह साइकिल से सब्जी बेचने के लिए पांडेडीह मोड़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस के सहयोग से घायल असगर अली को तत्काल इलाज के लिए जमुआ भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने पांडेडीह मोड़ के निकट गिरिडीहझकोडरमा मुख्य मार्ग को करीब एक घंटे तक जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर हीरोडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई तथा सरकारी प्रावधानों के तहत मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद लोगों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया जिससे यातायात सामान्य हो सका। वहीं पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान के लिए सिसी टीवी खंगालने में जुटी हुई है।

नशे के खिलाफ लातेहार में जंगः डीसी-एसपी ने दिखाई जागरूकता रथ को हरी झंडी

10 से 25 जून तक चलेगा राज्यव्यापी नशा मुक्ति अभियान, नुक्कड़ नाटक व ग्राम चौपाल से होगा जागरूक

अशीष कुमार वैद्य
रफ्तार मीडिया, लातेहार

आम जनमानस को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के उद्देश्य से उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त एवं अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर नशा मुक्ति अभियान की शुरूआत की। इस दौरान उपायुक्त ने पदाधिकारियों एवं सहकर्मियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। राज्य सरकार द्वारा 10 जून 2026 से 25 जून 2026 तक प्रस्तावित राज्यव्यापी निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के सफल संचालन हेतु जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा जागरूकता रथ निकाला गया। उपायुक्त श्री संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार गौरव ने समाहरणालय परिसर से रथ को रवाना किया।

यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का काम करेगा। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नशा न केवल शरीर को बल्कि व्यक्ति के सपनों और उसके भविष्य को भी नष्ट कर देता है। नशे से ग्रसित बच्चों एवं नागरिकों में कई मानसिक-शारीरिक लक्षण देखने को मिलते हैं। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के सहयोग से चलाया जाना है, जिसमें ग्राम चौपाल, नुक्कड़ नाटक, चित्रांकन, कविता लेखन, क्विज प्रतियोगिता आदि आयोजित की जाएंगी। लातेहार उपायुक्त श्री संदीप कुमार का नशामुक्ति को लेकर जिलेवासियों से अपील उपायुक्त श्री संदीप कुमार ने लातेहार वासियों से अपील करते हुए कहा कि सरकार के इस अभियान में आप सभी सहभागी बनें। नशा ऐसी बुराई है जो केवल व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से खोखला करती है, बल्कि यह परिवार और समाज को भी खोखला बनाती है। इसलिए हम सभी की यह सामूहिक जिम्मेदारी है कि इसे समाज से बाहर निकालें।

नशा से छुटकारे के लिए तुरंत संपर्क करें:

टोल फ्री नम्बर 112 (247)
सिनपास, रांची
केंद्रीय मनो चिकित्सा संस्थान, रांची
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), देवघर

मौके पर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, सिविल सर्जन राजमोहन खलखो, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार, उपनिर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती मेरी मड़की, समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती सविता कुमारी, गोपनीय पदाधिकारी श्रेयांस, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ. चन्दन, कार्यपालक दंडाधिकारी अजय कच्छप, कार्यपालक अभियंता दीपक महतों सहित अन्य उपस्थित थे।

विभिन्न आदिवासी-जनजातीय समुदायों की अहम बैठक 11 जून को, सामाजिक मुद्दों पर बनेगी रणनीति

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ लातेहार। जिले में निवास करने वाले विभिन्न आदिवासी एवं जनजातीय समुदायों के सामाजिक अगुआओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आगामी 11 जून 2026 (गुरुवार) को आयोजित की जाएगी। यह बैठक लातेहार जिला मुख्यालय के समीप पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पीछे स्थित वासाओड़ा में पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगी।बैठक का उद्देश्य आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न ज्वलंत एवं महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा कर समाज हित में आगे की रणनीति तैयार करना है। बैठक में पेसा कानून, पीपेसा, डीलिस्टिंग, सरना-सनातन, जनगणना, एसआईआर तथा परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही इन विषयों पर समाज की एकजुट राय बनाकर भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जाएगी।बैठक में कोरवा, असुर, बिरजिया, परहिया, बिरहोर, लोहरा, महली, मुंडा, उरांव, खरवार, चेरो सहित अन्य जनजातीय समुदायों के सामाजिक अगुआओं और प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। आयोजकों ने कहा है कि यदि किसी समुदाय का नाम सूची में शामिल नहीं हो पाया है तो उस समुदाय के सामाजिक प्रतिनिधि भी बैठक में सादर आमंत्रित हैं।आयोजकों का मानना है कि वर्तमान समय में आदिवासी समाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सामूहिक चर्चा और एकजुट प्रयास की आवश्यकता है। ऐसे में सभी समुदायों की सहभागिता से समाज के अधिकारों, पहचान और विकास से जुड़े विषयों पर प्रभावी निर्णय लिए जा सकेंगे।भोक्ता समाज के अगुआ प्रेम गंझु ने बैठक की जानकारी देते हुए सभी आदिवासी एवं जनजातीय समुदायों के सामाजिक अगुआओं से निर्धारित तिथि और समय पर बैठक में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि समाज के हित और अधिकारों की रक्षा के लिए सभी समुदायों का एक मंच पर आना समय की आवश्यकता है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे: धनबाद के मानस मंदिर में भाजपा ने की विशेष पूजा, पीएम मोदी के दीघार्यु होने की कामना

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता धनबाद,।केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सफल 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बुधवार को धनबाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा विशेष पूजा-अर्चना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जगजीवन नगर स्थित मानस मंदिर में धनबाद के विधायक राज सिन्हा के नेतृत्व में भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने देश की समृद्धि, चौमुखी विकास और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु होने की प्रार्थना की। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक जुटे।विकास और सुशासन के प्रतीक रहे 12 सालः राज सिन्हा मानस मंदिर परिसर में आयोजित विधिवत पूजा के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक राज सिन्हा ने कहा कि केंद्र सरकार का 12 वर्षों का यह कार्यकाल देश के

लिए विकास, जनकल्याण और सुशासन का बेमिसाल प्रतीक रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने वैश्विक पटल पर कई ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प विधायक ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने देश के गरीब, किसान, महिला और युवाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए कई कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतारी हैं। भाजपा कार्यकताओं ने भगवान से कामना की है कि प्रधानमंत्री मोदी सदैव स्वस्थ रहें, ताकि वर्ष 2047 तक भारत को पूर्णतः विकसित राष्ट्र और 'विश्व गुरु' बनाने का उनका महासंकल्प पूरा हो सके। देश को पुनः विश्व पटल पर अग्रणी राष्ट्र बनाने के लिए केंद्र सरकार निरंतर और कड़े प्रयास कर रही है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने सामूहिक रूप से विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को दोहराया।

उप विकास आयुक्त ने की विभिन्न विभागों के लंबित डीसी विपत्रों की समीक्षा

समामा औसाल, धनबाद

उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने आज समाज कल्याण, पशुपालन, उद्यान, आपूर्ति, जिला परिषद सहित विभिन्न विभागों के लंबित डीसी विपत्रों की समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान उन्होंने एब्स्ट्रेक्ट कंटीन्जेंसीज से निकास की गई अग्रिम राशि को वाउचर के साथ डिटेल कंटीन्जेंसी (डीसी विपत्र) में समायोजित करने का निर्देश दिया। साथ में कहा कि जिन एजेंसियों का बिल समायोजित नहीं होगा उन्हें योजना में अग्रिम राशि आवंटित नहीं की जाएगी। सभी एजेंसियां युद्ध स्तर लंबित डीसी विपत्र को समाप्त करें।

वहीं बैठक में अनुपस्थित रहने वाले स्पेशल डिविजन, पीएचईडी, जिला परिषद के जिला अभियंता, झमाडा सहित अन्य विभागों को शो-कोज करने का भी निर्देश दिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार, विकास शाखा के प्रधान सहायक श्री संतोष सुमन, साकिर अंसारी, स्वरूप कुमार, चंदन कुमार के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

परिमल नथवाणी के नामांकन पर बवाल, विसंगति पर नामांकन होल्ड; कांग्रेस का विधानसभा के बाहर धरना

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांची// राज्यसभा चुनाव के लिए निर्दलीय एवं भाजपा समर्थित उम्मीदवार परिमल नथवाणी के नामांकन को लेकर झारखंड में सियासी घमासान छिड़ गया है। बुधवार को कांग्रेस के मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने विधानसभा परिसर के बाहर धरना प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने नथवाणी का नामांकन रद्द करने की मांग करते हुए चुनावी प्रक्रिया में नियमों के सख्त पालन पर जोर दिया।

दस्तावेजों में नाम को लेकर विसंगति

जानकारी के अनुसार, नामांकन पत्रों की जांच के दौरान परिमल नथवाणी के दस्तावेजों में नाम को लेकर तकनीकी विसंगति सामने आई। कुछ आधिकारिक दस्तावेजों में उनका नाम "परिमल नथवाणी" दर्ज है, जबकि अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों में "नथवाणी परिमल" लिखा हुआ पाया गया। इस अंतर को गंभीर मानते हुए निवार्ची पदाधिकारी ने आपत्ति दर्ज की है और फिलहाल उनके नामांकन को होल्ड पर रख दिया है। अंतिम फैसला अभी बाकी है।

कांग्रेस का आरोप झ नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं

इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा के बाहर धरना दिया। प्रदर्शन कर रहे नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनावी नियमों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। कांग्रेस का कहना है कि जब तक इस विसंगति का संतोषजनक समाधान नहीं होता और नियमों के तहत कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

धरने में कांग्रेस के कई मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और विधायक शामिल हुए। नेताओं ने ह्यलोकतंत्र बचाओह्व और ह्यनियम सबके लिए बराबरह्व के नारे लगाए। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस के धरने को हताशा में उठाया गया कदम बताया है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पहले ही विधानसभा परिसर में कार्यकताओं के जमावड़े पर सवाल उठाते हुए विधानसभा अध्यक्ष और निर्वाचन आयोग से कार्रवाई की मांग की है।

फिलहाल निवार्ची पदाधिकारी के अंतिम निर्णय का इंतजार है। इस विवाद के चलते राज्यसभा चुनाव को लेकर राज्य का सियासी पारा चढ़ा हुआ है।

रिम्स में मेडिकल शिक्षा के विस्तार की बड़ी पहल, यूजी, पीजी और सुपर स्पेशियलिटी सीटें बढ़ाने की तैयारी

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य में चिकित्सा शिक्षा और विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए रिम्स, रांची में यूजी, पीजी और सुपर स्पेशियलिटी सीटों में व्यापक वृद्धि की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने रिम्स प्रशासन को विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। प्रस्ताव के अनुसार यूजी सीटें 180 से बढ़ाकर 250, पीजी सीटें 176 से बढ़ाकर 275 और सुपर स्पेशियलिटी सीटें 11 से बढ़ाकर 100 करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्र प्रायोजित योजना के तहत प्रति अतिरिक्त सीट लगभग 1.5 करोड़ रुपये की सहायता मिलेगी, जिसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करेगी। इसके साथ ही नए भवनों के निर्माण, पुराने भवनों के जीर्णोद्धार, आधुनिक अधोसंरचना विकास और रिम्स-2 परियोजना के तहत छात्रावास निर्माण को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने की योजना है। इस पहल से रिम्स की शैक्षणिक और चिकित्सीय क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा झारखंड में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी अब तक के सबसे लोकप्रिय और मजबूत नेता : मंजू कुमारी

झारखंडधाम में भाजपा कार्यकताओं ने बांटी मिठाइयां

गिरिडीह /रेम्बा प्रतिनिधि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा बुधवार को झारखंडधाम में "12 साल बेमिसाल" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जमुआ विधानसभा क्षेत्र के सात मंडलों के कार्यकर्ता जुटे।

कार्यक्रम की शुरूआत झारखंडनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद कार्यकताओं के बीच मिठाइयों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क, रेल, स्वास्थ्य, रक्षा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। अटल सुरंग जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं देश की बढ़ती क्षमता का प्रतीक हैं। उन्होंने दावा किया कि हाल के वर्षों में रेलवे, सेना, इंजीनियरिंग तथा स्वास्थ्य विभाग समेत विभिन्न क्षेत्रों में लाखों युवाओं को रोजगार मिला है।

विधायक ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले गिरिडीह क्षेत्र में शाम ढलते ही आवागमन प्रभावित हो जाता था, जबकि आज लोग रात में भी निर्भय होकर यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सेना को आधुनिक संसाधनों से सशक्त बनाया है तथा करोड़ों परिवारों को शौचालय और गैस कनेक्शन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। मंजू कुमारी ने प्रधानमंत्री मोदी को विश्व का सबसे लोकप्रिय और मजबूत नेता बताते हुए कहा कि उनकी ईमानदार छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक स्वीकार्यता मिली है।

भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री के दीघार्यु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में झारखंडधाम मंडल अध्यक्ष विकास मंडल, मंडरो मंडल अध्यक्ष मंतोष उपाध्याय, जमुआ मंडल अध्यक्ष बालगोविंद यादव, हीरोडीह मंडल अध्यक्ष सुधीर राय, मुखिया आशुतोष कुशवाहा, दशरथ महतो,कार्तिक मंडल प्रदीप सिंह, नरेश यादव, गंगाधर वर्मा, विनय यादव, उदय द्विवेदी, लक्ष्मण यादव, मनोहर पंडित, पवन द्विवेदी, राजेंद्र पंडित, राजकुमार तुरी, शिवचरण महतो, उदय पंडा, राजेश पंडा, कृष्ण पंडा, किशोर पंडा, दिनेश गुप्ता, पंकज राम, बिरेंद्र राम सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मोदी सरकार के बारह साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुसैनाबाद विधानसभा अंतर्गत सांसद ने चलाया विशेष जनसम्पर्क अभियान

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिथिलेश यादव मेदिनीनगर/

पलामू मोदी सरकार के कार्यकाल के बारह साल पूर्ण होने के मौके पर पलामू सांसद श्री विष्णु दयाल राम ने कार्यक्रम "बारह साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के" के तहत हुसैनाबाद विधानसभा में विशेष जन संपर्क अभियान चलाया और विधानसभा के प्रमुख लोगों से मिलकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों के बारे में चर्चा की। जिसमे छतरपुर रोड जपला गम्हरिया के श्री अखिलेश पासवान,मुखिया दंगवार श्री अमरेन्द्र ठाकुर,पंचायत समिति सदस्य श्री संतोष राम,श्री आर सी मेहता रिटायर्ड कैप्टन,श्री दुखन सिंह रिटायर सुबेदार, गांधी चौक के श्रीरंजन कुमार,श्री ओम प्रकाश अग्रवाल जेपी रोड के डॉक्टर शिवप्रसाद मेहता दंगवार के डॉक्टर अखिलेश गुप्ता एवं श्री आलोक केसरी के घर जाकर उनसे मिले।इसी क्रम में सांसद श्री राम ने दंगवार के मुखिया श्री अमरेंद्र

ठाकुर के घर दोपहर का भोजन भी किया।इसके बाद सांसद श्री राम ने जपला -छतरपुर रोड में चारधाम के पास वृक्षारोपण अभियान के तहत वृक्षरोपण भी किया। इसी क्रम में वे ग्राम पतरा खुर्द में भाजपा कार्यकर्ता सत्येंद्र साव के पुत्र के विगत दिनों पानी में डूब जाने से हुई असमायिक दुःखद मृत्यु पर शोक संतप्त परिजनों से मिले और संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।फिर उन्होंने कार्यक्रम "स्वच्छता अभियान" के तहत जपला के गाँधी चौक पर साफ -सफाई करते हुए लोगों को स्वच्छता का संदेश दियाऔर लोगों से प्लास्टिक आपशिष्ट की सफाई पर विशेष बल देते हुए पलास्टिक से बनी थैले की जगह कपड़े एवं कागज से बनी विशेष प्रकार की थैले का उपयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि एक बार फेंक दिए जाने के बाद, कई प्लास्टिक आसानी से जैविक रूप से विघटित नहीं होते और सदियों तक पर्यावरण में बने रह सकते हैं। इनके विघटन से सूक्ष्म प्लास्टिक निकलते हैं जो मिट्टी और महासागरों को प्रदूषित करते हैं, वन्यजीवों को प्रभावित करते हैं और खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करते हैं। कुछ प्लास्टिक विघटन के दौरान विषैले रसायन भी उत्सर्जित करते हैं ।तत्पश्चात "प्रगति पथ यात्रा"कार्यक्रम के तहत उन्होंने विकास स्थलों एवं उच्च प्राथमिकता वाली परियोजनाओं जैसे जल जीवन मिशन के अंतर्गत सोन नदी पर निमार्णाधीन पेयजलापूर्ति योजना एवं जुड़को द्वारा निमार्णाधीन हुसैनाबाद पेयजलापूर्ति योजना तथा हरिहरगंज फॉर लेन बाईपास का निरिक्षण किया और वस्तुस्थिति की अद्यतन जानकारी ली।इसके अलावे सांसद श्री राम ने छतरपुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना का भी निरीक्षण किया निरीक्षण के क्रम में पाया कि आउटलेट पाइप से पानी का रिसाव हो रहा है जिसपर सांसद श्री राम ने काफी नाराजगी व्यक्त करते हुए साइट पर उपस्थित साइट इंचार्ज को एक सप्ताह के भीतर रिसाव को दूर करने का आदेश दिया।

झारखंड आंदोलनकारी बैदा हेम्ब्रम का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय।

गांडेय प्रखंड के जामजोरी पंचायत अंतर्गत पंदनिया गांव निवासी झारखंड आंदोलनकारी 65 वर्षीय बैदा हेम्ब्रम का बुधवार को निधन हो गया। वे लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। बुधवार को अचानक उनकी तबीयत अधिक बिगड़ गई और उन्होंने अंतिम सांस ली।

नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

आंदोलनकारी के निधन की सूचना मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और झामुमो कार्यकताओं में शोक की लहर दौड़ गई। झामुमो प्रखंड

अध्यक्ष चांदमल मरांडी, प्रखंड सचिव मो. शब्बीर, ध्रुवदेव पंडित, हलधर राय, रवि वर्मा, छतरधारी सिंह और रवींद्र वर्मा समेत कई अन्य लोग उनके आवास पर पहुंचे।

नेताओं ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

भरा-पूरा परिवार छोड़ गए बैदा हेम्ब्रम

स्वर्गीय बैदा हेम्ब्रम अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से क्षेत्र के सामाजिक और राजनीतिक गलियारों में शोक का माहौल है। लोगों ने उनके निधन को आंदोलनकारी समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है।

देवघर में अतिक्रमण पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, सैकड़ों अवैध कब्जे हटाए।टावर चौक से आजाद चौक तक चला अभियान, अतिक्रमणकारियों पर जुमार्ना; दोबारा कब्जा करने पर 10 हजार तक का दंड।

देवघर, : शहर में सड़क अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम ने बुधवार को व्यापक अभियान चलाया। टावर चौक से लेकर आजाद चौक समेत पूरे बाजार क्षेत्र में नगर निगम अधिकारियों ने पुलिस बल की मौजूदगी में सड़क और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान सैकड़ों अस्थायी और स्थायी दुकानों के बाहर किए गए अवैध कब्जों को जेसीबी मशीन की मदद से ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों ने नाराजगी भी जताई।

नगर निगम पदाधिकारी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के तहत सड़क और फुटपाथ पर रखे गए सामान, शेड, टीन और अन्य अतिक्रमणकारी ढांचों को हटाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने तथा आम लोगों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर आर्थिक दंड भी लगाया गया। नगर निगम की ओर से अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों से एक हजार से दो हजार रुपये तक का जुमार्ना वसूला गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में दोबारा सड़क या फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों के अनुसार, अभियान समाप्त होने के बाद यदि कोई दुकानदार दोबारा सड़क या फुटपाथ पर अतिक्रमण करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ 10 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाएगा।

करसो पुल हत्याकांड का खुलासा: दो आरोपी गिरफ्तार, लूट-चोरी और ड्रग्स तस्करी में भी संलिप्तता स्वीकार, प्रेस वार्ता कर दिया गया जानकारी

वरीय संवाददाता हजारीबाग रफ्तार मीडिया

हजारीबाग। बरही थाना क्षेत्र के करसो पुल के समीप युवक विक्की कुमार सोनी की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार अपराधियों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार करने के साथ-साथ पूर्व में हुई कई लूट, चोरी, ड्रग्स तस्करी और अन्य आपराधिक घटनाओं में भी शामिल होने की बात कबूल की है।

जानकारी के अनुसार 8 जून 2026 को हजारीबाग शहर के ओकनी निवासी विक्की कुमार सोनी अपने एक दोस्त के साथ कोडरमा जा रहे थे। इसी दौरान बरही थाना क्षेत्र के करसो पुल के पास अज्ञात अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्यों और गहन अनुसंधान के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विक्रम कुमार (25 वर्ष), पिता विजय साव, निवासी नारदीगंज, जिला नवादा (बिहार) तथा दिलीप कुमार (25 वर्ष), पिता केसर चौधरी, निवासी चंदा खुर्द, थाना वजीरगंज, जिला गया (बिहार) के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन और मृतक जी कर से यात्रा कर रहे हुंडई कंपनी की ग्रे रंग की कार (संख्या खल02अए-0232) बरामद की है। दोनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान हत्या की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पहले से रहा है आपराधिक इतिहास

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि दोनों गिरफ्तार आरोपी पूर्व से आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। दिलीप कुमार के खिलाफ बिहार उत्पाद अधिनियम, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। वहीं विक्रम कुमार पर मारपीट, हत्या के प्रयास और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हजारीबाग समेत अन्य जिलों में हुई कई लूट, चोरी, ड्रग्स तस्करी और आपराधिक घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इन मामलों की भी जांच की जा रही है।

एसआईटी टीम की भूमिका रही अहम

इस हत्याकांड के खुलासे में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही राधाप्रेम किशोर, बरही थाना प्रभारी बिनोद कुमार, पुलिस अधिकारियों शमशेर बहादुर सिंह, राजबल्लभ यादव, राजेश भोक्ता, तकनीकी शाखा हजारीबाग तथा बरही थाना के सशस्त्र बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है और आवश्यकता पड़ने पर आगे और गिरफ्तारियां की जा सकती।

सदर अस्पताल में जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न

समामा औसाल, धनबाद

धनबाद के सदर अस्पताल में आज एक महिला का जटील ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति सीमित होने के कारण निजी अस्पताल में इस प्रकार के ऑपरेशन पर लगभग 30,000 से 40,000 रुपये तक का खर्च आ सकता था, जो उनके लिए वहन करना कठिन था। सदर अस्पताल में यह उपचार निःशुल्क उपलब्ध होने से उन्हें समय पर जीवनरक्षक चिकित्सा मिल सकी।

इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि बरवाअड्डा निवासी 42 वर्षीय लखीवाला देवी, पति दुलाल चंद्र प्रमाणिक, पिछले लगभग तीन महीनों से अत्यधिक मासिक रक्तस्राव की समस्या से परेशान थीं। लगातार रक्तस्राव के कारण उनकी शारीरिक स्थिति कमजोर होती जा रही थी। आर्थिक तंगी के कारण वे निजी अस्पताल में उपचार कराने में असमर्थ थीं। अंततः उन्होंने सदर अस्पताल, धनबाद का रुख किया और यहाँ कार्यरत स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ संजीव कुमार प्रसाद से परामर्श लिया।

विस्तृत जांच एवं अल्ट्रासोनोग्राफी कराने पर पता चला कि उनकी बच्चेदानी में गांठ है, जिसके कारण अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था। उनकी स्थिति को देखते हुए आज दिनांक 10 जून 2026 को डॉ. संजीव कुमार प्रसाद के नेतृत्व में सफलतापूर्वक बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन किया गया।

ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ दिनेश कुमार द्वारा एनेस्थीसिया दिया गया। शल्य चिकित्सा टीम के सहायक के रूप में मधुसूदन मरांडी एवं रंजन उपस्थित रहे।

ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और वर्तमान में मरीज स्वस्थ हैं तथा तेजी से स्वास्थ्य लाभ कर रही हैं। लखीवाला देवी एक गृहिणी हैं तथा उनके दो पुत्र और एक पुत्री हैं। उनके पति पेशे से चालक हैं।

लखीवाला देवी एवं उनके परिजनों ने सदर अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि उन्हें सरकारी अस्पताल में यह सुविधा नहीं मिलती, तो आर्थिक कारणों से उपचार कराना अत्यंत कठिन हो जाता।

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था में डिजिटल क्रांति, सदर अस्पताल रांची बनेगा टेली एसएनसीयू और ई-संजीवनी हब

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांची : झारखंड सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने रांची सदर अस्पताल को टेली एसएनसीयू (नवजात शिशु गहन चिकित्सा) और ई-संजीवनी हब सेंटर के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया है। इसके लिए सिविल सर्जन रांची को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत प्रस्ताव देने को कहा गया है। टेली एसएनसीयू हब के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों की एसएनसीयू इकाइयों को रांची से जोड़ा जाएगा, जिससे गंभीर नवजात शिशुओं की निगरानी और उपचार संबंधी विशेषज्ञ परामर्श ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेगा। वहीं ई-संजीवनी हब से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के मरीज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श ले सकेंगे। सरकार का उद्देश्य जिले और प्रखंड स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के जरिए झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है।

झरिया: बजरंग दल की प्रेस वार्ता, पुलिस पर पक्षपात का आरोप, निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोविंद खेत्रपाल, झरिया,
विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने बुधवार शाम 7 बजे झरिया नगर स्थित कार्यालय में प्रेस वार्ता कर पुटकी क्षेत्र में हुई मारपीट की घटना और पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि प्रशासन अपराधियों के धर्म या समुदाय को देखकर कार्रवाई करेगा तो कानून व्यवस्था पर जनता का भरोसा टूटेगा।बजरंग दल के अनुसार, पुटकी बाजार निवासी कार्यकर्ता रौशन वर्मा, उनके छोटे भाई छोटू कुमार वर्मा, धर्मवीर वर्मा और माता बसंती देवी के साथ 6 जून को अलगड़िया मस्जिद पट्टी के कुछ लोगों ने मारपीट की। प्रेस वार्ता में बजरंग दल ने आरोप लगाया कि मन्नान मिया, मुस्तफा अंसारी, साहिल अंसारी, शहीद अंसारी सहित 20 से 30 की संख्या में आए लोगों ने न केवल पुरुषों बल्कि महिलाओं के साथ भी मारपीट की। आरोप है कि

दुकान के गल्ले से नकदी निकाली गई और मोटरसाइकिल संख्या इफ 02 अऋ 6850 तथा ओप्पो कंपनी का मोबाइल तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया।घटना की लिखित सूचना पुटकी थाना में दी गई थी। बजरंग दल का कहना है कि थाना प्रभारी वकार हुसैन पर उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने आवेदकों को बार-बार आवेदन बदलने की धमकी दी और दो दिन बाद मामला दर्ज किया। बजरंग दल ने कहा कि बंगाल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए उन्हें आशंका है कि प्रशासनिक अधिकारी आपराधिक छवि के लोगों को बचाने का काम कर सकते हैं। ह्लअगर अपराधी पुलिस पर भी हमला कर घायल कर सकते हैं तो अपराध और बढ़ेगा,ह्व प्रेस वार्ता में कहा गया।संगठन ने वरिष्ठ पदाधिकारियों को आवेदन देकर पूरे घटनाक्रम से अवगत कराने की बात कही। बजरंग दल ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी सूरत में ऐसे कृत्यों को बर्दाश्त नहीं करेगा जिसमें समुदाय विशेष के आधार पर समर्थन देने का आरोप लगे। संगठन ने निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस की ओर से अब तक इस संबंध में आधिकारिक बयान नहीं आया है।

राज्यसभा चुनाव विवाद मामला, कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अवधेश प्रजापति ने भाजपा को बताया लोकतंत्र का खतरा,कहा मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म रद्द और परिमल नाथवानी का कोरम पूरा

देवघर: झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अवधेश प्रजापति ने राज्यसभा चुनाव प्रक्रिया को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है।

प्रवक्ता ने कहा कि झारखंड से राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन को लेकर विपक्षी दलों द्वारा कई सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नामांकन प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी की गई और प्रशासनिक स्तर पर दबाव बनाने की कोशिश हुई।

साथ ही उन्होंने मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इस फैसले ने भी कई सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस का मानना है कि चुनावी प्रक्रिया में सभी उम्मीदवारों के साथ समान और निष्पक्ष व्यवहार होना चाहिए।

अवधेश प्रजापति ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया पर निर्भर करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही हैं, जो चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और चुनावी संस्थाओं की निष्पक्षता की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी। साथ ही उन्होंने देश के युवाओं और आने वाली पीढ़ियों के हित में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कर्मचारियों की ऐतिहासिक जीत: चित्तरंजन रेलकर्मियों को पदोन्नति, नई भर्तियाँ और बेहतर सुविधाओं की सौगात

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

सीआरएमसी के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे प्रतिनिधिमंडल की महाप्रबंधक से हुई बैठक में कर्मचारियों के हित में कई बड़े फैसले लिए गए। बैठक सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई और प्रशासन ने पुराने वादों के साथ भविष्य की योजनाओं पर भी मुहर लगाई। वर्कशॉप के बाहर सहायक पदों और सभी विभागों में क्रेन चालक के खाली पदों को भरने के लिए अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया तेज होगी। 25 प्रतिशत विभागीय परीक्षा कोटे के तहत चयनित प्रशिक्षु कनिष्ठ अभियंता की प्रशिक्षण अवधि जुलाई 2026 से पहले कम की जाएगी। 2026-27 के लिए नए उम्मीदवारों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षुओं की भर्ती अधिसूचना भी जल्द आएगी। दिसंबर 2026 तक वर्कशॉप कार्यालयों में वातानुकूलन और आधुनिक फर्नीचर लग जाएंगे। एरिया 2, 3, 5 और 8 के सामुदायिक भवनों में भी वातानुकूलन और पंखे लगेंगे। सुरक्षा के लिए पूरे नगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में बंद परिपथ दूरदर्शन कैमरे लग रहे हैं। कर्मचारियों की तंदुरुस्ती के लिए आठों क्षेत्रों में खुले व्यायामशाला और योग उद्यान बनेंगे। आवास प्रबंधन प्रणाली 10 जून से रेल कारखाना की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन हो गई है।

किराना दुकान पर बैठे युवक को अपराधियों ने मारी गोली, रिम्स में भर्ती...

नामकुम संवाददाता (अमित शर्मा)
थाना क्षेत्र के लोवाडीह स्थित मौलाना आजाद कॉलोनी में बुधवार रात्रि अज्ञात अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी। जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे रिम्स में भर्ती कराया गया है। घटना रात करीब साढ़े आठ बजे की है। जानकारी के अनुसार शमशेर आलम (35) पिता हांजी सईद आलम मौलाना आजाद कॉलोनी रोड नंबर-19 निवासी है। जो बुधवार रात मास्टर जनरल स्टोर के पास बैठा था। इसी दौरान दो अज्ञात अपराधी वहां पहुंचे। जिसमें एक अपराधी ने शमशेर पर दो गोलियां चलाईं। पहली गोली मिस फायर हो गई, जबकि दूसरी गोली सीधे युवक के चेहरे पर लगी। गोली लगते ही शमशेर लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़ा। इधर वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी पैदल ही लोवाडीह चौक की तरफ भाग निकले। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुटे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नामकुम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शमशेर को तत्काल रिम्स ले

जाकर भर्ती कराया। घटना की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली थाना, सदर थाना की पुलिस के साथ ग्रामीण एसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और जांच में जुट गई है। फिलहाल हमले के पीछे का कारण स्पष्ट नही हो पाया है।थानेदार रामनारारायन सिंह ने बताया कि पुलिस आपसी रंजिश समेत सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। शमशेर आलम की हालत गंभीर बताई जा रही है। इलाके में दहशत का माहौल है।

राँची

घायल शमशेर हाजी सऊद का बेटा है,
घायल शमशेर अंजुमन इस्लामिया नूरिया महापंचायत के अध्यक्ष हाजी सऊद आलम का पुत्र है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गोली चलाने वाले युवक का नाम खालिद है।बताया जा रहा है कि खालिद और शमशेर आपस में दोस्त थे।किसी मामले को लेकर दोनो में दुश्मनी हो गई है। सूत्रों के अनुसार मामला जमीन का या किसी युवती से संबंधित है।हालांकि पुलिस सभी बिंदुओं पर छानबीन कर रही हैं।

मजदूरों का दर्द मेरी पीड़ा: प्राइवेट कर्मचारियों के शोषण पर भड़के भाजपा नेता शंकर तिवारी, रेलवे-प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन
चित्तरंजन भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष शंकर तिवारी ने गरीब और मेहनतकश रेल कर्मचारियों के शोषण का मुद्दा जोर-शोर से उठाया है। उन्होंने रेलवे प्रशासन और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि रेलवे में कार्यरत निजी ठेकेदारी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत और अमानवीय है। शंकर तिवारी ने कहा कि जितना वेतन इन कर्मचारियों का बनता है, उसमें भी ठेकेदार मनमाने तरीके से कटौती कर बहुत कम राशि दे रहे हैं। वेतन में देरी के साथ भविष्य निधि, निर्धारित ड्यूटी समय और मानदेय के नियमों की भी अनदेखी हो रही है। उन्होंने इसे गरीब तबके के लोगों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि गरीब का दर्द मैं अपना दर्द समझता हूं। ऐसे ठेकेदारों पर तुरंत सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से इस मामले को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। उन्होंने मांग की कि दोषी ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और सभी निजी कर्मचारियों को ड्यूटी समय के अनुसार पूरा मानदेय, भविष्य निधि के साथ सही समय पर दिया जाए। शंकर तिवारी ने नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी कि यदि मजदूरों के हक की अनदेखी बंद नहीं हुई, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर दुखहरनी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, विधायक रागिनी सिंह ने की देश व क्षेत्र की खुशहाली की कामना

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोविंद खेत्रपाल , झरिया में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने के अवसर पर झरिया स्थित दुखहरनी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झरिया की लोकप्रिय विधायक रागिनी सिंह ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर देश, प्रदेश एवं झरिया विधानसभा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और निरंतर विकास की कामना की।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति, जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता और विकसित भारत के संकल्प को लेकर ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया।

विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है, जिससे गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग का जीवन बेहतर हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व पटल पर एक सशक्त और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष जनविश्वास और विकास की नई गाथा हैं। दुखहरनी मंदिर में पूजा-अर्चना कर हमने राष्ट्र की उन्नति, झारखंड की समृद्धि तथा झरिया विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की कामना की है। विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है और हम सभी को इस संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का भी माध्यम बना। भाजपा संगठन द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रम कार्यकताओं में उत्साह का संचार करने के साथ-साथ सरकार की नीतियों एवं विकास कार्यों के प्रति जनसमर्थन को भी मजबूत करने का कार्य करते हैं। झरिया में आयोजित यह कार्यक्रम संगठनात्मक एकजुटता, जनसंपर्क और विकसित भारत के संकल्प के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

कार्यक्रम श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रहित के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। इसमें उपस्थित कार्यकताओं ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

हुकिंग पर कड़ी कार्रवाई: पंचायत प्रधान के परिवार पर 3.83 लाख का जुमार्ना, 3 एसी चलाने पर कटा अवैध कनेक्शन

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन
अवैध बिजली उपयोग यानी हुकिंग के खिलाफ विद्युत विभाग की सख्ती जारी है। एक अभियान के तहत रूपनारायणपुर विद्युत विभाग ने सलानपुर ग्राम पंचायत प्रधान के परिजन के घर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3.83 लाख रुपये का भारी जुमार्ना लगाया है। साथ ही पुलिस में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जांच के दौरान सलानपुर ग्राम पंचायत प्रधान फुचु बाउरी के परिजन सोमनाथ बाउरी के आवास पर 3 एयर कंडीशनर संचालित पाए गए। आरोप है कि इन एसी के लिए मुख्य विद्युत लाइन से अवैध हुकिंग कर बिजली का उपयोग किया जा रहा था। अनियमितता पकड़े जाने पर सोमनाथ बाउरी की पत्नी झरना बाउरी के नाम जुमार्ना लगाया गया। आरोपों पर सफाई देते हुए प्रधान फुचु बाउरी ने कहा कि घर में एसी लगाए गए थे, लेकिन अतिरिक्त विद्युत भार की स्वीकृति लेना जरूरी था इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। उन्होंने बताया कि जांच के समय वह अस्पताल में थे और उनकी पत्नी झरना बाउरी ब्लॉक कार्यालय में प्रशासनिक बैठक में शामिल होने गई थीं। विद्युत विभाग ने यहीं नहीं रुका। 9 जून को अमडांगा, सलानपुर और सलानपुर कालीतला क्षेत्रों में भी सघन अभियान चलाया गया। इस दौरान अमडांगा निवासी मनीष मिश्रा पर 72 हजार रुपये और सलानपुर कालीतला निवासी शिवनाथ मंडल पर लगभग 1 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। दोनों के अवैध कनेक्शन काट दिए गए। तीनों मामलों में पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विभाग ने चेतावनी दी है कि हुकिंग और अवैध कनेक्शन के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अतिरिक्त भार के लिए विभाग से विधिवत अनुमति लें।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर। मांडर थाना क्षेत्र अंतर्गत करगे गांव में 6 जून को घटित सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस को एक और सफलता मिली है। मामले में फरार चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान करगे गांव निवासी 21 वर्षीय संदीप उरांव के रूप में हुई है। घटना के बाद से वह पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी अपने क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर मांडर पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।